राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 हिंडनबर्ग का बवंडर, शेयर बाजार का तूफान, डूब गई आधी दौलत ....

एलजी का सीएम को पत्र, कहा- दिल्ली में किस तरह के पानी की हो रही है ... 12

वर्ष : 13 | अंक : 297 | नई दिल्ली, सोमवार, 13 मार्च, 2023 | चैत्र मास,षष्ठी, विक्रम संवत् 2079 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के मांड्या में प्रमुख विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कर्नाटक के मांड्या में प्रमुख विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे को राष्ट्र को समर्पित किया और मैसूरु-खुशालनगर 4-लेन राजमार्ग की आधारशिला रखी। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि डबल इंजन सरकार तेजी से विकास के साथ हर नागरिक की मांगों को पूरा करने का प्रयास करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के युवा आज आधुनिक और उच्च गुणवत्ता वाले एक्सप्रेसवे पर गर्व महसूस कर रहे हैं। आज समर्पित इस एक्सप्रेसवे से मैसूरु और बेंगलुरु के बीच यात्रा का समय आधा हो गया है। उन्होंने मैसूर-कुशलनगर 4-लेन राजमार्ग की आधारशिला रखने पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं 'सबका विकास' की भावना को आगे बढ़ाएंगी और समृद्धि के द्वार खोलेंगी। प्रधानमंत्री ने इन परियोजनाओं के लिए कर्नाटक के लोगों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा

कि इंफ्रास्ट्रक्चर अपने साथ सिर्फ सुविधा नहीं लाता बल्कि रोजगार, निवेश और कमाई के साधन लाता है। बीते वर्षों में सिर्फ कर्नाटक में ही हमने एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हाई-वे से जुड़े प्रोजेक्ट्स में पूंजी निवेश किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले केंद्र की कांग्रेस सरकार ने गरीब परिवारों को तबाह करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। जो पैसा गरीब के विकास के लिए था, उसका हजारों-करोड़ रुपये कांग्रेस की सरकार ने लूट लिया था। कांग्रेस को कभी करीब के दुख-दर्द से कोई फर्क नहीं पड़ा है। कार्यक्रम से पहले प्रधानमंत्री ने मांड्या में रोड शो भी किया और इस दौरान उपस्थित लोगों का उन्होंने अभिवादन किया। प्रधानमंत्री ने आज बेंगलुरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे राष्ट्र को समर्पित किया। इस परियोजना में एनएच-275 के बेंगलुरु-निदाघट्टा-मैसूरु खंड को 6 लेन का बनाना शामिल है। 118 किमी. लंबी सड़क के निर्माण से जुड़ी इस परियोजना को लगभग 8480 करोड़ रुपये की कुल लागत से विकसित किया गया है। इससे बेंगलुरु और मैसूरु के बीच यात्रा-अवधि लगभग 3 घंटे से घटकर करीब 75 मिनट रह जाएगी। इससे क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने मैसूरु-खुशालनगर 4 लेन राजमार्ग की आधारशिला भी रखी। 92 किमी. में फैली इस परियोजना को करीब 4130 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा। यह परियोजना बेंगलुरु के साथ खुशालनगर के परिवहन संपर्क को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और यात्रा-अवधि को लगभग 5 से घटाकर केवल 2.5 घंटे करने में मदद करेगी। इस प्रकार, यात्रा की अवधि, वर्तमान की तुलना में आधी रह जायेगी।

मौसम

अधिकतम तापमान 32.0°C

न्यूनतम तापमान 21.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	58,265
चांदी	65,700
सेंसेक्स	59,135
निफ्टी	17,413

आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त न करने की मोदी सरकार की नीति जारी रहेगी : अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि आतंकवाद को बिल्कुल न बर्दाश्त करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की नीति आने वाले वक्त में भी जारी रहेगी। उन्होंने यहां केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की 54वीं स्थापना दिवस परेड में कहा कि देश के किसी भी हिस्से में अलगाववाद, आतंकवाद और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों से सख्ती से निपटा जाएगा। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) और राज्य पुलिस की भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने इसे महत्वपूर्ण बताया और कहा कि पिछले नौ साल में यह प्रदर्शित किया गया है। शाह ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पिछले नौ वर्ष में आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। उन्होंने कहा कि कश्मीर में हिंसा काफी कम हुई है, जबकि पूर्वोत्तर और वामपंथी चरमपंथ प्रभावित इलाकों में उग्रवाद भी कम हुआ है तथा लोगों का भरोसा बढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त होने वाले लोगों

की संख्या घटती जा रही है और कई लोग हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी देश तभी प्रगति कर सकता है यदि उसके हवाई अड्डे, बंदरगाह और औद्योगिक प्रतिष्ठान सुरक्षित हों। उन्होंने देश में सेवाओं के लिए सीआईएसएफ कर्मियों की प्रशंसा की। शाह ने कहा कि अगर देश की अर्थव्यवस्था को पांच हजार अरब डॉलर तक पहुंचाने के प्रधानमंत्री मोदी के लक्ष्य को साकार करना है तो राष्ट्रीय महत्व के हवाई अड्डों, बंदरगाहों और अन्य प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास जताया कि सीआईएसएफ भविष्य में इन चुनौतियों पर खरा उतरेगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय सीआईएसएफ को हवाई अड्डों, बंदरगाहों और अन्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के वास्ते आधुनिक तकनीक से लैस करने में कोई कोर कसर नहीं छोडेगा। निजी सुरक्षा एजेंसियों को प्रशिक्षित करने के लिए सीआईएसएफ द्वारा अपनाए हाइब्रिड मॉडल पर मीडिया में आयी खबरों के हवाले से शाह ने कहा कि सीआईएसएफ की भूमिका बढ़ेगी क्योंकि यह बल निजी कंपनियों में परामर्श प्रदाता के रूप में काम कर सकता है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान सीआईएसएफ ने कई हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी की। उन्होंने ड्यूटी पर रहते हुए अपनी जान गंवाने वाले सीआईएसएफ कर्मियों को श्रद्धांजलि भी दी। इस मौके पर सीआईएसएफ महानिदेशक (डीजी) शील वर्धन सिंह ने भी संबोधन दिया। सीआईएसएफ ने पहली बार दिल्ली-एनसीआर के बाहर अपना वार्षिक स्थापना दिवस मनाया है। इस कार्यक्रम का आयोजन यहां हकीमपेट में सीआईएसएफ राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी में किया गया।

शाह ने सीआईएसएफ के 54वें स्थापना दिवस पर परेड की सलामी ली

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को तेलंगाना के हैदराबाद में सुरक्षा अकादमी में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 54वें स्थापना दिवस पर परेड की सलामी ली। आज सुबह हकीमपेट के सुरक्षा अकादमी में आयोजित इस कार्यक्रम की श्री शाह ने अध्यक्षता की और परेड की सलामी ली। तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई साउंडराजन और केंद्रीय पर्यटन मंत्री किशन ने शामिल हुए। सीआईएसएफ स्थापना दिवस प्रत्येक वर्ष मार्च के दौरान पूरे देश में मनाया जाता है। पहली बार दिल्ली-एनसीआर के बाहर सीआईएसएफ स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। पिछले 53 वर्षों के दौरान सीआईएसएफ ने अपनी विश्वसनीयता और क्षमता में कई गुना वृद्धि की है और आज 1.70 लाख से अधिक कर्मियों की ताकत के साथ आद्यौगिक बल देश के 354 महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों सहित 66 हवाई अड्डों, बंदरगाहों, परमाणु और गति प्रतिष्ठान, दिल्ली मेट्रो, इस्पात और बिजली संयंत्र प्रतिष्ठानों को सुरक्षा में तत्पर है। सीआईएसएफ का विशेष सुरक्षा समूह (एसएसजी) 147 विभिन्न श्रेणियों के लोगों को सुरक्षा प्रदान करता है और यह 111 इकाइयों को अग्निशमन सेवा कवर भी प्रदान कर रहा है।

कर्नाटक में रोड शो के दौरान मोदी ने भीड़ पर वापस बरसाए फूल

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रविवार को मांड्या शहर में एक विशाल रोडशो के दौरान गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उन्होंने भी भीड़ में शामिल लोगों पर वापस फूलों की पंखुड़ियां फेंककर अपने उद्गार जाहिर किये। मोदी ने रास्ते के दोनों ओर कतारबद्ध खड़े लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। उन्हें अपनी कार के बोनट पर एकत्रित फूलों की पंखुड़ियों को उठाकर भीड़ पर फेंकते देखा गया। वह अपनी कार से उतरे और उनके स्वागत में प्रस्तुति देने वाले लोक कलाकारों से मिले। प्रधानमंत्री देश को बेंगलुरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे समर्पित करने संबंधी कार्यक्रम के लिए इस जिले में हैं। इस परियोजना में राष्ट्रीय राजमार्ग-275 के बेंगलुरु-निदाघट्टा-मैसुरु खंड को छह लेन का बनाना शामिल है। करीब 118 किलोमीटर लंबी इस परियोजना को लगभग 8,480 करोड़ रुपये की कुल लागत से विकसित किया गया है। इससे बेंगलुरु और मैसुरु के बीच यात्रा का समय लगभग तीन घंटे से घटकर करीब एक घंटा 15 मिनट हो जाएगा। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पुराने मैसूरु क्षेत्र में अच्छी-खासी सीट जीतने पर ध्यान केंद्रित करती दिख रही है, जहां वह पारंपरिक रूप से कमजोर रही है। कर्नाटक में मई में विधानसभा चुनाव होने हैं। मोदी के 1.8 किलोमीटर लंबे रोडशो के लिए पूरे रास्ते को भगवा रंग से सजाया गया। पूरे रास्ते पर भाजपा के झंडे, पोस्टर और बैनर लगाए गए। अपनी कार के ह्यरनिंग बोर्डह्न पर खड़े होकर मोदी ने सड़कों और आसपास की इमारतों पर खड़े लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। भीड़ में शामिल लोगों को मोदी, मोदी के नारे लगाते देखा गया। मांड्या जिला, पुराने मैसूरु क्षेत्र का एक प्रमुख हिस्सा है और यह पारंपरिक रूप से जनता दल सेक्युलर (जद-एस) का गढ़ रहा है। जिले में सात विधानसभा क्षेत्र हैं और एक को छोड़कर सभी पर जद (एस) का कब्जा है। वोक्कालिंगा समुदाय बहुल इस जिले में कांग्रेस भी मजबूत है और भाजपा यहां अपने पैर पसारने की कोशिश कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

सेना ने नौशेरा में नियंत्रण रेखा पर पिस्तौल और नशीले पदार्थ किया बरामद

जम्मू-कश्मीर में राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर के झंगर क्षेत्र में नियंत्रण रेखा के पास से सेना ने मादक पदार्थ और आतंकवादियों के गठजोड़ का भंडाफोड़ करते हुए पिस्तौल और नशीला पदार्थ बरामद किया है। जम्मू स्थित रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने रविवार को बताया कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर सेना ने नौशेरा के झंगर में नियंत्रण रेखा के पास अभियान चलाया। प्रवक्ता ने बताया कि अभियान के दौरान दो अत्याधुनिक पिस्तौल, दो किलोग्राम नशीला पदार्थ और दो किलोग्राम आईईडी बरामद हुआ हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान ने एक बड़ी घटना को टाल दिया है।

मेरी कब्र खोदने के सपने देखने में व्यस्त है कांग्रेस : मोदी

मोदी जी फायदे गिनाते हुए पिछले कुछ वर्षों में कर्नाटक में राजमार्गों पर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का पूंजी निवेश किया गया है।

नई दिल्ली, एजेंसी

कर्नाटक में दो इंजन वाली सरकार की वकालत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर करारा निशाना साधते हुए कहा कि प्रतिद्वंद्वी पार्टी उनकी मौत के सपने देखने में व्यस्त है, लेकिन वह कर्नाटक के विकास का सपना देखने में व्यस्त हैं। श्री मोदी ने यहां कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा, कांग्रेस मोदी की कब्र खोदने के सपने देखने में व्यस्त है, लेकिन मैं कर्नाटक के विकास के सपने देखने में व्यस्त हूं। मोदी की कब्र खोदने का सपना देखने वाले कांग्रेसी नहीं जानते कि मोदी का सबसे बड़ा सुरक्षा कवच देश की करोड़ों मां-बहनों का आशीर्वाद है। श्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2014 में उनकी सरकार बनने के बाद से उन्होंने पूरी ईमानदारी से गरीबों की सेवा करने की कोशिश की और लगातार गरीबों के जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री ने कहा, 2014 में जब आपने मुझे वोट दिया और सेवा का अवसर दिया, तब देश में एक संवेदनशील सरकार बनी जो गरीबों के दर्द और पीड़ा को समझती है। इसके बाद भाजपा की केंद्र सरकार ने गरीबों की सेवा करने का प्रयास किया। पूरी ईमानदारी से। गरीबों के जीवन में आने वाली मुश्किलों को कम करने का लगातार प्रयास किया। डबल इंजन वाली सरकार के फायदे गिनाते हुए श्री मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कर्नाटक में राजमार्गों

पर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का पूंजी निवेश किया गया है। बुनियादी ढांचा रोजगार, निवेश और आय के रास्ते लाता है। श्री मोदी ने कहा कि देश में दशकों से लंबित सिंचाई परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इस साल के बजट में, सरकार ने 5,300 करोड़ रुपये के साथ ऊपरी भद्रा परियोजना प्रदान करने की घोषणा की है, जिससे क्षेत्र में सिंचाई संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान हो सके। श्री मोदी ने कहा कि कर्नाटक में शुरू की जा रही अत्याधुनिक सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पूरे राज्य में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगी और आर्थिक विकास को मजबूत करेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि सागरमाला और भारतमाला जैसी परियोजनाओं के साथ, कर्नाटक और देश बदल रहा है। उन्होंने कहा, जब दुनिया कोरोना वायरस से जूझ रही थी, तब भारत ने अपने बुनियादी ढांचे के बजट को कई गुना बढ़ा दिया। उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों में लोग बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे के बारे में बात कर रहे हैं। भारत के लोग देश भर में ऐसा आधुनिक और शानदार एक्सप्रेसवे चाहते हैं। एक्सप्रेसवे युवाओं को गर्व से भर देता है। श्री मोदी ने कहा कि अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर 'ईज ऑफ लिविंग' को बढ़ाता है और प्रगति के नए अवसर पैदा करता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई मंत्री द्वारा सुनाया गया एक किस्सा साझा किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को वह किस्सा साझा किया जिसे ऑस्ट्रेलियाई व्यापार मंत्री डॉन फैरेल ने उन्हें सुनाया था कि कैसे उनके एक शिक्षक गोवा से वहां गए थे। मोदी ने कहा कि यह भारत व ऑस्ट्रेलिया के बीच समृद्ध सांस्कृतिक जुड़ाव को रेखांकित करता है। फैरेल ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ आए थे जो पिछले सप्ताह आधिकारिक यात्रा पर भारत में थे। मोदी ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा, मेरे मित्र पीएम अल्बनीज के सम्मान में दोपहर के भोजन के दौरान, ऑस्ट्रेलियाई व्यापार और पर्यटन मंत्री डॉन फैरेल ने कुछ दिलचस्प साझा किया उन्हें ग्रेड 1 में श्रीमती एबर्ट द्वारा पढ़ाया गया था जिन्होंने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ा और उन्हें अपनी शैक्षिक नींव के लिए श्रेय दिया। मोदी ने कहा, श्रीमती एबर्ट, उनके पति और उनकी बेटी लियोनी 1950 के दशक में भारत में गोवा से एडिलेड चली गईं और ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में एक स्कूल में पढ़ाने लगीं। उन्होंने कहा कि एबर्ट की बेटी लियोनी दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई शिक्षक संस्थान की अध्यक्ष बनीं। प्रधानमनंत्री ने कहा, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच समृद्ध सांस्कृतिक जुड़ाव को रेखांकित करने वाला यह किस्सा सुनकर मुझे खुशी हुई। जब कोई अपने शिक्षक को प्रेमपूर्वक संदर्भित करता है तो यह सुनना भी उतना ही सुखद होता है।

पत्र हर मामले में सीधे रउ आने की जरूरत नहीं.....

मनीष सिसोदिया ने सीएम केजरीवाल को भेजा 3 पेज का पत्र, बयां किया अपना ये दर्द

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने अपने पत्र में कहा है कि मैं और मेरा भगवान जानते हैं कि ये सभी आरोप झूठे हैं । भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन ने अंततः मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने से पहले उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक पत्र लिखा. उन्होंने अपने ऊपर लग रहे आरोपों को 'झूठा' करार दिया है. साथ ही अपने रुख पर अडिग रहते हुए मंगलवार को अपने इस्तीफे में कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आठ साल से लगातार ईमानदारी और सच्चाई से काम करने के बावजूद भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे हैं। सीएम केजरीवाल को लिखे पत्र में उन्होंने अपना दर्द खुलकर बयां किया है। दरअसल, दिल्ली शराब कांड में सीबीआई द्वारा रविवार को गिरफ्तारी और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका खारिज किए जाने के बाद डिप्टी सीएम ने सीएम अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा था. चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों का इस्तीफा मिलते ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तत्काल स्वीकार कर लिया. अब आप दोनों मंत्रियों के इस्तीफे को नैतिकता के नजरिए से देख रही है तो दूसरी तरफ बीजेपी इस घटनाक्रम पर केजरीवाल सरकार के खिलाफ आक्रामक है. बीजेपी का कहना है कि आप ने जिस मनीष सिसोदिया को पारदर्शिता की प्रतिमूर्ति बताते नहीं थकती थी, अब उनका इस्तीफा ले लिया. क्या यही केजरीवाल सरकार की नैतिकता की मिसाल है. हकीकत यह है कि मंत्रियों के इस्तीफे को स्वीकार करना आम आदमी पार्टी की मजबूरी है।

हर मामले में सीधे SC आने की जरूरत नहीं इससे पहले मनीष सिसोदिया की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय में जाने का सुझाव दिया, भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि इस स्तर पर हम इस पर विचार नहीं कर सकते. न ही हस्तक्षेप करने की गुंजाइश है। साथ ही ये भी कहा कि हर मामले में शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने सीधे यहां पर खटखटाने की जरूरत नहीं है।

विरोधियों के निशाने पर सिसोदिया नहीं, केजरीवाल

दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने पत्र के जरिए सीएम अरविंद केजरीवाल के सामने दिल की बात रखते हुए कहा कि मैं और मेरा भगवान जानते हैं कि ये सभी आरोप झूठे हैं, ये आरोप वास्तव में एक साजिश से ज्यादा कुछ नहीं हैं, अरविंद केजरीवाल की सच्चाई की राजनीति से डरने वाले कायर और कमजोर लोगों के निशाने पर मैं, नहीं आप यानी केजरीवाल हैं. आज दिल्ली ही नहीं पूरे देश की जनता आपको एक ऐसे नेता के रूप में देख रही है जो देश के नेतृत्व देने में सक्षम है. अरविंद केजरीवाल देश भर के उन करोड़ों लोगों की उम्मीद हैं जो उनको आर्थिक संकट, गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं से निजात दिला सकता है. बता दें कि दिल्ली के मंत्रियों मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन ने मंगलवार को दिल्ली मंत्रिमंडल के अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था. मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर उपराज्यपाल विनय सक्सेना के पास भेज दिया. एलजी ने दोनों मंत्रियों के इस्तीफे को आज स्वीकार करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास भेज दिया।

सल्ट के दो स्कूलों में हुई चोरी, केस दर्ज

मौलेखाल (अल्मोड़ा), एजेंसी। सल्ट विकासखंड के अंतर्गत चोरों ने दो स्कूलों के ताले तोड़कर गैस सिलिंडर, मिड-डे-मील का राशन चुरा लिया। राजस्व उप निरीक्षक क्षेत्र देवायल में तहरीर दी गई है। मामले में केस दर्ज हो गया है। होली के अवकाश के चलते स्कूल बंद थे। चोरों ने इस दौरान राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनैणी थात तराड़, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैणानी में चोरी की। चोरों ने दोनों में विद्यालयों से एक-एक गैस सिलिंडर, मिड-डे-मील का दाल, चावल समेत अन्य राशन चोरी कर लिया। शुक्रवार को स्कूल खुलने पर शिक्षक विद्यालय पहुंचे तो उन्हें चोरी का पता चला। चोरों ने स्कूल के किचन का दरवाजा तोड़ा था। किचन में रखे सिलिंडर, बर्तन और राशन उड़ा ले गए। दोनों विद्यालयों में मिड-डे-मील भी नहीं बना। राजस्व उप निरीक्षक इकरार अली ने बताया कि मामले में तहरीर मिली है। अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शराब बेचने पर एक आरोपी गिरफ्तार

स्याल्दे, एजेंसी। जिलेभर में पुलिस का चेकिंग अभियान जारी है। देघाट पुलिस -क्षेत्र में चेकिंग अभियान के दौरान दुकान में शराब बेचने पर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी मनोज गोस्वामी पुत्र मदन गिरी गोस्वामी निवासी ग्राम बिरोट तहसील स्याल्दे देघाट के कब्जे से नौ बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की। पुलिस ने मौके पर शराब को सील कर आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की।

बिल जमा नहीं किया तो सरकारी विभागों के कटेंगे कनेक्शन

हल्द्वानी, एजेंसी। विद्युत विभाग का सरकारी विभागों पर करीब साढ़े सात करोड़ रुपये बकाया है। इसकी वसूली को लेकर विभाग ने अभियान चलाया है। बिल जमा करने के लिए सरकारी कार्यालयों में नोटिस दिया गया है। समय पर बिल जमा नहीं करने पर कनेक्शन काटे जाएंगे। विद्युत वितरण खंड नगर डिवीजन का सरकारी विभागों पर साढ़े पांच करोड़ रुपये जबकि ग्रामीण डिवीजन का ढाई करोड़ रुपये बकाया है। बड़े बकायेदारों में नगर निगम पहले नंबर पर है। नगर निगम को 121 स्ट्रीट लाइटों का 3.93 करोड़ रुपये बकाया है जबकि नगर निगम को अपने चार कनेक्शनों का 34.71 लाख रुपये भी जमा करना है। वहीं दूसरे नंबर पर स्वास्थ्य विभाग का 40.68 लाख रुपये बकाया है। सभी विभागों को पूर्व में नोटिस दिया जा चुका है। इसी तरह विद्युत वितरण खंड ग्रामीण डिवीजन के बड़े बकायेदारों में शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग शामिल हैं। सरकारी विभागों को 15 दिन के भीतर बिल जमा करने का समय दिया गया है।

एमएससी अकार्बनिक रसायन व एमए संस्कृत में टॉपर को मिलेगा स्वर्ण पदक

नैनीताल, एजेंसी। कुमाऊं विश्वविद्यालय के एमएससी अकार्बनिक रसायन व एमए संस्कृत में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा। इसी सत्र से यह पदक दिए जाएंगे। बता दें नैनीताल निवासी स्व. भगवती चिंतामणि तिवारी के पुत्र-पुत्रियों दीपा पाठक-कमला पाठक, प्रो. ललित तिवारी-प्रो. गीता तिवारी व राजीव तिवारी की ओर से भगवती चिंतामणि तिवारी के नाम से एमएससी अकार्बनिक रसायन में स्वर्ण पदक देने के लिए विवि नियमानुसार आवश्यक 75 हजार की धनराशि का चेक और प्रार्थना-पत्र कुलसचिव दिनेश चंद्रा को सौंप दिया है। विवि के पूर्व छात्र तथा संस्कृत के स्वर्ण पदक विजेता स्व. पुष्कर चंद्र पाठक की पत्नी हल्द्वानी निवासी दीपा पाठक ने पति की स्मृति में एमए संस्कृत में सर्वाधिक अंक लाने वाले विद्यार्थी को स्वर्ण पदक देने के लिए 75 हजार की धनराशि का चेक व प्रार्थना पत्र कुलसचिव चंद्रा को सौंपा।

रामनगर-क्यारी मार्ग में बदहाल

रामनगर (नैनीताल), एजेंसी। रामनगर में जी-20 समिट की तैयारी चल रही है वहीं नगर में सड़कों की दशा बदहाल है। रामनगर से क्यारी को जाने वाली छह किलोमीटर सड़क बदहाल है। हालात ऐसे हैं कि सड़क पर पैदल चलना भी दूभर हो रहा है। ग्रामीणों की सड़क बनाने की गुहार को सुनने वाला कोई नहीं है। भाजपा किसान मोर्चा के महामंत्री विनोद बुधानी ने बताया कि बैलगढ़ से क्यारी सड़क का निर्माण 2015-16 में हुआ था। अब सड़क की हालत बेहद खराब हो गई है जबकि ग्राम क्यारी पर्यटन गांव में आता है। अब ग्रामीणों का सड़क पर चलना बहुत मुश्किल हो रहा है। लोनिवि के अधिशासी अभियंता रविंद्र कुमार ने बताया कि सड़क बदहाल है। इसकी डीपीआर बनाकर शासन को भेजी गई है। डीपीआर मंजूर होते ही सड़क बनाई जाएगी।

खैरना में पुल पर दौड़े वाहन

गरमपानी (नैनीताल), एजेंसी। दस करोड़ की लागत से खैरना में टूलेन स्पान पुल और व्यासी मझेड़ा में पांच करोड़ से तैयार पेयजल पंपिंग योजना का शुभारंभ शुक्रवार को रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने किया। मंत्री ने कहा कि खैरना-रानीखेत मोटर मार्ग को जोड़ने वाला 70 मीटर टूलेन स्पान पुल के बनने से अब यात्रियों, सैलानियों, पैदल राहगीरों और वाहन चालकों को जाम की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। भट्ट ने कहा कि यह पुल के आरसी सेंटर रानीखेत के साथ चारधाम बार्डर को जोड़ने और अल्मोड़ा, रानीखेत, बेतालघाट, खैरना, भवाली, भीमताल समेत अन्य पर्वतीय क्षेत्रों को जोड़ेगा। कहा कि व्यासी मझेड़ा में पांच करोड़ की लागत से बनी पेयजल पंपिंग योजना से ग्रामीणों को पेयजल संबंधित समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। नैनीताल विधायक सरिता आर्य और रानीखेत विधायक प्रमोद नैनवाल ने कहा कि सरकार प्रदेश के विकास कार्यों में तेजी से काम कर रही है। इस दौरान मंडल अध्यक्ष सोबन सिंह बिष्ट, अंकित पांडे, रमेश सुयाल, मदन मेहरा, भावना मेहरा, कन्नू गोस्वामी, एसडीएम परितोष वर्मा, ईई विजय कुमार आदि मौजूद रहे।

यूकाडा को घेरने का प्रयास कर रही हेली कंपनियां, अपने हिसाब से निर्धारित करना चाहती हैं किराया

देहरादून, एजेंसी। चारधाम यात्रा ने बीते वर्ष सफलता के कई आयाम स्थापित किए हैं। यहां तक कि हेली कंपनियों को भी जम कर मुनाफा हुआ है। गत वर्ष हेली कंपनियों ने केदारनाथ हवाई सेवा से 75.40 करोड़ रुपये का राजस्व वसूला था। हेली टिकटों के लिए मारामारी रही।

इसके बावजूद स्थिति यह है कि इस वर्ष केदारनाथ के नौ व हेमकुंड साहिब के लिए दो समेत कुल 11 हेलीपैड से हेली सेवा संचालन के लिए केवल छह कंपनियों ने ही टेंडर डाले हैं। यहां तक कि केदारनाथ से बदरीनाथ हेली सेवा के लिए एक भी टेंडर नहीं आया है।

उत्तराखंड नागरिक उड्डयन परिषद (यूकाडा) के यात्रियों की सुविधा के लिए हेली किराया नियंत्रित करने के लिए उठाए गए कदम को इसका कारण माना जा रहा है। अब हेली कंपनियां किराये बढ़ाने के लिए यूकाडा को घेरने का प्रयास कर रही हैं। सूत्रों की मानें तो इस टेंडर प्रक्रिया को बाधित कर हेली कंपनियां अपने हिसाब से किराया निर्धारित करना चाहती हैं। अभी यूकाडा इन सभी टेंडरों का अध्ययन कर रहा है। इसके बाद अग्रिम कदम उठाया जाएगा। अप्रैल से शुरू होने वाली चारधाम यात्रा में हेली सेवाओं के संचालन को यूकाडा भी तैयारियों में जुटा हुआ है। केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवाओं के लिए केदारघाटी में तीन सेक्टर फाटा, सिरसी और गुप्तकाशी बनाए गए हैं। इन तीनों सेक्टर में नौ हेलीपैड हैं, जहां से हेली सेवाओं का संचालन होता है। वर्ष 2019 में यूकाडा ने केदारनाथ हेली सेवाओं के लिए तीन साल के लिए टेंडर किए थे। इसमें यह तय किया गया था कि तीन साल तक हेली सेवा का किराया नहीं बढ़ाया जाएगा। इसी आधार पर हेली कंपनियों से अनुबंध भी किया गया। इस वर्ष अनुबंध की सीमा समाप्त हो चुकी है। ऐसे में नागरिक उड्डयन विभाग ने नए सिरे से किराया तय करने के लिए टेंडर आमंत्रित किए। इसमें न्यूनतम किराया दर भी तय की गई। शर्त यह रखी गई कि एक कंपनी एक सेक्टर में एक ही टेंडर डालेगी। इसका उद्देश्य यह है कि किसी एक कंपनी का एक सेक्टर में प्रभाव न रहे और वह किराये की दरों में खेल न कर सके। बीते वर्षों में 12-13 हेली कंपनियां टेंडर में सम्मिलित होती थीं। सूत्रों की मानें तो यूकाडा को दबाव में लाने के लिए कुछ कंपनियों ने आपस में गठजोड़ कर लिया और टेंडर प्रक्रिया से पीछे हट गई। टेंडर प्रक्रिया पूरी न होने पर ये अपनी शर्तों के हिसाब से यूकाडा से हेली सेवाओं के लिए करार कर सकेंगी। टेंडर की अंतिम तिथि आने तक गुप्तकाशी के दो हेलीपैड के लिए एक, फाटा के चार हेलीपैड के लिए दो और सिरसी में तीन हेलीपैड के लिए दो ही टेंडर आए हैं। यानी नौ हेलीपैड के सापेक्ष केवल पांच ही हेलीपैड के लिए चार हेली कंपनियों ने रुचि दिखाई है।

मां संग रह रही बेटी ने कहा- पापा ने किया दुष्कर्म तो पिता संग रहने वाले बच्चों ने मां पर लगाए संगीन आरोप

रुद्रपुर, एजेंसी। पति-पत्नी के खर्च के विवाद के बाद परिवार दो पक्षों में बंट गया। इस दौरान जहां पत्नी के साथ रह रही विवाहिता पुत्री ने अपने पिता पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है, वहीं पिता के साथ रह रही पुत्रियों ने मां और भाई पर गालीगलौज करते हुए पिटाई का आरोप लगाया है।

एक-दूसरे पर कार्रवाई की मांग को लेकर आवास विकास चौकी पहुंचे दोनों पक्षों ने हंगामा किया। बाद में पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए मामला शांत किया और जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक जगतपुरा निवासी एक व्यक्ति और उसकी पत्नी के बीच विवाद चल रहा है। दोनों के ही तीन पुत्रियां और एक पुत्र है। बड़ी पुत्री का चार माह पहले विवाह हो चुका है, जो कुछ दिन पहले मायके आई हुई है। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी में घर के खर्च को लेकर विवाद चल रहा है। जिसके चलते जहां विवाहिता पुत्री और पुत्र अपनी मां के साथ रह रहा है, जबकि दो छोटी पुत्रियां उसी मकान में पिता के साथ रह रही हैं। इधर शनिवार को महिला अपनी विवाहिता पुत्री के साथ चौकी पहुंची। इस दौरान उसने अपने पति पर पुत्री से सात सालों से दुष्कर्म करने का आरोप लगाया। उसका कहना था कि 9 मार्च की रात पुत्री सोई हुई थी। इसी बीच उसके पति ने उससे दुष्कर्म करने का प्रयास किया। उसके शोर मचाने पर जब उसकी आंख खुली तो विरोध किया।

आरोप है कि इस दौरान पति ने उसकी और पुत्री की पिटाई की। मामले में पुलिस ने उसके पिता को भी चौकी बुला लिया। जहां पिता के साथ आई पुत्रियों ने बताया कि उसके भाई और मां ने उनसे गंदी-गंदी गाली देते हुए पिटाई की।

आवास विकास चौकी प्रभारी नीमा बोहरा ने बताया कि विवाद पारिवारिक है। वह एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। मामले की जांच की जा रही है, जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

23 साल बाद धरती के करीब पहुंच रहा खतरनाक ग्रह, खगोल विज्ञानियों ने जताई थी टकराने की आशंका

नैनीताल, एजेंसी। हाल ही में खोजा गया क्षुद्रग्रह (एस्टेरायड) 2023-डी डब्ल्यू विज्ञानियों के बीच चर्चा में है। खगोल विज्ञानियों ने इसके 2046 में धरती से टकराने की 99.86त्न आशंका जताई थी। मगर अब नासा ने इसके टकराने की आशंका को खारिज कर दिया है। यह क्षुद्रग्रह 50 मीटर व्यास का है।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ खगोल विज्ञानी डा. शशिभूषण पांडेय ने बताया कि 2023-डी डब्ल्यू को 27 फरवरी को पहली बार देखा गया था।

प्रारंभिक गणना के अनुसार के अनुसार 2046 में इसके पृथ्वी से टकराने की आशंका जताई गई थी। जिस कारण यह ग्रहों पर शोध करने वाले विज्ञानियों के आकर्षण केंद्र बना रहा। मगर ताजा गणना के अनुसार यह पृथ्वी से 18 लाख किमी की दूरी से गुजरेगा। जिस कारण इसके टकराने की कोई आशंका नहीं है।

हालांकि इसे नियर-अर्थ आब्जेक्ट में खतरनाक क्षुद्रग्रह की सूची में शामिल किया गया है। अधिकतर क्षुद्रग्रह मंगल व बृहस्पति की कक्षाओं से गुजरते हैं।

अब तक जितने भी क्षुद्रग्रहों की खोज हुई है। उनमें से 97 प्रतिशत क्षुद्रग्रह मंगल व बृहस्पति की कक्षाओं के बीच से ही सूर्य की परिक्रमा करते हैं। कुछ ऐसे भी क्षुद्रग्रह खोजे गए हैं जो बृहस्पति की कक्षा मे इसके कुछ आगे व पीछे समूह बनाकर सूर्य की परिक्रमा करते रहते हैं।

उत्तराखंड के जांबाज मेजर अजय धानिक सम्मानित, असम में बड़े ऑपरेशन को दिया था अंजाम

पिथौरागढ़, एजेंसी। असम में बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारियों में जुटे छह विद्रोहियों को मार गिराने वाले पिथौरागढ़ जिले के जांबाज मेजर अजय धानिक को शनिवार को सेना मेडल से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान मिलने से सीमांत जिले के लोग गदगद हैं।

बड़े हमले की तैयारी में विद्रोही

सेना की बंगाल इंजीनियरिंग में तैनात मेजर अजय धानिक मई 2021 में असम में तैनात थे। एक ऑपरेशन के दौरान उन्हें सूचना मिली की विद्रोही बड़े हमले की तैयारी में है। उन्होंने तत्काल अपनी टीम तैयार की।

ऑपरेशन के दौरान बनाए गए ठिकाने के पास पहुंचे एक व्यक्ति ने अचानक अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। मेजर अजय धानिक ने तत्काल उसे मार गिराया। तभी दूसरे विद्रोही ने फायरिंग शुरू कर दी।

मेजर अजय ने तत्काल उसे भी मार गिराया। उन्होंने अपनी टीम को दिशा निर्देश देते हुए अन्य विद्रोहियों के भागने के सभी रास्तों को बंद कर दिया। घेरे गए चार अन्य विद्रोहियों को भी मार गिराया गया। मेजर धानिक के असाधारण सामारिक कौशल, प्रेरणादायक नेतृत्व और अदम्य साहस के लिए सेना मेडल से सम्मानित किए जाने की घोषणा 26 जनवरी को की गई थी। शनिवार को सेना की वेस्टर्न कमांड में आयोजित कार्यक्रम में ले. जनरल एनके खंडूडी ने उन्हें सम्मान प्रदान किया। उन्हें यह सम्मान मिलने पर अर्जुन अवार्डी सुरेंद्र सिंह वल्दिया सहित तमाम लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

मूल रूप से भुरमुनी गांव के निवासी हैं धानिक: मेजर अजय धानिक मूल रूप से पिथौरागढ़ जनपद के भुरमुनी गांव के रहने वाले हैं। वर्तमान में वे देहरादून में रहते हैं। सैनिक पृष्ठभूमि वाले परिवार के अजय धानिक के पिता भीम सिंह धानिक भी सेना से कैप्टन पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। सम्मान समारोह का आयोजन वेस्टर्न कमांड के अमृतसर में आयोजित हुआ।

भराड़ीसैंण पहुंचीं विधानसभा अध्यक्ष, हवन-पूजन कर दिए जरूरी दिशा निर्देश

देहरादून, एजेंसी। बजट सत्र शुरू होने से पहले 12 मार्च को विस अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण की अध्यक्षता में भराड़ीसैंण विधानसभा भवन में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक होगी जिसमें सदन संचालन के लिए एजेंडा तय किया जाएगा।

ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण में 13 मार्च से शुरू हो रहे बजट सत्र की तैयारियां चल रही हैं। रविवार को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी भूषण ने भराड़ीसैंण विधानसभा पहुंचकर विधानसभा परिसर सहित विधायकगणों एवं अधिकारियों को आवंटित आवासीय कक्षों का निरीक्षण किया। साथ ही सत्र की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को जरूरी सुझाव और दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने विधानसभा में हवन पूजन कर प्रदेश वासियों की सुख शांति की कामना की।

ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण में बजट सत्र के लिए रविवार को कार्यमंत्रणा की बैठक होगी जिसमें सत्र का एजेंडा तय किया जाएगा। इसके अलावा सदन को सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से संचालित करने के लिए सर्वदलीय बैठक होगी।

बजट सत्र शुरू होने से पहले 12 मार्च को विस अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण की अध्यक्षता में भराड़ीसैंण विधानसभा भवन में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक होगी जिसमें सदन संचालन के लिए एजेंडा तय किया जाएगा। बैठक में संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, बसपा के मोहम्मद शहजाद मौजूद रहेंगे। सत्र के पहले दिन 13 मार्च को सदन में राज्यपाल का अभिभाषण होगा। विस अध्यक्ष ने कार्यमंत्रणा के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई है जिसमें सदन को सुचारू रूप से संचालन के लिए दलीय नेताओं के साथ चर्चा की जाएगी। स्पीकर ने कहा कि सदन को व्यवस्थित ढंग से चलाने में सभी दलों का सहयोग जरूरी है। इसके साथ ही सदन में सभी सदस्यों को जनहित के मुद्दों को उठाने का अधिकार है लेकिन सदन की गरिमा और मर्यादा का पालन होना चाहिए।

सामने आया बड़ा घोटाला, स्कूल, कब्रिस्तान और एनएच-74 की जमीन पर उगा दिए धान

देहरादून, एजेंसी। ऊधमसिंह नगर जिले के एक अकेले धान खरीद केंद्र नकटपुरा की जांच में 46 किसानों का 6520 कुंतल अतिरिक्त धान तौला गया है, जो वास्तव में कहीं उगाया ही नहीं गया।

उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर जिले में बड़े पैमाने पर धान खरीद घोटाला सामने आया है। मामला धान खरीद सत्र 2021-22 का है। यहां किसानों की ओर से ऐसी भूमि पर धान उगाना दर्शाया गया है, जिस पर पहले से स्कूल, कब्रिस्तान, एनएच-74 और शमशान घाट बने हैं। प्रदेश में समर्थन मूल्य योजना के तहत बीते वर्ष धान खरीद सत्र में क्रय एजेंसी उत्तराखंड सहकारिता संघ (यूसीएफ) के माध्यम से संचालित धान क्रय केंद्र नकटपुरा में मानक से अधिक तौल की गई। जिले के एक अकेले धान खरीद केंद्र नकटपुरा की जांच में 46 किसानों का 6520 कुंतल अतिरिक्त धान तौला गया है, जो वास्तव में कहीं उगाया ही नहीं गया। इसकी कीमत करीब एक करोड़ 27 लाख रुपये बैठती है। जिले में वर्ष 2021-22 में ऐसे करीब 200 धान खरीद केंद्र थे, जिनकी जांच होनी बाकी है। अभी तक इनमें से उप निबंधक स्तर पर नौ सेंटरों की जांच की जा चुकी है। इनमें नौ सेंटरों में से जिला प्रशासन के स्तर पर एक सेंटर की जांच ही पूरी हो पाई है। एक हेक्टेयर भूमि पर करीब 60 कुंतल धान की पैदावार होती है। यहां करीब 108 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि पर धान उगाना दिखाया गया है। इस पर उप निबंधक सहकारी समितियां कुमाऊं मंडल की ओर से जिलाधिकारी ऊधमसिंह नगर को पत्र लिखकर संबंधित किसानों की राजस्व अभिलेखों में दर्ज कुल भूमि का सत्यापन कराया गया तो चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए। किसानों की ओर से जिस भूमि पर यह धान उगाना दिखाया गया, वह भूमि राजस्व अभिलेखों में उनके नाम दर्ज ही नहीं है। सरकार के भू-लेख पोर्टल पर कतिपय किसानों की ओर से पोर्टल पर अपलोड की गई भूमि, जिसके आधार पर धान खरीद की गई है, ऐसी भूमि कब्रिस्तान, शमशान और स्कूल भवन दर्ज है। उपनिबंधक सहकारी समितियां के अनुरोध पर जिलाधिकारी की ओर से कराई गई जांच में इसकी पुष्टि हुई है।

गड़बड़ी कैसे की गई, उदाहरण के तौर पर हम इसे ऐसे समझते हैं। एक किसान जिसका खाता संख्या 144 है। किसान ने 0.773 हेक्टेयर जमीन पर धान उगाना दिखाया है, जबकि जांच में सामने आया है किसान के पास मात्र 0.126 भूमि है। किसान ने भूलेख पोर्टल पर जो खसरा नंबर दर्शाया है, उस पर कब्रिस्तान है। एक अन्य मामले में किसान की ओर से खाता संख्या 00156 में कुल जमीन 2.09 दर्शायी गई है, जबकि किसान के खाते में मात्र 0.3670 जमीन दर्ज है। दर्शायी गई जमीन पर एक इंटर कॉलेज स्थापित है, जिसका मालिक कोई और है। जांच में ऐसे करीब 46 मामले पकड़ में आए हैं। यूपी, बिहार से सस्ता धान लेकर मिलर उसे उत्तराखंड के किसान से खरीदना दिखाकर चांदी काट रहे हैं। उत्तराखंड में सरकार की ओर से धान का समर्थन मूल्य 1960 रुपये प्रति कुंतल घोषित किया गया है। किसान को अपना धान खरीद केंद्रों पर बेचने से पहले ऑनलाइन पंजीकरण कराना होता है।

आवश्यकता हुई तो बढ़ाई जा सकती है बजट सत्र की अवधि

देहरादून, एजेंसी। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि विधानसभा के सत्र की अवधि बिजनेस के हिसाब से तय होती है। गैरसैंण में 13 मार्च से प्रारंभ होने वाले बजट सत्र के लिए अभी जितनी अवधि का निर्धारण हुआ है, उसमें इसे समेटेंगे।

यदि आवश्यकता पड़ी तो सत्र की अवधि को बढ़ाया भी जा सकता है। उन्होंने विपक्ष की ओर से सत्र की अवधि कम होने को मुद्दा बनाने से संबंधित प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। वर्ष 2023-24 के बजट को लेकर पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा कि हम राज्य के सर्वांगीण विकास की बात कर रहे हैं। बजट में हर वर्ग, हर क्षेत्र के हितों का ध्यान रखा जाएगा। रोजगार, महिला, युवा, कृषि, पर्यटन समेत सभी विषय इसमें समाहित होंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2025 तक उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करना है। इसी दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। राज्य के पास जितने संसाधन हैं, उसके अंतर्गत बेहतर करने का सरकार प्रयास कर रही है।

वित्त मंत्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य के बजट को लेकर प्रदेशवासियों से सुझाव लिए गए थे। बड़ी संख्या में सरकार को सुझाव मिले। जनता के महत्वपूर्ण सुझावों को बजट का हिस्सा बनाया गया है। कैबिनेट मंत्री अग्रवाल ने कहा कि उत्तराखंड को जी-20 के तीन कार्यक्रम मिलना राज्य के लिए गौरव की बात है। इससे विश्व के लोग देवभूमि की संस्कृति से परिचित हो सकेंगे। पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जी-20 के कार्यक्रमों के लिए भी बजट में प्रविधान किए जा रहे हैं। ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में विधानसभा के 13 मार्च से प्रारंभ होने वाले बजट सत्र के मद्देनजर विधानसभा सचिवालय के कार्मिकों ने वहां डेरा डाल लिया है। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण भी शनिवार को गैरसैंण पहुंच गईं। उन्होंने सत्र की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों के साथ विमर्श किया। विधानसभा अध्यक्ष ने रविवार को भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा भवन में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इसके अलावा कार्यमंत्रणा समिति की बैठक भी होगी, जिसमें सत्र का एजेंडा तय किया जाएगा।गैरसैंण के भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा भवन में पिछला सत्र मार्च 2021 में हुआ था। इसके बाद कोरोना संकट, चारधाम यात्रा समेत अन्य कारणों से वहां सत्र का आयोजन नहीं हो पाया था। विपक्ष ने इस विषय को मुद्दा भी बनाया था। यद्यपि, सरकार ने देहरादून में हुए विधानसभा के पिछले सत्र में घोषणा की थी कि बजट सत्र गैरसैंण में होगा। सरकार ने इसके लिए 13 से 18 मार्च की अवधि तय की है। बजट सत्र के लिए तिथि तय होने के बाद से विधानसभा सचिवालय गैरसैंण में सत्र की तैयारियों में जुट गया था। इस कड़ी में विधानसभा के सभामंडप में साउंड सिस्टम को दुरुस्त कराने के साथ ही अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया। इस बीच विधानसभा के प्रभारी सचिव हेम पंत समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी शनिवार को गैरसैंण पहुंच गए।विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने शनिवार को भराड़ीसैंण पहुंचकर सत्र की व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि सत्र को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को दोपहर बाद भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा भवन परिसर में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक होगी।

ऑल वुमेन बाइक रैली का आयोजन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर यहां कनॉट प्लेस में रविवार को ऑल वुमेन बाइक रैली का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में माहिला बाइक राइडरों ने हिस्सा लिया। इस रैली का आयोजन दैनिक समाचार पत्र नवभारत टाइम्स की ओर से किया गया।

भुला दे डर, जी बेफिकर थीम पर आधारित इस महिला बाइक रैली को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ऑनलाइन झंडा दिखाकर रवाना किया। राष्ट्रपति ने बाइक रैली में भाग लेने वाली निर्भीक महिलाओं की सराहना की। उन्होंने महिलाओं के सशक्तीकरण के उद्देश्य से आयोजित इस रैली के आयोजकों को भी बधाई दी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संदेश में कहा, ह्यह्यआत्मनिर्भर भारत और नए भारत के निर्माण का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब हमारी बेटियां आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की भावना के साथ आगे बढ़ेंगी और पूरी उम्मीद है कि ऐसे आयोजनों का संदेश हमारे देश के गांव-गांव और नगर- नगर तक पहुंचेगा। दूर-सुदूर गांवों में रहने वाली हमारी बेटियां सदैव निडर महसूस करें तथा आत्म विश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ें।

उन्होंने कहा, मैं चाहूंगी कि प्रत्येक मां और बहन अपने बेटे और भाई में सभी महिलाओं को सम्मान देने के संस्कार डाले तब हमारी बेटियां बेहतर वातावरण में आगे बढ़ सकेंगी तथा देश और समाज को और अधिक योगदान देने में समर्थ बन पाएंगी।

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाइक रैली के आयोजन पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए शुभकामना संदेश में कहा कि ह्यनारी निर्णय शक्ति, निश्चय, निष्ठा और नेतृत्व की प्रतिबिंब है। सेना में अपने शौर्य और पराक्रम से महिलाएं देश का मान बढ़ा रही हैं। रैली में महिलाएं अलग-अलग थीम की पोशाक में तैयार होकर समूहों में पहुंची। इस दौरान दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना, केंद्रीय राज्यमंत्री दर्शना जरदोश, फिल्म अभिनेत्री सानिया मल्होत्रा बतौर खास मेहमान शामिल हुए। रैली में दो हजार से ज्यादा महिलाओं के अलावा बीएसएफ की महिला बाइकर्स टीम सीमा भवानी और दिल्ली पुलिस की महिला बाइकर्स टीम ने भी शिरकत की। केंद्रीय राज्यमंत्री दर्शना ने भी रैली में बाइक चलाई। कार्यक्रम में 18 से 95 साल तक की उम्र की महिलाओं ने हिस्सा लिया।

निर्यात बंधु योजना के तहत आउट रीच कार्यक्रम आयोजित : अशोक सेठ

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

जेम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिलक्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली ने विदेश व्यापार के अतिरिक्त महानिदेशक के कार्यालय के साथ, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की निर्यात बंधु योजना के तहत संयुक्त रूप से एक निर्यात आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। अशोक सेठ, क्षेत्रीय अध्यक्ष-उत्तरी क्षेत्र ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और निर्यात आउटरीच कार्यक्रम के उद्देश्य और प्रधान मंत्री के निर्यात बढ़ाने के दृष्टिकोण के बारे में बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि डीजीएफटी और ईसीजीसी जैसी सरकारी एजेंसियों और आभूषण निर्यातकों के लिए उनके पास उपलब्ध योजनाओं की मदद से उन्हें लाभ मिलने और अपने निर्यात को बढ़ावा देने की संभावना है। उन्होंने गैर-सदस्यों से रत्न और आभूषण व्यापार के क्षेत्र में खुद को अपडेट करने के लिए भी कहा। संजीव भाटिया, सहायक निदेशक, दिल्ली क्षेत्र ने जीजेईपीसी गतिविधियों और इसकी भूमिका पर विस्तार से प्रस्तुति दी, उन्होंने सीईपीए और ईसीटीए पर भी इनपुट दिया। उत्पल कुमार आचार्य, संयुक्त सचिव डीजीएफटी, ने डीजीएफटी की अत्यंत केंद्रित और सूचनात्मक भूमिका के बारे में बताया और संदीप राजोरिया, सहायक डीजीएफटी ने रत्न और आभूषण उद्योग पर विशेष ध्यान देने के साथ डीजीएफटी की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया कि कैसे रत्न और आभूषण के निर्यात पर ध्यान केंद्रित किया जाए। गुरदीप सिंह, ने रत्न और आभूषण के निर्यात में ईसीजीसी की भूमिका को उपयुक्त रूप से प्रस्तुत किया, और बताया कि कैसे यह निर्यातकों को विदेशी खरीदार द्वारा भुगतान में चूक के मामले में उनके जोखिम को कम करने में मदद करता है। अशोक सेठ ने महेश कुमार जैन का जीजेईपीसी के कार्यक्रम के आयोजन में उनके सौजन्य के लिए विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने आनंद प्रकाश सीकरी, अध्यक्ष और मनोज ढांडा, महासचिव, का भी धन्यवाद किया।

उपराज्यपाल ने किया एनडीएमसी-जी20 फ्लावर फेस्टिवल का दौरा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने रविवार को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा जापान, चीन और नीदरलैंड जैसे जी20 देशों के सहयोग से कनॉट प्लेस स्तिथ सेंट्रल पार्क में आयोजित एनडीएमसी-जी20 पुष्प महोत्सवस्र का दौरा किया। इस अवसर पर एनडीएमसी के अध्यक्ष अमित यादव, परिषद सदस्य कुलजीत सिंह चहल, एनडीएमसी के वरिष्ठ अधिकारी, पुष्पोत्सव में भाग लेने वाले देशों के प्रतिनिधि, नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी और अनेक फूल प्रेमी भी उपस्थित थे।

इस जी20 पुष्प महोत्सव का दौरा करने के बाद श्री सक्सेना ने ऐसे आयोजनों के लिए एनडीएमसी के प्रयासों की सराहना की, जिसमें लोग जी20 से संबंधित कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। उन्होंने दिल्ली के लोगों से राजधानी में नई दिल्ली के दिल-कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में विभिन्न देशों के फूलों के रंग और जीवंतता का अनुभव करने का भी आग्रह किया।

पालिका परिषद के सदस्य कुलजीत सिंह चहल ने नई दिल्ली में जी20 देशों के फूड और फ्लावर का अनुभव आम जनता को कराने के लिए सफलतापूर्वक इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एनडीएमसी टीम पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने आगे कहा कि एनडीएमसी देश के सभी नागरिक निकायों में अग्रणी रहा है, जिसने भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा परिकल्पित जी20 से संबंधित कार्यक्रमों में सक्रिय सार्वजनिक भागीदारी सुनिश्चित की है।

इस फ्लॉवर फेस्टिवल में राष्ट्रीय फूल या जी-20 सदस्य देशों और अतिथि देशों के प्रमुख फूलों के बागानों जैसे फूलों की पेंटिंग और तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। फ्लावर फेस्टिवल के दौरान कई फूलों/सजावट या फूलों की व्यवस्था/संरचनाओं का भी प्रदर्शन किया गया। यह पुष्प प्रदर्शनी/महोत्सव फूल प्रेमियों और बागवानी के प्रति उत्साही लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार रहा। डहलिया, बोगेनविलिया, पत्तेदार पौधे, बोन्साई, कैक्टस और पॉटेड प्लांट्स में रसीले पौधे, हैंगिंग बास्केट्स, फ्लोरल फिगर्स और बोड्र्स, ट्रेगार्डन, फ्लोरल अरेंजमेंट्स आदि जैसे रंगीन और जीवंत फूलों के विभिन्न वर्गों को विभिन्न रूपों में प्रदर्शित किया गया, जिसमें भारतीय उपमहाद्वीप की विभिन्न प्रकार की विविधता को दशार्या गया।

मंदिर की जगह तुरंत खाली करे पुजारी : अदालत

नई दिल्ली। एक परिवार ने करीब साढ़े चार दशक पहले अपनी पूजा पाठ के लिए मंदिर बनाया। पहले यह परिवार खुद ही इस मंदिर में पूजा करता था। बाद में एक पुजारी को रख लिया। पुजारी के परिवार को मंदिर के ऊपर रहने के लिए एक कमरा और अन्य जगह दी गई। पुजारी के बेटे ने इस जगह पर कब्जा कर लिया। अदालत ने पुजारी को मंदिर से हटने और रिहायशी स्थल खाली करने का निर्देश दिया है। तीस हजारी स्थित अतिरिक्त जिला न्यायाधीश अजय गुलाटी की अदालत ने याचिकाकर्ता के पक्ष में फैसला देते हुए कहा कि यह एक निजी संपत्ति पर बना मंदिर है। इसके दस्तावेज याचिकाकर्ता की तरफ से पेश किए गए। यह कोई ट्रस्ट का बना मंदिर नहीं है, बल्कि एक परिवार द्वारा करीब 45 साल पहले बनाया गया था। इस पर तमाम कार्य निजी स्तर पर किए गए। तनख्वाह पर पुजारी रखा गया, उसे रहने के लिए स्थान दिया गया। हालांकि उस पुजारी की मृत्यु हो चुकी है। मंदिर बनवाने वाले व्यक्ति की भी मौत हो चुकी है। अब इस मंदिर में पुजारी का बेटा और उसका परिवार रहता है। वहीं, मालिकाना हक भी मंदिर के असली मालिक के बेटे के पास है। पुजारी को मंदिर छोड़ने और रिहायशी क्षेत्र खाली करने को मानना चाहिए। अदालत ने तत्कालीन पुजारी को कहा कि वह रिहायशी क्षेत्र के एवज में 2015 से लेकर अब तक प्रतिमाह के हिसाब से 15 सौ रुपये का भुगतान मालिक को करे।

नौकरी के नाम पर ठगने वाले फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिले की साइबर सेल ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने एक महिला समेत चार को गिरफ्तार किया है। मौके से 10 मोबाइल, सात एटीएम कार्ड, एक लैपटॉप, तीन सिमकार्ड, एक पासबुक और चार चेकबुक बरामद हुए। पुलिस आरोपी 31 वर्षीय आमिर जीशम, 25 वर्षीय राहुल सिंह राजावत, 25 वर्षीय रेखा और 23 वर्षीय शिवम से पूछताछ कर रही है।

उत्तर पश्चिम जिले के डीसीपी जितेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि तीन जनवरी को जिले के साइबर सेल थाने में ठगी की शिकायत मिली। मनीष गुप्ता ने बताया कि उन्होंने नौकरी के लिए वेब पोर्टल पर आवेदन किया था। कुछ दिन बाद उनके पास एक फोन आया और बैंक में अकाउंटेंट की नौकरी पेश की। आरोपी ने पंजीकरण के लिए 1500 रुपये मांगे। इसके बाद उनका ऑनलाइन टेस्ट और साक्षात्कार हुआ। फिर उन्हें ईमेल के जरिए नियुक्ति पत्र भेज दिया। इसी बीच आरोपी ने लैपटॉप, वेतन का बैंक खाता खोलने, स्वास्थ्य बीमा, यूनिफॉर्म, जूते और डोमेन आईडी के लिए 70 हजार रुपये की मांग की। इस बार भी उन्होंने रुपये भेज दिए। बाद में उन्हें पता चला कि नियुक्ति पत्र फर्जी है। इसके बाद उन्होंने पुलिस में केस दर्ज कराया। द्वारका सेक्टर-7 में उनकी लोकेशन ट्रेस हुई। पुलिस ने छापेमारी कर एक महिला समेत तीन को गिरफ्तार कर लिया। बाद में एक अन्य आरोपी शिवम शर्मा को नोएडा से गिरफ्तार किया।

आरोपियों ने बताया कि आमिर जीशम और राहुल कॉल सेंटर में 50-50 फीसदी के भागीदार हैं। छह महीने पहले ही द्वारका में 15 हजार रुपये का मकान लेकर कॉल सेंटर शुरू किया था। रेखा को टेली-कॉलर के रूप में 20 हजार रुपये देते थे। वहीं, आरोपी शिवम धोखाधड़ी के लिए अपने बैंक खाते देता था। वह लेन-देन के लिए 10 हजार रुपये कमीशन लेता था।

मास्टरमाइंड बीटेक इंजीनियर है : कॉल सेंटर में ठगी गिरोह का मास्टरमाइंड आमिर जीशम है। वह कंप्यूटर साइंस में बीटेक इंजीनियर है और एक निजी कंपनी में काम करता था। वहां से उसने बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी के लिए नई भर्तियों के बारे में तकनीकी जानकारियां सीखी। वह 60 हजार रुपये महीने की कमाई से संतुष्ट नहीं था। इसलिए साल 2021 में राहुल के साथ मिलकर ठगी शुरू की। छह महीने पहले उत्तर नगर में कॉल सेंटर का संचालन कर रहे थे। इसके बाद द्वारका में स्थानांतरित कर लिया।

250 से अधिक लोगों से ठगी की : आरोपियों ने करीब एक साल में 250 से अधिक लोगों से ठगी की। वह पिछले एक साल से अधिक सक्रिय थे। विभिन्न नौकरी वाली साइट से डेटा लेते थे। इसके बाद रेखा के जरिए फोन पर बात कराकर झांसे में लेते थे। फिर ठगी के बाद मोबाइल नंबर बंद कर देते थे। वह लाखों रुपये महीने पैकेज का ऑफर देते थे। आरोपी आमिर जीशम और राहुल द्वारका के रहने वाले हैं, जबकि रेखा नरेला और शिवम नोएडा का रहने वाला है।

शास्त्री पार्क से गढ़ी मांडू तक साफ होगा यमुना तट

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

शास्त्री पार्क से गढ़ी मांडू तक करीब 11 किमी यमुना तट को साफ कर हरित क्षेत्र बनाने की योजना तैयार की गई है। दिल्ली के उपराज्यपाल ने यमुना के डूब क्षेत्र का दौरा किया और अधिकारियों को इस पूरे हिस्से में अतिक्रमण और कूड़ा-कचरा साफ करने का निर्देश दिए।

रविवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि उत्तर पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क, बेला फार्म से लेकर गढ़ी मांडू तक यमुना के डूब क्षेत्र साफ हो जाने के बाद यह पूरा क्षेत्र खासतौर पर सीलमपुर, शास्त्री पार्क और शाहदरा में रहने वालों के लिए एक अच्छा हरित क्षेत्र साबित होगा, जहां पर वे सुबह-शाम की सैर भी कर सकेंगे। वहीं, शास्त्री पार्क के डूब क्षेत्र में एक लाख पौधे लगाने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपराज्यपाल के साथ मुख्य सचिव, डीडीए उपाध्यक्ष व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चार बिन्दुओं पर किया जाएगा काम

1. कूड़े-कचरे, मलबा, गोबर ढेर और अतिक्रमण साफ किए जाएंगे। इसके साथ ही वहां यमुना को प्रदूषित करने वाली गतिविधियां जैसे सीमेंट के बोरे की सफाई और बूचड़खाने में इस्तेमाल किए जाने वाले कपड़ों की सफाई आदि को पूरी तरह से रोका जाएगा।

2. वहां मौजूद दो जलाशयों को साफ करने और उनमें से गाद निकालने का काम किया जाएगा। जलाशयों को आपस में जोड़ने का भी काम किया जाएगा। इससे जलाशयों में पानी का स्तर समान बनाए रखने में आसानी होगी।

3. इस पूरे हिस्से में सघन पौधरोपण किया जाएगा। खासतौर पर तीन स्तरों पर पौधरोपण होगा। पहला स्तर तटीय घासों का होगा, दूसरा स्तर बांस का होगा और तीसरा स्तर अलग-अलग प्रजातियों के फूलों और फलों वाले पेड़ों का होगा।

4. इस स्थल को डीडीए द्वारा आम लोगों के लिए अच्छी सार्वजनिक जगह के तौर पर विकसित किया जाएगा, जहां पर पारिस्थितिक तंत्र को इस तरह से बनाया जाएगा जिससे पशु-पक्षियों और वनस्पतियों को भी फलने-फूलने का मौका मिलेगा।

अदालत में अनुचित नृत्य पर हाईकोर्ट ने आपत्ति जताई

- जब भी कोई बार एसोसिएशन किसी भी कार्यक्रम के लिए अदालत परिसर के इस्तेमाल की अनुमति मांगता है

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायलय ने पटियाला हाउस अदालत परिसर में बीते छह मार्च को हुए होली मिलन समारोह में अनुचित नृत्य प्रदर्शन की निंदा की है। उच्च न्यायालय ने कहा है कि समारोह में जो नृत्य प्रदर्शन किया गया है, वह कानूनी पेशे के उच्च नैतिक और नैतिक मानकों के अनुरूप नहीं है।

सूत्रों ने बताया कि उच्च न्यायालय ने फुल कोर्ट (इसमें सभी न्यायाधीश होते हैं) के फैसले में समारोह में नृत्य पर आपत्ति जताई और कहा कि इससे न्यायपालिका की छवि खराब होती है। होली मिलन समारोह का आयोजन नई दिल्ली बार एसोसिएशन (एनडीबीए) की ओर से किया गया था। पटियाला हाऊस अदालत स्थित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को तीन दिन के भीतर नई दिल्ली बार एसोसिएशन (एनडीबीए) को कारण बताओ नोटिस जारी करने और जवाब मिलने के बाद समुचित कार्रवाई करने का कहा गया है। साथ ही उच्च न्यायालय को रिपोर्ट भेजने को कहा है। इसके साथ ही अगले आदेश तक एनडीबीए की वर्तमान कार्यकारी समिति द्वारा आयोजित होने वाले किसी भी कार्यक्रम के लिए अदालत परिसर का उपयोग करने की अनुमति नहीं देने का निर्देश दिया गया है।

उच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि जब भी कोई बार एसोसिएशन किसी भी कार्यक्रम के लिए अदालत परिसर के इस्तेमाल की अनुमति मांगता है तो संबंधित प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश यह सुनिश्चित करेंगे। वहां ऐसी कोई गतिविधि न हो, जिससे न्यापालिका और कानूनी पेशे की छवि धूमिल हो। पटियाला हाउस अदालत परिसर में होली मिलन समारोह का वीडियो वायरल होने के बाद कई वकीलों ने भी इस पर आपत्ति जताई है।

समलैंगिकों के विवाह को मान्यता देने की याचिका का सरकार ने विरोध किया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केंद्र सरकार ने समलैंगिकों के विवाह को मान्यता देने के लिए दायर की गई याचिकाओं का विरोध किया है। सरकार ने कहा कि विवाह की परिकल्पना में महिला और पुरुष ही रखे गए हैं। केंद्र ने उच्चतम न्यायालय में दायर शपथपत्र में कहा, सामाजिक, सांस्कृतिक और कानूनी रूप से विपरीत लिंग वाले दो व्यक्तियों की शादी ही विवाह की परिकल्पना में सोची गई है। इस परिकल्पना को न्यायिक हस्तक्षेपों से हल्का नहीं किया जाना चाहिए। सभी व्यक्तिगत कानून और कानूनी विधान विवाह को विपरीत लिंग वाले लोगों के बीच के संबंध को ही मान्यता देते हैं। जब इस मामले में स्पष्ट विधायी प्रावधान हैं, तो ऐसे में न्यायिक हस्तक्षेप से कानून को पुनर्लिखित करना ठीक नहीं है। कानून में स्पष्ट रूप से लिंग आधारित/विशेष की भाषा प्रयुक्त की गई है, पुरुष और महिला शब्द इस्तेमाल किए गए हैं तो अदालत इसे अलग अर्थ नहीं दे सकती।सरकार ने कहा, एक ही लिंग के लोगों की शादी की परिकल्पना भारत में संभव नहीं है। देश में परिवार की परिकल्पना पति और पत्नी और विवाह के बाद हुए बच्चों से है। यह सही है कि नवतेज सिंह जौहर मामले में उच्चतम न्यायालय ने समलैंगिक संबंधों को गैरआपराधिक बना दिया है लेकिन ऐसे संबंधों को विवाह में बदलने के अधिकार का दावा नहीं किया जा सकता। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के जरिये पेश शपथपत्र में कानून मंत्रालय में संयुक्त सचिव केआर साजी कुमार ने कहा, उच्चतम न्यायालय को अमेरिका समेत विदेशी फैसलों को देश में लागू नहीं करना चाहिए। महिला और पुरुष को ही विवाह की अनुमति देना ठीक है। समलैंगिक यह नहीं कहते कि यह उनके बराबरी के अधिकार (अनुच्छेद 14) का उल्लंघन है। इसके अलावा यह अनुच्छेद 15(1) का उल्लंघन भी नहीं है क्योंकि यह लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं है। याचिकाओं में हिन्दू मैरिज एक्ट, विशेष विवाह कानून, विदेशी विवाह कानून, पारसी मैरिज एक्ट और ईसाई विवाह और तलाक कानून के प्रावधानों को चुनौती दी गई है, जिनमें महिला और पुरुष के बीच विवाह की अनुमति है, जबकि अन्य में नहीं।

श्रीमद भागवत कथा का कलश यात्रा के साथ शुभारंभ, श्रद्धालुओं ने लिया कथा का आनंद

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

बुराड़ी स्थित कमल विहार, कमालपुर श्री नारायण निष्काम सेवा समिति (पंजी.) के तत्वाधान में शान्ति कुंज पार्टी लॉन में भव्य मंगल कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का शुभारंभ हुआ। बैंडबाजों के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। बैंडबाजों पर बज रही धुनों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा समारोह के पहले दिन कथा व्यास श्रद्धेय डॉ गीताराम त्रिपाठी जी के सानिध्य में विधि-विधान के साथ पूजन किया गया। तत्पश्चात पंडाल से भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें शामिल पीतांबर धारी महिलाएं मंगल कलश सिर पर धारण कर प्रभु का गुणगान करते हुए चल रही थी। कलश यात्रा कालोनी के मुख्य मार्गों से होते हुए वापस पंडाल पर पहुंचकर संपन्न हुई। कथा व्यास श्रद्धेय डॉ गीताराम त्रिपाठी जी ने कहा कि श्रीमद्भागवत के अनुसरण से भक्त का कल्याण होता है और जीवन में सुख व शांति का अनुभव होता है। श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करने का अवसर बडे.ही सौभाग्य से प्राप्त होता है।

कथा व्यास श्रद्धेय डॉ गीताराम त्रिपाठी जी ने कहा कि आप सभी सौभाग्यवान है जो इस श्री नारायण निष्काम सेवा समिति से जुड़े हो समस्त भक्तजनो को मै इस ब्यास पीठ से ह्रदय से बधाई देता हूँ श्रीमद्भागवत के अनुसरण से भक्त का कल्याण होता है और जीवन में सुख व शांति का अनुभव होता है। श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करने का अवसर बडे.ही सौभाग्य से प्राप्त होता है। अपने प्रवचनों में उपस्थित श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत पुराण की जानकारी देते हुए कहा कि श्रीमद्भगवत कथा का श्रवण करने से मानव जीवन में एक जन्म नहीं अपितु हमारे कई जन्मों के पापों का नाश होने के साथ ही हमारे शुभ कर्मों का उदय होता है। कथा सुनने मात्र से जीव जन्म और मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है।

उन्होंने कहा कि कथा की सार्थकता तभी सिद्ध होती है, जब इसे हम अपने जीवन और व्यवहार में धारण करें। श्रीमद्भागवत कथा के श्रावण से जन्म जन्मांतर के विकार नष्ट होकर प्राणी मात्र का लौकिक व आध्यात्मिक विकास होता है। इस दौरान श्री नारायण निष्काम सेवा समिति के अध्यक्ष ललित पंत; महासचिव माधवानंद सत्ती; मुख्या सलाकार पंडित कृष्ण चन्द्र शास्त्री; कोषाध्यक्ष गणेश चन्द्र उपाध्याय; मुख्य यजमान भोपाल सिंह रावत; सुरेंद्र सिंह मेहरा एवं नित्य यजमान दया कृष्ण नैलवाल सहित अनेक लोग मौजूद थे।

युवक ने झगड़े में दो दोस्तों को पेचकस घोंपा

नई दिल्ली। शाहदरा के गांधी नगर में कुत्ते को लेकर झगड़े में एक युवक ने दो दोस्तों के पेट में पेचकस घोंप दिया। घायल 26 वर्षीय शारीक और उसके दोस्त किसवर को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपी 27 वर्षीय अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित शारीक गांधी नगर के कैलाश नगर इलाके में रहता है और फैक्टरी में काम करता है। शारीक के अनुसार नौ मार्च की रात वह अपने दोस्त शालिब के साथ खाना लेकर फैक्टरी जा रहा था। रास्ते में एक कुत्ता उन्हें देखकर भौंकने लगा। वह कुत्ते को भगाने लगे तो वहां रहने वाला अर्जुन आया और शालिब को मारने लगा। दोनों वहां से भाग गए। अगले दिन 10 मार्च की रात शारीक अपने दोस्त शालिब और किसवर के साथ जा रहा था। तभी अर्जुन आ गया और कहने लगा कि मना करने के बाद भी आ गए। उसने पेचकस से हमला कर दिया। शारीक और किसवर के पेट में पेचकस लगा। दोनों को एसडीएन अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी अर्जुन को उसके घर से ही गिरफ्तार कर लिया।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 13 मार्च, 2023

संक्षिप्त खबरें

हथियार के बल पर 4 लाख की हुई लूट में 6 बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। हथियार के बल पर 4 लाख की हुई लूट के मामले में सराय रोहिल्ला थाना पुलिस ने 6 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में शैलेन्द्र उर्फ शैली उर्फ लंबू, अशोक उर्फ बंटी, रामेश्वर त्रिपाठी उर्फ लाला, देवेंद्र उर्फ सोनू, राम और शिवकुमार गिरी है। पुलिस ने इनके पास से एक मोबाइल फोन, चोरी के पैसे से खरीदा, लूटी गई नकदी का एक लाख नकद और बैंक खाते में पचास हजार रुपए सीज किया है। अपराध में प्रयुक्त दो देशी पिस्तौल और आठ जिंदा कारतूस के अलावा, अन्य सहयोगियों की भूमिका के साथ-साथ शेष केस संपत्ति को बरामद करने के लिए जांच की जा रही है। उत्तरी जिला डीसीपी सागर सिंह कलसी ने बताया कि शिकायतकर्ता नीरज, निवासी अशोक विहार जो बर्तन मार्केट, सदर बाजार, दिल्ली में जूतों की दुकान चलाता है ने अपनी शिकायत में बताया कि 3 मार्च को शाम के समय, उसने अपनी दुकान बंद कर दी और वह अपनी स्कूटी से अपने घर जा रहा था। शाम करीब 07:55 बजे जब वह शास्त्रीनगर के पास पहुंचे तो इसी बीच दो मोटरसाइकिल पर सवार चार लोगों ने उन्हें जबरदस्ती रोक लिया। दोनों मोटरसाइकिलों पर पिस्टल सवारों ने उसे दो-तीन बार थप्पड़ मारा और रुपये से भरा बैग लूट लिया। चार लाख, कुछ दस्तावेज व दुकान की चाबी लूट कर मारपीट कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना अध्यक्ष सराय रोहिल्ला शीश पाल की देखरेख में गठित टीम एचसी संदीप, एचसी रामबाबू, एचसी अमित, कांस्टेबल दीपक और राहुल ने अपराधियों के बारे में सुराग पाने के लिए अपने गुप्त सूत्रों का इस्तेमाल किया और उन्होंने मामले पर लगातार काम किया और विभिन्न सीसीटीवी फुटेज और सीडीआर का विश्लेषण किया, 8 मार्च को टीम ने आरोपी रामेश्वर त्रिपाठी उर्फ लाला को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी सदर बाजार इलाके में ठेला संचालक का काम करता था। लगातार पूछताछ करने पर पता चला कि उसने पूरी साजिश रची है और शिवकुमार के साथ रेकी की और अन्य आरोपियों को नकदी की जानकारी प्रदान की। अन्य आरोपी को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है

डीटीसी के बेड़े में अप्रैल से जुड़ेंगी 100 नई इलेक्ट्रिक बस

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) मार्च के अंत में या अप्रैल महीने के पहले सप्ताह में अपने बेड़े में 100 नई इलेक्ट्रिक बस जोड़ेगा। अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही डीटीसी के पास इलेक्ट्रिक बस की संख्या बढ़कर 400 हो जाएगी। दिल्ली के परिवहन आयुक्त आशीष कुन्द्रा बसों का निरीक्षण करने के लिए हाल ही में लखनऊ स्थित टाटा मोटर्स के प्लांट में गए थे। पिछले महीने डीटीसी की एमडी शिल्पा शिंदे बस का प्रोटोटाइप मॉडल देखने कर्नाटक गयी थीं। एक अधिकारी ने बताया, मार्च के अंत में या अप्रैल के पहले सप्ताह में हमें 100 इलेक्ट्रिक बस मिलेंगी। उसके बाद हर महीने 200-250 बसें आएंगी। डीटीसी में 2023 के अंत तक 1,500 नई इलेक्ट्रिक बस शामिल होंगी और इनकी कुल संख्या बढ़कर 1,800 हो जाएगी।

अपने माइंडसेट करिकुलमों के साथ दिल्ली सरकार अपने स्कूली बच्चों को काबिल बनाने के साथ-साथ अच्छा इंसान भी बना रही :आतिशी

हमारे शिक्षकों ने हैप्पीनेस करिकुलम के माध्यम से जो कुछ सीखा उसे अब दुनिया में बाकी लोगों तक पहुँचाने का समय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

- केजरीवाल सरकार की अनूठी पहल- हैप्पीनेस करिकुलम की समझ और खुशहाल जीवन जीने की योग्यता विकसित करने में शिक्षा की भूमिका को देश और दुनिया के लोगों तक पहुँचाने के लिए लांच किया यूट्यूब सीरीज
- हैप्पीनेस करिकुलम के फिलोसॉफिकल पक्ष पर आधारित हैं ये वीडियो, 2016 से अबतक दिल्ली सरकार के लगभग सभी प्रिंसिपल्स, शिक्षा अधिकारी और हजारों टीचर्स रउएफ्क्क द्वारा आयोजित इस ट्रेनिंग में भाग ले चुके हैं

केजरीवाल सरकार द्वारा देश और दुनिया के लोगों तक हैप्पीनेस करिकुलम के दर्शन पहुँचाने, शिक्षा के मानवीकरण और जीवन के मूल उद्देश्य की समझ बनाने की दिशा में रविवार को एक यूट्यूब सीरीज लांच की गई

दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा शुरू की गई 36 एपिसोड की इस सीरीज के माध्यम से जीवन का मकसद और उस मकसद की प्राप्ति में शिक्षा की भूमिका को पूरी दुनिया के साथ शेयर करने की पहल है।

केजरीवाल सरकार का शिक्षा विभाग इस विडियो सीरीज को विश्व के टॉप विश्वविद्यालयों व संस्थानों के साथ भी साझा करेगा और उनके विचारों व नए आईडिया को इसमें सम्मिलित करने का का करेगा

लांच के मौके पर टीम एजुकेशन को अपना सन्देश और बधाई देते हुए शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि, ह्यइतने कम समय में टीम एजुकेशन द्वारा हैप्पीनेस करिकुलम के दर्शन पर आधारित सीरीज तैयार करना बेहद खुशी की बात है उन्होंने कहा कि ये बेहद सराहनीय कदम है कि हमारी टीम ने जीवन जीने के इस दर्शन को सहजता के साथ देश-विदेश में लोगों तक पहुँचाने की पहल की है

शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि, भारत के एजुकेशन सिस्टम में हमेशा ज्ञान और कौशल की बात हुई लेकिन मूल्य शिक्षा इसके बीच कहीं दबकर रह गई दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी के विजन और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी के नेतृत्व में दिल्ली सरकार के स्कूलों में बच्चों को काबिल बनाने के साथ-साथ उन्हें अच्छा इंसान बनाने के लिए हैप्पीनेस माइंडसेट करिकुलम, एंत्रप्रेन्योर माइंडसेट करिकुलम व देशभक्ति करिकुलम की शुरूआत की गई इन सबका उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से जीवन के मूल उद्देश्यों को समझना है इन तीनों करिकुलम को और व्यापक बनाने की दिशा में टीम एजुकेशन काम कर रही है और हमारे लिए बेहद खुशी की बात है हम अपने वीडियो सीरीज के माध्यम से पूरी दुनिया से परिचित करवा रहे है

शिक्षा मंत्री ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी का विजन है कि शिक्षा का असल उद्देश्य जीवन को बेहतर ढंग से जीना सिखाना है। इस वीडियो के माध्यम से हम दिल्ली के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने हैप्पीनेस करिकुलम से जो कुछ सीखा है उसे हम देश और दुनिया के बाकी लोगों के साथ भी साझा कर सकें और शिक्षा के माध्यम से जीवन के प्रति अपने नजरिये और जीवन जीने के तरीकों में सकारात्मक बदलाव ला सकें

इस अवसर पर शिक्षा निदेशक हिमांशु गुप्ता ने कहा कि, क्लासरूम में पढ़ा रहे एक शिक्षक के लिए ज्ञान के साथ-साथ उसका अच्छा चरित्र होना भी जरुरी है क्योंकि बच्चे अपने शिक्षक को अपने आइडल के रूप में देखते है। उन्होंने कहा कि हमारे शिक्षकों ने जो कुछ सीखा है अब समय है कि उस ज्ञान को हम देश दुनिया में बाकी लोगों तक भी पहुंचा सकें ताकि सभी खुश होकर जीवन जीना सीख सकें और अपने स्टूडेंट्स को भी सिखा सकें।

केजरीवाल को मांगनी चाहिए देश से माफी : महेंद्र दूबे

नई दिल्ली। अरविन्द केजरीवाल द्वारा अपने भ्रष्ट नेताओं की तुलना शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह से करना उनका अपमान है क्योकि शहीदे आजम सरदार भगत सिंह ने देश को आजादी दिलाने के लिए फांसी के फंदे को चूमते हुए कुबार्नी दी थी। क्या भ्रष्ट केजरीवाल के मंत्रियों ने देशहित में कुछ किया है। भ्रष्टाचारियों की तुलना सरदार भगत सिंह से करने पर केजरीवाल देशवासियों से माफी मांगे। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी दिलशाद कालोनी मंडल के अध्यक्ष महेंद्र दूबे का। महेंद्र दूबे ने कहा कि शराब घोटाले की आंच में झुलसती आम आदमी पार्टी को अब दिल्ली की जनता की याद क्यों आ रही है, जब कोविड के दौरान दिल्ली की जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी तब केजरीवाल जनता को बचाने की बजाय सिसोदिया के साथ मिलकर नई शराब नीति को अंजाम दे रहे थे। उन्होंने कहा कि केजरीवाल कहते थे कि मौहल्ला सभा का विकास किया जाऐगा और हर नीति लागू करने से पहले रायशुमारी की जाऐगी। शराब नीति पर मौहल्ला सभा, महिला मंडल व ग्राम समितियों से रायशुमारी करने की बजाय केजरीवाल ने दिल्ली के हर मौहल्ले में शराब के ठेके जरुर खोल दिए।

मेट्रो रूट की मांग को लेकर बैठक का आयोजन

नई दिल्ली। रिठाला, बवाना, नरेला मैट्रो रुट संघर्ष समिति की ओर से रविवार को नरेला और बवाना क्षेत्र की सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक संस्थाओं की ओर से समाजसेवी हेमराज बंसल, श्रीकृष्ण दास गुप्ता, एन.डी अरोडा और प्रदीप मंगल ने एक बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में दिल्ली मूल ग्रामीण पंचायत के उपाध्यक्ष शिक्षाविद् दयानंद वत्स बरवाला, बिजेंद्र डबास मुबारक डबास, सतबीर सिंह राणा मुखमेलपुर, दरियापुर कलां गांव के निवासी मनोनीत निगम पार्षद विनोद सहरावत, नरेला से समाजसेवी राजेंद्र सिंघल, राजिंद्र सिंह पदम सहित बडी संख्या में लोगों ने बैठक में शिरकत की।

अपने संबोधन में दिल्ली मूल ग्रामीण पंचायत के उपाध्यक्ष दयानंद वत्स ने कहा कि मैट्रो के पहले ही फेज में शाहदरा से बरवाला मैट्रो रुट स्वीकृत था। लेकिन पिछले 23सालों से इस रुट को विभिन्न कारणों से इसे रिठाला पर ही रोक दिया गया है। बाद में दिल्ली मैट्रो ने इसे फेज- 4 में बवाना होकर नरेला तक चलाने की बात कही। लगभग 23 सालों से इस प्रथम चरण में ही स्वीकृत परियोजना को केंद्र और दिल्ली सरकार द्वारा अटकाया, भटकाया और लटकाया जा रहा है। श्री वत्स ने कहा कि मैट्रो इन 23सालों में दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से होती हुई हरियाणा और यूपी एनसीआर तक पहुंच गयी लेकिन दोनों ही सरकारों की उपेक्षा से बाहरी उत्तर पश्चिमी दिल्ली का बहुत बडा बवाना और नरेला क्षेत्र मैट्रो सेवा से वंचित किया हुआ है।

दिल्ली मूल ग्रामीण पंचायत के उपाध्यक्ष शिक्षाविद् दयानंद वत्स बरवाला ने इस संबंध में केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी, दिल्ली के उप-राज्यपाल, दिल्ली मैट्रो रेल निगम और डीडीए के अधिकारियों को ट्वीट करके उनसे इस रुट की लाईन का काम जल्दी शुरू कराने की मांग की है। श्री वत्स पहले भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस मामले में हस्तक्षेप करके केंद्र और दिल्ली सरकार से इस रुट की लाईन का निर्माण कार्य तत्काल शुरू करवाने की अपील कर चुके हैं। लेकिन इस लाईन को अभी तक हरी झंडी नहीं मिली है। दिल्ली मूल ग्रामीण पंचायत के उपाध्यक्ष शिक्षाविद् दयानंद वत्स बरवाला ने पुनः इस संबंध में केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी, दिल्ली के उप-राज्यपाल, दिल्ली मैट्रो रेल निगम और डीडीए के अधिकारियों को ट्वीट करके उनसे इस रुट की लाईन का काम जल्दी शुरू कराने की मांग की है।

श्री सीताराम सन्तसेवा मन्दिर में शुरू हुई श्रीमदभागवत कथा ज्ञान गंगा की अमृत वर्षा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

- कथा के प्रथम दिन ज्ञान गंगा की अमृत वर्षा का रसपान भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सारिका जैन ने भी किया।

वर्तमान के बदलते परिवेश में नाना प्रकार के कष्टों से पीड़ित मानव प्राणी में भगवत ज्ञान की ज्योति जगाने हेतू यमुनापार के चन्दू पार्क पुरानी अनारकली कालोनी स्थित ह्लसिद्ध पीठ श्री सीताराम संत सेवा मन्दिर एवम गौशाला में चैत्र मास रंग पंचमी के दिन (12 मार्च) अंतर्राष्ट्रीय महात्यागी खालसा के श्री महंत एवं महामण्डलेश्वर श्री रामगोविंद दास महात्यागी जी महाराज के पावन सानिध्य मे 7 दिवसीय श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ की अमृत वर्षा का शुभारंभ हुआ। ज्ञान यज्ञ की अमृत वर्षा वृन्दावन के भागवत कथा मर्मज्ञ श्री हरि वर्षा कौशल जी महाराज के श्री मुख से शुरू हुई। श्रीमद भागवत कथा का समापन 18 मार्च को होगा।

श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ समारोह के संयोजन में आचार्य गौरव दूबे, अजय सिंघल, रिंकी सिंघल, बनवारी लाल, कंचन गुप्ता, विकास महेश्वरी, यश सिंघल व श्री सीताराम संत सेवा मन्दिर एवम गौशाला परिवार का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को पैकेट बंद सूखा राशन भी बांटा गया। कथा के प्रथम दिन ज्ञान गंगा की अमृत वर्षा का रसपान भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सारिका जैन ने भी किया।

श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ कथा के प्रथम दिन भागवत कथा मर्मज्ञ श्री हरि वर्षा कौशल जी महाराजह्व ने ज्ञान गंगा की अमृत वर्षा करते हुए बताया कि यह पुण्य कथा मानव को जीवन में श्रेष्ठ कर्मो के साथ आगे बढ़ते रहने का संदेश देती है। कथा के श्रवण मात्र से मनुष्य के जीवन में नई ऊर्जा का संचार होता है परिणामतः वह सुख-शांति का अनुभव करता है। कथा व्यास कौशल जी महाराज ने रंग पंचमी के दिन श्री मद भागवत कराने की महत्ता को समझाते हुए कहा कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी की पूजा का सबसे अहम विधान है। इस दिन राधा कृष्ण की पूजा अर्चना करने से दांपत्य जीवन में खुशहाली का आगाज होता है।

दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को मौसम में बदलाव संभव

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार और बुधवार को मौसम में बदलाव संभव है। इस दौरान बूंदाबांदी होने से मौसम खुशगवार हो सकता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज (रविवार) धूप खिली हुई है। यह जानकारी भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने दी। इस मौसम विज्ञानी के मुताबिक आज सुबह न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। साथ ही सुबह साढ़े आठ बजे हवा में आर्द्रता का स्तर 77 प्रतिशत रहा। आज शाम चार बजे तक अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। 16 और 17 मार्च को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

महिला के साथ धोखाधड़ी में दो नाइजीरियन नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में एक महिला के साथ कथित धोखाधड़ी करने के आरोप में दो नाइजीरियाई पुरुष को गिरफ्तार किया है। रविवार को अधिकारियों ने जानकारी दी कि मूल्यवान वस्तुओं के लिए सीमा शुल्क चुकाने के नाम महिला के साथ धोखाधड़ी की गई। आरोपियों की पहचान सिटी बेइन, ईदो राज्य, नाइजीरिया के निवासी एलेक्स (30) और ओडुडुवा स्ट्रीट, लागोस, नाइजीरिया के निवासी इबेह (45) के रूप में हुई है। अधिकारियों ने कहा कि उन्हें ग्रेटर नोएडा से गिरफ्तार किया गया। 02 फरवरी 2023 को पुलिस को एक 24 वर्षीय महिला से शिकायत मिली, जिसमें कहा गया कि मैट्रीमोनियल साइट पर अमन अरोड़ा नाम के एक शख्स से उसकी मुलाकात हुई, जो खुद को लंदन में मरीन में इंजीनियर के रूप में बताया। इसके बाद वे दोनों वाट्सऐप पर चैट करने लगे। आरोप है कि आरोपित ने शिकायतकर्ता के साथ लंदन से मुंबई के लिए एयरलाइन टिकट साझा किया। 01 फरवरी को शिकायतकर्ता के पास एक नंबर से कॉल आया, जिसमें खुद को मुंबई हवाई अड्डे से एक अधिकारी होने का दावा किया और उसने बताया कि अमन अरोड़ा को हिरासत में लिया गया है, क्योंकि वह अपने साथ 40,000 पाउंड ले जा रहा था। बताया गया कि शिकायतकर्ता ने मूल्यवान वस्तुओं के पंजीकरण के लिए 8500 रुपये का भुगतान किया, जैसा कि अधिकारी ने अनुरोध किया था।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बाद में कथित कस्टम अधिकारी द्वारा पूछे जाने पर अलग-अलग बहाने से कुल 4 लाख रुपये के कई भुगतान किए। इसके बाद उसे शक हुआ और उसने शिकायत दर्ज करा दी। इसके बाद आईपीसी की धारा 419/420 के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। जांच के दौरान मोबाइल नंबर और आईपी के तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पता चला कि गिरोह ग्रेटर नोएडा से संचालित हो रहा है। पता चला कि संदिग्ध नाइजीरियाई नागरिक हैं और ग्रेटर नोएडा में किराए के मकान में रहते हैं। संदिग्ध के पते की पहचान की गई और ग्रेटर नोएडा में एक सोसायटी में छापा मारा गया। एक आरोपित व्यक्ति को पकड़ा गया, जिसने अपनी पहचान एलेक्स के रूप में बताई। धोखाधड़ी में इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन को भी बरामद किया गया था।

पूछताछ में आरोपित एलेक्स ने खुलासा किया कि वह 2020 में मेडिकल वीजा पर भारत आया था। अपने सहयोगियों की मदद से उसने शादी के नकली प्रस्ताव या महंगे उपहार भेजकर ठगी शुरू कर दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर फर्जी प्रोफाइल बनाने के नाम पर फर्जी प्रोफाइल बनाई। पुलिस ने कहा, ह्लखुलासा हुआ लोग उनकी नकली तस्वीरों का उपयोग करके ब्रिटेन में बस गए। फिर उन्होंने सोशल मीडिया ऐप के माध्यम से भारतीय महिलाओं से संपर्क किया। उन्हें शादी के लिए प्रपोज करने और महंगे उपहारों के नाम पर उन्हें लुभाने के बाद, उन्होंने कस्टम क्लीयरेंस के बहाने पैसे मांगे। पुलिस रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपित ने इस खास मामले में एक मैट्रिमोनियल साइट पर अमन अरोड़ा के नाम से प्रोफाइल बनाई थी। इसके बाद चैटिंग के दौरान दोनों ने उसे शादी का झांसा देकर अमेरिका में बसने का झांसा दिया। उसके अन्य सहयोगी इबेह ठगी गई राशि को निकालने के लिए बैंक खातों का प्रबंधन करते थे। एक अन्य आरोपित इबेह को भी ग्रेटर नोएडा से गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से अपराध में प्रयुक्त मोबाइल फोन, तीन एटीएम कार्ड और 10500 रुपये नकद बरामद किया गया। पुलिस ने कहा कि दोनों आरोपित मेडिकल वीजा पर भारत आए थे और मामले की आगे की जांच जारी है।

डकैती के दो मामलों का एंटी रॉबरी सेल ने किया खुलासा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

- एक साजिशकर्ता घरों में पुट्टी का करता था काम

दिल्ली पुलिस की एंटी रॉबरी स्नैचिंग सेल (क्राइम ब्रांच) शकरपुर ने दो ऐसे बदमाशों को गिरफ्तार किया है जो दिखावे के लिए तो घरों में पुट्टी का काम करते थे, मगर असल में वो लुटेरे थे। डकैतों ने 3 मार्च को एक शख्स से 4 लाख रुपये नकद और मोबाइल फोन लूट लिया था। एसीपी अरविंद कुमार के निर्देशन में डीसीपी क्राइम अमित गोयल और ज्वाइंट कमिश्नर एस.डी. मिश्रा ने एक टीम बनाई जिसमें जिसमें इंस्पेक्टर के. के. शर्मा, एसआई मानवेंद्र चौधरी, राहुल गर्ग, एएसआई कैलाश यादव, श्याम सिंह, हेड कांस्टेबल सुनीत, भूपिंदर, नितिन राठी और ललित चौधरी थे। दोनों बदमाशों की गिरफ्तारी से लूट और छिनैती के दो बड़े मामलों का खुलासा हुआ है। एक केस सराय रोहिल्ला थाने में दर्ज किया गया था। वहीं एक अन्य मामला संसद मार्ग थाने में दर्ज था।

दरअसल, एंटी रॉबरी स्नैचिंग सेल (क्राइम ब्रांच) को अशोक विहार, फेज-1 दिल्ली के रहने वाले नीरज ने सराय रोहिल्ला थाने में मुकदमा लिखाया कि 3 मार्च को जब वह अपनी दुकान (सदर बाजार) से कैश और अन्य कीमती सामान के साथ घर के लिए निकला तो बाइक में सवार चार बदमाशों ने सराय रोहिल्ला इलाके में उसे लूट लिया। वारदात की जानकारी मिलने के बाद सेल की टीम को इसका खुलासा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। फिर टीम ने इस तरह से लूट करने वाले गैंग के बारे में जानकारी जुटानी शुरू कर दी। टीम ने मुखबिरों के जरिये और टेक्निकल इनपुट्स और सर्विलांस की मदद से काफी जानकारी इकट्ठा कर ली। फिर एक दिन हेड कांस्टेबल नितिन राठी को इनपुट मिला कि लुटेरे सदर बाजार थानांर्गत मोतिया खान इलाके में छुपे हुए हैं। पुलिस टीम ने बिना वक्त गंवाये बदमाशों के ठिकानों पर छापा मारा और शिव कुमार व राम निवास उर्फ लालू को लूटी गई रकम के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में शिव कुमार ने खुलासा किया कि उसका दोस्त लाला और राम निवास उर्फ लालू नीरज की जूते की दुकान के बगल वाली पंजाबी बूट एंड जेनरल स्टोर में काम करते हैं।

इन्हीं दोनों ने शिव को बताया कि नीरज हर रोज भारी रकम शाम को घर ले जाता है। पुख्ता जानकारी मिलने के बाद शिव कुमार ने नोएडा सेक्टर 62 में रहने वाले अपने दोस्त देवेंदर से संपर्क किया। इसके बाद देवेंदर ने अपने जानने वाले कुछ बदमाशों को लालच देकर वारदात की साजिश रची।

1 मार्च और 2 मार्च को इन लोगों ने लूट की कोशिश भी की, मगर असफल रहे। आखिरकार 3 मार्च को सराय रोहिल्ला थाना इलाके में इन लोगों ने नीरज को लूट लिया। शिव कुमार को देवेंदर ने लूट की रकम से 70 हजार रुपये दिए, जिसे उसने फिनो पेमेंट बैंक में जमा करा दिया। शिव कुमार ने इस वारदात के अलावा फरवरी महीने में संसद मार्ग थाने में लूट की एक और घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। इस वारदात में भी देवेंदर इसके साथ था।

श्रम मंत्री राजकुमार आनंद ने बैठक कर अधिकारियों से विभाग के कामकाज का लिया जायजा

- श्रमिकों के लिए संचालित की जा रही सरकार की योजनाओं को व्यापक बनाने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री राजकुमार आनंद ने श्रम विभाग समेत रोजगार, भूमि और भवन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक में उन्होंने मुख्य रूप से उपरोक्त तीनों विभागों के कामकाज का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सीएम अरविंद केजरवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार जन कल्याण में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि कैबिनेट मंत्री राजकुमार आनंद को तीन नए विभाग श्रम, रोजगार, भूमि और भवन की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई है।

कैबिनेट मंत्री राजकुमार आनंद ने अधिकारियों से दिल्ली सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का विस्तृत व्यौरा लिया। साथ ही उन्होंने विभाग के अधिकारियों के साथ इस बात पर भी चर्चा की कि आने वाले दिनों में इन विभागों के जरिये जनकल्याण के और कौन-कौन से कार्य किये जा सकते हैं।

कैबिनेट मंत्री राजकुमार आनंद ने बताया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्त्व में दिल्ली सरकार श्रमिकों की बेहतरी के लिए काम करने को पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में श्रमिकों के लिए जो योजनाएं चल रही है, उसकी व्यापकता बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि उनकी कोशिश होगी कि विभाग द्वारा संचालित होने वाली योजनाओं को रफ्तार दी जाए ताकि तय समय पर श्रमिकों को विभाग की योजनाओं का लाभ मिलता रहे।

मंत्री राजकुमार आनंद ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आगामी दिनों में व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन के लिए पूरी दिल्ली में रोजगार मेले का आयोजन किया जाए।

केजरीवाल को दिल्ली की जनता से मांगनी चाहिए माफी : विनोद जायस

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल भ्रष्टाचार का मुद्दा बना दिल्ली का चुनाव जीते थे लेकिन पिछले 9 सालों में उनके आधा दर्जन मंत्री भ्रष्टाचार तथा अन्य मामलों में जेल जा चुके है। यह कहना है भजनपुरा से नगर निगम का चुनाव लड़े ठाकुर विनोद जायस का। विनोद जायस कहते है अरविन्द केजरीवाल के आधे से ज्यादा विधायकों पर भ्रष्टाचार सहित कई अपराधिक मामले दर्ज है बावजूद इसके वे उन्हें कट्टर ईमानदार का प्रमाण्पत्र देते नहीं थकते। विनोद जायस कहते हैं केजरीवाल को गद्दी छोड़ दिल्ली के घर-घर जाकर माफी माँगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आज दिल्ली में जनलोकपाल होता तो केजरीवाल की पूरी कैबिनेट जेल में होती। विनोद जायस कहते है जन लोकपाल को मुद्दा बना अरविन्द केजरीवाल जनता को गुमराह कर सरकार में आये थे लेकिन वे अब जन लोकपाल को ही भूल गए है और जन लोकपाल पर मुह नहीं खोलते। विनोद कहते हैं अपने पहले चुनाव में प्रचार के दौरान केजरीवाल शीला दीक्षित पर गंभीर लगाते हुए चुनाव के बाद उन्हें जेल में डालने की बात किया करते वे तो शीला दीक्षित के खिलाफ कोई भी आरोप सिद्ध नहीं कर पाए उलटे उनके ही मंत्री और उप मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में जेल पहुंच गए। विनोद जायस कहते हैं अरविन्द केजरीवाल को दिल्ली की जनता से माफी मांगनी चाहिए। विनोद जायस कहते है अरविन्द केजरीवाल के संरक्षण में दिल्ली सरकार में सैकड़ों करोड़ का शराब घोटाला, सेकड़ों करोड़ का डीटीसी बस खरीद घोटाला, ऐप बेस प्रीमियम बस सर्विस घोटाला, क्लास रुम घोटाला, राशन घोटाला, ऑक्सीजन घोटाला, वक्फ बोर्ड घोटाला, सेकड़ों करोड़ का जल बोर्ड घोटाला, पीडब्लूडी घोटाला, शहरी आश्रय बोर्ड शौचालय घोटाले हुए है। यह सभी भ्रष्टाचार के मामले दिल्ली की जनता के सामने है जिनकी जांच सरकारी एजेंसिया कर रही है या कोर्ट के आधीन है।

संक्षिप्त खबरें

लक्ष्मीपुर गांव में करंट लगने से 6 वर्षीय बच्चा की मौत

मधुबनी/ खजौली। खजौली थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव में रविवार के दिन करंट लगने से छह वर्षीय बालक पीयूष कुमार यादव की मौत हो गई ।उसे बचाने गई उसकी नानी शैलो देवी भी विद्युत के चपेट में आकर जख्मी हो गई ।स्थानीय लोगों ने दोनों को उपचार के लिए खजौली पीएससी में भर्ती करवाया जहां पर चिकित्सक रवि चौधरी ने उसे मृत घोषित कर दिया एवं जख्मी शैलो देवी की प्राथमिक उपचार कर घर भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वह अपने घर में स्टैंड फैन चला कर सोया हुआ था स्टैंड फैन उसके शरीर पर गिर गया ।जिसमें करंट प्रवाहित था ।जब उसकी नानी शैलो देवी स्टैंड फैन उसके शरीर पर से हटाने गई तो वह भी चपेट में आकर जख़्मी हो गई।

महुआ चैड़ में बेहोशी अवस्था में मिला अज्ञात अधजला अधेड़

मधुबनी/खजौली। खजौली थाना क्षेत्र के महुआ एकडारा पंचायत के महुआ गांव की चैड़ में डगर के किनारे रविवार की दोपहर बेहोशी अवस्था में अज्ञात एक अधजला अधेड़ मिलने से सनसनी फैल गई है। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना खजौली पुलिस को दी। खजौली पुलिस घटना स्थल पर पहुंच बेहोशी की अवस्था में अधजला अधेड़ को अपने कब्जा में कर इलाज के लिए खजौली पीएचसी लाया। जहां प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल मधुबनी भेज दिया। अधेड़े उजला एवं काला रंग का चेक टी-शर्ट पहने हुआ है। काले रंग का पैंट है। चेहरे पर पका हुआ दाढ़ी दिख रहा है। पूरे चेहरा एवं हाथ-बांह अधजला हुआ है। जलने का जख्म ताजा नहीं है। देखने से जला हुआ दो-तीन दिन पूर्व का लग रहा है। वैसे कुछ लोग इसे विच्छुब्द बता रहे है तो कुछ और कह रहे है। आखिर अधेड़ कैसे जला, कहा का है, चैड़ में कैसे पहुंचा। ऐसा कई सवाल लोगों के जुबान पर देखा गया। खजौली थानाध्यक्ष अजीत प्रसाद सिंह ने बताया कि सूचना पर एसआई इंद्रदेव सिंह सहित अन्य पुलिस बल को भेजा गया एवं प्राथमिक उपचार करवा बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल मधुबनी भेज दिया गया है।

केंद्र की भाजपा सरकार को आगामी लोकसभा चुनाव में जनता जवाब देगी: राजद जिला अध्यक्ष

मुंगेर। छात्र राजद के जिला अध्यक्ष ईशु यादव ने राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के परिजनों के यहां ईडी द्वारा छापेमारी किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने सभी हदें पार कर दी। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार को इस तानाशाही का जवाब आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता देगी। श्री यादव ने कहा कि बिहार में जब से भाजपा सत्ता से बाहर हुई है और महागठबंधन की नई सरकार बनी है तब से राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव जी और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जी से केंद्र की भाजपा सरकार डरी और सहमी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा को केंद्र की सत्ता जाने का भय सताने लगी है, इसलिए सीबीआई आईटी और ईडी से डराया जा रहा है लेकिन राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार डरने वाले नहीं हैं। श्री यादव ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार को मालूम होना चाहिए कि लालू प्रसाद यादव जी मौत से समझौता कर सकते है लेकिन साम्प्रदायिक एवं देश तोड़कर शक्तियों से कभी समझौता नही कर सकते है, न ही झुक सकते हैं। श्री यादव ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव जी और उनके परिवार को एक सोची समझी षड्यंत्र के तहत सीबीआई, ईडी और ईटी के माध्यम से केंद्र की भाजपा सरकार प्रताड़ित कर रही है। जोकि लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

होली के मौके पर शराब पार्टी मनाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज, छह आरोपित

मुंगेर। होली के दिन शराब पार्टी मनाते एक वीडियो वायरल होने के आधार पर धरहरा पुलिस ने लोगों पर उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की है उसमें और औडाबगीचा निवासी विक्रांत सिंह पर विद्युत चोरी सहित कई अन्य अपराधिक मावली पूर्व से दर्ज है उसकी गिरफ्तारी को लेकर पुलिस ने छापेमारी शुरू कर दी है। इधर प्राथमिकी दर्ज होने के बाद थाना प्रखंड में शनिवार को इसे लेकर दिनभर चर्चा का बाजार गर्म रहा ज्ञात हो कि होली के दिन शराब पीते हुए कुछ लोगों की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी जब यह मामला पुलिस अधीक्षक रघुनाथ रेडी जलाल रेडी के संज्ञान में पहुंचा तो उन्होंने धरहरा थाना अध्यक्ष को आदेश दिया कि शराब पीने वालों की पहचान कर उसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कार्यवाही करें।

जिप सदस्या नीलम यादव और जिप सदस्य चंद्र भूषण साह भाजपा में शामिल

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/खुटौना। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भाजपा समेत तमाम राजनितिक दल कमर कस कर तैयारी में जुट गए हैं। आज भाजपा के प्रदेश कार्यालय पटना में बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जयसवाल बिहार विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष सम्राट चौधरी की अगुवाई में एक साथ कई लोगों को भाजपा की सक्रिय सदस्यता दिलाई गई। इसी कड़ी में लौकहा क्षेत्र संख्या 39 की जिला परिषद सदस्या नीलम यादव और क्षेत्र संख्या 38 के जिप सदस्य चंद्र भूषण साह ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

बता दें कि बिहार प्रदेश भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ता मिलन सह सदस्यता अभियान समारोह चलाया गया। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल के द्वारा सभी को सदस्यता दिलाई गई। जिसमें जिप सदस्या नीलम यादव और जिप सदस्य चंद्र भूषण साह पूर्व एमएलसी सुमन महासेठ के साथ लौकहा विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों महिलाओं और युवा साथियों के लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल विधानपरिषद नेता प्रतिपक्ष सम्राट चौधरी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्षा लाजवंती झा के नेतृत्व में भाजपा में शामिल हुऐ। वहीं भाजपा में शामिल होने के साथ ही नीलम यादव ने कहा मातृ शक्ति युगपुरुष माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ है और 2024 में पूर्ण बहुमत से एक बार फिर केन्द्र में भाजपा सरकार बनाएगी। वहीं नीलम यादव के सैकड़ों महिलाओं संग भाजपा में शामिल होने पर क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आई महिलाओं ने कहा अन्य राजनितिक पार्टियां सिर्फ जात पात कर लोगों में विभेद पैदा करती है। समाज के विकास से उनका कोई नाता नहीं। सिर्फ अपना पेट पालने के लिए राजनीति की रोटी सेंकी जाती है। जबकि भाजपा लोगों के दिल में बसने वाली एक मात्र ऐसी राष्ट्रीय पार्टी है जो देश हित से समझौता किए बगैर सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास के विचारधारा पर काम करती है। वहीं जद यू और राजद समेत अन्य राजनितिक पार्टियों पर फर्जी सेकुलरिज्म की आड़ में तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। जिप सदस्य चंद्र भूषण साह ने कहा भाजपा पूर्ण बहुमत से सरकार में आ रही है।

भारी मात्रा में जब्त शराबों का किया गया विनष्टीकरण

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/जयनगर। पूर्व के कई शराब मामलों की गई करवाई मे जब्त शराबों का शुक्रवार को थाना परिसर विनष्टीकरण किया गया। थाना पर अध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि विभिन्न मामलों में जब्त 12 हजार 433 बोतल नेपाली देशी और 217 बोतल विदेशी शराब कुल 12650 बोतल शराबों की बोतलों का विनष्टीकरण किया गया। मौके थाना अध्यक्ष अमित कुमार के नेतृत्व और पुलिस बलों के मौजूदगी एवं सीओ सुधीर कुमार के निगरानी में शराबों का विनष्टीकरण किया गया।

शराब विनष्टीकरण के दौरान पुलिस पदाधिकारी अजित कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थे। आपसी विवाद और मारपीट मामले के आरोप में कांड संख्या 416 /22 के आरोपी थाना क्षेत्र के कोरहिया निवासी एक आरोपी राम चन्द्र यादव एवं कांड संख्या 417/22 के एक आरोपी मुकेश कुमार को न्यायीक हिरासत में भेज देना बताया जाता है। शराब के नशे में हंगामा करने के आरोप में एक पियक्कड़ को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी थाना क्षेत्र के सुभाष चौक निवासी रविन्द्र शर्मा बताया जाता है। आरोपी को न्यायीक हिरासत में भेज दिया गया हैं।

जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता दक्ष का कल 13 मार्च 2023 सोमवार को होगा शुभारंभ सभी तैयारियां पूर्ण

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता दक्ष का शुभारंभ कल 13 मार्च 2023 सोमवार को होगा। कला संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार पटना बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन मधुबनी के संयुक्त तत्वाधान में वॉटसन स्कूल के मैदान खेल भवन नगर भवन सहित आर के कॉलेज व उच्च विद्यालय शंभुआर में दक्ष खेलकूद प्रतियोगित आयोजित होगी। विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता दक्ष का विद्यालय स्तर पर आयोजन किया जा चुका है।

इसमें चयनित सभी खिलाड़ियों द्वारा जिला स्तर पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें विजेता घोषित होने वाले खिलाड़ियों और टीमों को प्रमंडल स्तर पर और फिर राज्य स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। खेलों के आयोजन की तिथि व आयोजन स्थल इस प्रकार हैं। दक्ष प्रतियोगिता में एथलेटिक्स बालक बालिका का आयोजन वाटसन उच्च विद्यालय में अंडर 17 का 13 मार्च, अंडर 19 का 14 मार्च, अंडर 14 का 15 मार्च को निर्धारित है। खो-खो बालक बालिका का आयोजन मध्य विद्यालय वाटसन में अंडर 17 का 13 मार्च, अंडर 19 का 14 मार्च, अंडर 14 का 15 मार्च को होगा, वॉलीबॉल बालक बालिका का आयोजन शिवगंगा बालिका उच्च विद्यालय में अंडर 17 का 13 मार्च, अंडर-19 का 14 मार्च, अंडर 14 का 15 मार्च को होगा। वहीं, बैडमिंटन बालक बालिका का आयोजन नगर भवन मधुबनी में अंडर-17 का 13 मार्च, अंडर 19 का 14 मार्च, अंडर 14 का 15 मार्च को होगा। फुटबॉल बालक बालिका का आयोजन आरके कॉलेज मधुबनी में अंडर 17 का 13 मार्च, अंडर-19 का 14 मार्च, अंडर 14 का 15 मार्च को होगा।

कुश्ती बालक का आयोजन कुश्ती अखाड़ा सप्ता में अंडर 17 का 13 मार्च, अंडर-19 का 14 मार्च और अंडर 14 का 15 मार्च को होगा। कबड्डी बालक बालिका का आयोजन खेल भवन मधुबनी में अंडर 17 का 13 मार्च, अंडर 19 का 14 मार्च और अंडर 14 का 15 मार्च को होगा। टेबल टेनिस बालक/ बालिका का आयोजन खेल भवन मधुबनी के द्वितीय तल पर अंडर 14, 17 और 19 की श्रेणी में 14 मार्च को, शतरंज बालक बालिका का आयोजन खेल भवन मधुबनी के द्वितीय तल पर अंडर 14, 17 और 19 का 15 मार्च को। हैंडबॉल बालक/ बालिका का आयोजन उच्च विद्यालय शंभूआर में अंडर 14, 17 और 19 का 16 मार्च को। बॉल बैडमिंटन बालक बालिका का आयोजन उच्च विद्यालय शंभुआर में अंडर 14, 17 और 19 का 16 मार्च को। कराटे बालक और बालिका का खेल भवन मधुबनी के प्रथम तल में अंडर 14, 17 और 19 का 16 मार्च को। वुशू बालक बालिका का आयोजन खेल भवन मधुबनी के द्वितीय तल पर अंडर-17 और 19 का 16 मार्च को। रग्बी बालक बालिका का आयोजन उच्च विद्यालय शंभुआर में अंडर 14, 17 एवं 19 का 16 मार्च 2023 को आयोजित होगा।

अपूर्ण आवास के लाभुकों को थाना पर भराया गया बॉण्ड

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/खजौली। खजौली में राशि उठाव कर आवास नहीं बनाने वाले लाभुकों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। खजौली बीडीओ मनीष कुमार इसके प्रति काफी सख्त दिख रहे है। इसी कड़ी में रविवार को दतुआर पंचायत के फेकन सदार एवं राजकुमार सदाय तथा इनरवा पंचायत के रामदेव यादव तथा रामउदगार यादव को हिरासत में लेकर पूरे दिन खजौली थाना पर बैठाया गया। स्थानीय सरपंच की मौजूदगी में आवास पूर्ण कर लेने की बॉड भरने पर उन्हें शाम में मुक्त किया गया. कहा कि आवास पूर्ण नहीं करने की स्थिति में इन सबों पर अग्रेत्तर कार्रवाई होगी। बीडीओ मनीष कुमार ने कहा कि इनरवा पंचायत के संजू देवी राजेश्वर शर्मा रिंकू देवी एवं सुनीता देवी के घर भी आवास योजना की जांच किया। आवास पूर्ण नहीं किया हुआ पाया। पूर्ण कर लेने की चेतावनी दिया गया ।उन्होंने कहा कि निलाम वाद दायर करने के बाद इन लोगों से बॉड भराने की कार्रवाई की गई है। खजौली में अबतक 133 लाभुकों पर निलाम वाद दायर हो चुका है ।आवास पूर्ण नहीं करने वाले सभी लाभुकों को हिरासत लिया जायेगा इस तरह की कार्रवाई से राशि उठाव कर आवास नहीं बनाने वाले लाभुकों में हड़कंप मचा है ।मौके पर बीडीओ मनीष कुमार, आवास पर्यवेक्षक आशुतोष कुमार, आवास सहायक पुरूषोत्तम पंडित, शंकर प्रसाद, सरपंच महेश्वर प्रसाद यादव उर्फ मुलची यादव, गणेश ठाकुर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

शहर के मेन रोड की युद्ध स्तर पर मरम्मत कराने और अतिक्रमण मुक्त बनाने की मांग को लेकर उबले विकासशील इंसान पार्टी युवा मोर्चा के कार्यकर्ता

मेन रोड की युद्ध स्तर पर मरम्मत और अतिक्रमण पर कार्रवाई नहीं होने पर होगा सड़क जाम: समीर चौहान

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। गांव और देहात ही नहीं बल्कि शहर की सड़कों की स्थिति पर नाराज विकासशील इंसान पार्टी के कार्यकताओं ने हल्ला बोल उठा। रविवार को पन्हास में वीर कुँवर सिंह चौक के समीप नेताओं और कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। आयोजित सभा को संबोधित करते हुए विकासशील इंसान पार्टी के युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष समीर सिंह चौहान ने कहा कि मेन रोड को जगह-जगह पर तोड़ दिया गया है। इस सड़क से गुजरने वाले लोगों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ता है।

फिसलन के कारण साइकिल, मोटरसाइकिल सवार गिर जाते हैं। कालांतर में अवध-तिरहुत रोड के नाम से वर्तमान का मेन रोड जाना जाता था। वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध के समय आज जिस जगह पर वर्तमान एनएच 31 स्थित है, उस जगह पर वैकल्पिक मार्ग बनाया गया था। तब से धीरे-धीरे अवध राजमार्ग अतिक्रमण का दंश सहते-सहते एक गली का रूप ले चुका है। मेन रोड में रोज लगने वाले जाम के कारण आम आवाम को भारी फजीहत का सामना करना पड़ता है। उनके कीमती समय की बबार्दी होती है। सड़क का अधिकांश हिस्सा अतिक्रमण की चपेट में है। मेन रोड में अतिक्रमण हटाने की हमलोग मांग करते हैं, जिससे यह सड़क अपने गौरवशाली स्वरूप को प्राप्त कर सके। साथ ही साथ ट्रैफिक चौक से कपस्या चौक तक के छोटे-छोटे दुकानदारों और कचहरी रोड के सभी दुकानदारों को वेंडिंग जोन में बसाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि उनकी जितनी तत्परता और सक्रियता गरीब दुकानदारों को उजाड़ने में दिखाई जाती है।

उतनी ही तत्परता और सक्रियता की उम्मीद हमलोग जिला प्रशासन से मेन रोड को अतिक्रमण मुक्त कराने की करते हैं। उन्होंने कहा कि मांग की पूर्ति नहीं होने पर चरणबद्ध आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया जाएगा ।कार्यक्रम का संचालन विक्रम कुमार ने किया। मौके पर उमेश यादव, दिनेश साहनी, मोहम्मद सत्तार, मोहम्मद शमीम, राधा मोहन महतो, शंकर महतो, सुधीर सिन्हा, चंद्र भूषण प्रसाद, अखिलेश साहनी, रामू साहनी के साथ दर्जनों लोग उपस्थित थे।

लोक अदालत में मुफ्त होगा मुकदमो का निपटारा : डॉ राजेश

प्रात : किरण संवाददाता

+करपी। प्रखंड क्षेत्र के पुरैनिया पंचायत भवन में रविवार को विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया ।जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार राकेश कुमार सिंह एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार अजय कुमार के निर्देश पर पुरैनिया पंचायत भवन पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया ।जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पैनल अधिवक्ता डॉ राजेश चन्द्रा ने महिलाओं एवम बालिकाओं को संबंधित कानूनों की जानकारी दी गई।

ऐसे लोग मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। महिलाओं को उनके अधिकार एवं कर्तव्य के संबंध में विस्तार से जानकारी दी तथा कहा कि किसी भी व्यक्ति के द्वारा अगर अन्याय किया जाता है तो उसे बर्दाश्त नहीं करना है। इसकी शिकायत न्यायालय में करनी है। इसके लिए लीगल एड क्लिनिक की स्थापित की गई है जहां शिकायत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि व्यवहार न्यायालय अरवल में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। यहां विभिन्न प्रकार की समस्याओं का समाधान किया जाएगा ।जो मामला सुलह करने योग्य है उसका समाधान किया जाएगा साथ ही साथ बैंकों में ऋण से संबंधित मामले की सुनवाई की जाएगी ।बिजली विभाग, श्रम विभाग, माप तोल विभाग इत्यादि विभागों से संबंधित यदि विवाद चल रहे हैं तो इन विवादों का निपटारा बिना खर्च एवं वकील के एक दिन में कर दिया जाएगा।

एक डीलर के मनमर्जी को लेकर एसएफसी गोदाम में डोर टू स्टेप बाधित

रसीदपुर गांव में डीलर के गोदाम पर माप तौल कर अनाज अनलोडिंग करते ड़ोर टू स्टेप संवेदक

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/खजौली। खाध सुरक्षा आपूर्ति विभाग द्वारा समय से डीलर के गोदाम तक अनाज मुहैया कराने को लेकर डोर टू स्टेप के माध्यम से अनाज मुहैया करा रही है.लेकिन डीलर द्वारा डोर टू स्टेप से अनाज को अनलोडिंग नही कराने से डोर टू स्टेप वाहन घंटो डीलर की दुकान पर खड़ा रहने से डोर टू स्टेप बाधित हो गया.बताते कि रविवार को एसएफसी गोदाम से डोर टू स्टेप के वाहन से माह फरवरी मार्च की अनाज डीलर सुधीर राय के दुकान पर दिन के दस वजे पहुँचने पर डीलर अनाज लेने से इंकार किया.उन्होंने आरोप लगाया कि डोर टू स्टेप के माध्यम से अनाज की डिलिवरी के दौरान बोरी में कम अनाज आता है.इस लेकर अनाज को अनलोडिंग नही किया जाएगा.वही एसएफसी के फोर जी संवेदक द्वारा सभी चावल कीबोरी को माप तौल करने पर आवंटन के अनुरूप सही चावल पाया गया वही डीलर द्वारा डोर टू स्टेप वाहन को अपने दुकान पर घंटो रोककर एसएफसी की कार्य मे बाधित को लेकर उंक्त डीलर के विरोध में प्रखंड़ आपूर्ति पदाधिकारी ने सदर एसडीओ मधुबनी से शिकायत की. वही प्रखंड़ आपूर्ति पदाधिकारी प्रणव प्रकाश ने बताया कि उंक्त डीलर द्वारा डोर टू स्टेप सरकारी वाहन को बाधित करने के आरोप में विभागीय करवाई की जाएगी।

जांच एजेंसियों का दुरुपयोग लोकतंत्र के लिए घातक है : राजद

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । राष्ट्रीय जनता दल के पुर्व प्रखंड अध्यक्ष योगेश्वर गोस्वामी ने कहा सीबीआई, ईडी और आईटी का दुरूपयोग लोकतंत्र के लिए घातक बताया और कहा कि भाजपा 2024 की हार के डर से आपा और नैतिकता दोनों खो चुकी है। माफीवीर लोग अग्रेजी हुकूमत से भी बदत्तर स्थिति देश में पैदा कर दी है। बिहार विधान सभा होली जैसे त्यौहार में जब छुट्टी हुआ तब उपमुख्यमंत्री अपनी गर्भवती पत्नी से मिलने और उनका हालचाल जानने दिल्ली गये तो वहां भी सीबीआई पहुंच गई, इससे ज्यादा बेशर्मी की बात क्या हो सकती है। हद तो तब हो गई जब तेजस्वी के बहन और जीजा के यहां भी सीबीआई पहुंच गई। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती राबड़ी देवी और पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव से सीबीआई पूछताछ कर चुकी है। 2017 में भी इसी तरह से फर्जी जांच के बहाने सीबीआई लालू यादव के परिवार को तंग करने की नीति अपनाई थी लेकिन उस समय इन्हें मुंह की खानी पड़ी।

लैण्ड फॉर जॉब मामले में जब कुछ भी प्राप्त नहीं हुआ तो हरियाणा में फर्जी मॉल का सनसनीखेज मामला देश स्तर पर फैलाया गया, वहां भी मुंह की खानी पड़ी। नगर अध्यक्ष पंकज यादव एवं एससी एसटी प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष अनिल सोरेन ने कहा कि आज देश जानना चाहता है कि 80 हजार करोड़ के मामले जो अडानी से संबंधित है उस पर भाजपा के नेता चुप क्यों हैं? और ये एजेंसियां उन तक क्यों नहीं पहुंची? इसी तरह के एक मामला अभी हाल में कर्नाटक के भाजपा नेता के घर से आठ हजार करोड़ पकड़े गये हैं लेकिन इस पर भाजपा के नेता चुप्पी साधे हुए हैं आखिर क्यों? देश को लगातार भाजपा के नेता लूटते और लुटाते रहे और जब विपक्ष इन्हें आईना दिखाये तो सीबीआई, ईडी, और आईटी का इस्तेमाल विपक्ष के नेताओं पर शुरू कर दिया जाता है। विपक्षी दलों को डराने धमकाने और फर्जी मुकदमा बनवाने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर जांच करने में गुजराती लॉबी का इस्तेमाल करने के लिए जो सेवा विस्तार दिया जा रहा है, वरिष्ठ राजद नेता सदानंद यादव एवं मोहम्मद रऊफ ने कहा सब अपनी लड़ाई लड़ रहे है।

सीपीआई की बैठक में खेत मजदूर यूनियन के जिला सम्मेलन की बनाई गई योजना

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी / जयनगर। जयनगर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी कोरहिया शाखा की बैठक शनिवार को पार्टी कार्यालय कोरहिया में कॉमरेड राजकुमार मुखिया सरपंच की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 16 मार्च को राजेंद्र प्रसाद यादव उर्फ गुदरी यादव नगर और सदानंद ठाकुर,सोनफी साफी सभागार, कोरहिया में आयोजित बिहार राज्य खेत मजदूर यूनियन के 15 वें जिला सम्मेलन को सफल बनाने को लेकर कार्य योजना बनाई गई।

बैठक को सीपीआई राज्य परिषद सदस्य किरणेश कुमार, खेत मजदूर यूनियन के जिला सचिव यमुना पासवान, शाखा सचिव महेंद्र साह, कपिल देव सिंह, रामपुकार मुखिया, तेतर यादव, रामसुबरन यादव,बिकाउ पासवान,प्रमोद मुखिया, युगे मुखिया, भोगी मुखिया आदि ने संबोधित किया। सीपीआई के राज्य परिषद सदस्य किरणेश कुमार ने कहा कि जिला सम्मेलन के मौके पर 16 मार्च को दिन के एक बजे से पार्टी कार्यालय कोरहिया में आमसभा आयोजित की गई है। आम सभा को सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व सांसद नागेन्द्र नाथ ओझा, सीपीआई के राज्य सचिव व पूर्व विधायक रामनरेश पांडेय, सीपीआई के राष्ट्रीय परिषद सदस्य ओमप्रकाश नारायण, सीपीआई के जिला सचिव मिथिलेश कुमार झा,बिहार महिला समाज की महासचिव राजश्री किरण, खेत मजदूर यूनियन के जिलाध्यक्ष रामनारायण यादव, खेत मजदूर यूनियन के जिला सचिव यमुना पासवान, किसान नेता सूर्य नारायण महतो, लक्ष्मण चौधरी आदि नेता सम्बोधित करेंगे। सम्मेलन में पूरे जिले से चुने हुए करीब एक हजार प्रतिनिधि शामिल होंगे। जिला सम्मेलन की तैयारी जोर शोर से चल रही है।

सीपीआई के राज्य परिषद सदस्य किरणेश कुमार ने कहा कि इस सम्मेलन में लोक कल्याणकारी योजनाओं में हो रही लूट पर रोक लगाने, सभी भूमिहीनों को बासगीत का पर्चा दिलाने, छूटे हुए परिवारों को राशन कार्ड दिलाने, 60 साल से ऊपर के सभी लोगों को पेंशन दिलाने, सभी को पक्का घर दिलाने, राशन वितरण में डीलरों द्वारा की जा रही मनमानी पर रोक लगाने व सभी लाभार्थियों को प्रति व्यक्ति पांच किलो अनाज दिलाने, पेंशन की राशि बढ़वाने, मनरेगा में लूट पर रोक लगाने व साल में 200 दिन रोजगार की गारंटी करने, सभी को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत पक्का मकान दिलाने, प्रधानमंत्री आवास योजना में रिश्वत खोरी पर रोक लगाने, आँगनबाड़ी केंद्रों पर हो रही लूट पर रोक लगाने सहित मजदूरों के सवालों को लेकर आंदोलन चलाने पर रणनीति बनाई जाएगी। 2014 में भाजपा के नेतृत्व में केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद खेत मजदूरों एवं किसानों पर अनवरत हमले किये जा रहे हैं। मनरेगा के बजट में लगातार कटौती की जा रही है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना को बंद करने की साजिश की जा रही है। 2024 में केंद्र की सत्ता से मोदी सरकार को हटाने और केंद्र एवं राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जुझारू संघर्ष की रणनीति पर फैसला लेंगे।

सम्पादकीय

जी-20 से बेमतलब उम्मीद

जी-20 की उम्र इसीलिए भी पूरी हो चुकी है कि जिस विश्व अर्थव्यवस्था के संचालन के लिए उसे बनाया गया था, उसका स्वरूप बुनियादी रूप से बदल गया है। जी-20 भूमंडलीकरण के दौर की अर्थव्यवस्था के संचालन के लिए बना था, जबकि अब दौर डी-ग्लोबलाइजेशन यानी भूमंडलीकरण की दिशा पलटने का है। इस नए दौर में नए मंच उभर रहे हैं। ब्रिक्स (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका) अब ब्रिक्स प्लस का रूप लेने जा रहा है। उसके साथ शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) एक सुरक्षा संगठन के रूप में उभर रहा है। आने वाले समय में दुनिया जी-7 और ब्रिक्स प्लस-एससीओ की धुरियों पर बंटी रहेगी।

नई दिल्ली में इकट्ठा हुए ग्रुप-20 के विदेश मंत्रियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह सटीक बात कही कि विश्व संचालन की संस्थाएं नाकाम हो चुकी हैं। मोदी ने कहा-ह्यवित्तीय संकट, जलवायु परिवर्तन, महामारी, आतंकवाद और युद्धों के समय हाल के वर्षों में हुए अनुभवों से यह साफ है कि विश्व संचालन की व्यवस्था विफल हो चुकी है। लेकिन इसके बाद उन्होंने एक निर्रथक टिप्पणी की। कहा-जिन मुद्दों को हम हल नहीं कर सकते, हमें उनको उन मुद्दों की राह में बाधक नहीं बनने देना चाहिए, जिनका समाधान हम ढूंठ सकते हैं। यह टिप्पणी इसलिए निरर्थक है, क्योंकि जिन वजहों से दूसरे विश्व युद्ध के बाद अस्तित्व में आई संस्थाएं नाकाम हुई हैं, उन वजहों ने विश्व परिस्थिति को आमूल रूप से बदल दिया है। ऐसे में पुरानी व्यवस्थाओं से कोई उम्मीद जोड़ने कोई तर्क नहीं हो सकता।

बेशक संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्था की भूमिका पर भी आज कई गंभीर सवाल हैं। उसकी नाकामियों से निराशा लगातार गहरी होती जा रही है। फिर भी दुनिया में कोई ऐसा ताकतवर देश नहीं है, जो संयुक्त राष्ट्र की जरूरत महसूस ना करता हो। लेकिन जिस मंच का औचित्य अब पूरी तरह से संदिग्ध हो गया है, वह बेशक जी-20 है। भारत सरकार ने जी-20 की रोटेशन से मिली मेजबानी को देश की जनता के सामने अपनी एक बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश किया है। जबकि इंडोनेशिया के बाली में हुए जी-20 के पिछले शिखर सम्मेलन में ही यह साफ हो गया था कि इस मंच से अब कुछ हासिल नहीं हो सकता।

इस मंच की प्रासंगिकता पर ऐसे सवाल उठने की एक लंबी पृष्ठभूमि है। यह पृष्ठभूमि कम से कम एक दशक पहले तक जाती है। इसके बावजूद यूक्रेन संकट खड़ा होने से पहले तक सूरत उतनी गंभीर या तनावपूर्ण नहीं थी। यूक्रेन में रूस की सैनिक कार्रवाई शुरू होने के साथ ही दुनिया में पहले से बढ़ रही दरार अचानक ना पाटे जा सकने वाली खाई में तब्दील हो गई। इसलिए जब भारत को मेजबानी मिली, तभी हमारे नीति निमार्ताओं को इस मंच की लगातार बढ़ रही अनुपयोगिता का अहसास अवश्य रहा होगा।

फिर भी इस मेजबानी को लेकर भारत में सनसनी पैदा करने की कोशिश की गई और उस माहौल को लगातार बनाए रखा जा रहा है, तो उसके पीछे कारण भारत की घरेलू राजनीति में इसके इस्तेमाल की संभावना है। स्पष्टतः जब देश में अगले आम चुनाव का माहौल बनने लगा है, तब विश्व नेताओं की भारत में उपस्थिति को प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व की सफलता के रूप मे पेश कर उसका चुनावी फायदा उठाने की रणनीति अपनाई गई है। इसीलिए जी-20 बैठकों की पहले से तय नाकामी पर भारतीय मीडिया में परदा डालने की कोशिश साफ नजर आती है।

मगर उससे इस मंच के संकट को छिपाया नहीं जा सकता। फरवरी के आखिरी हफ्ते में बंगलुरू में जी-20 के वित्त मंत्रियों की बैठक हुई। उसके साथ ही वहां ऋण गोलमेज सम्मेलन का भी आयोजन किया गया, जिसका मकसद इस समय कर्ज संकट से जूझ रहे विकासशील देशों को राहत देने के उपायों पर विचार-विमर्श करना था। लेकिन बंगलुरू में हुई बैठकें सिरे से नाकाम रहीं। जी-20 के वित्त मंत्री किसी साझा बयान पर राजी नहीं हो सके। धनी मुल्कों के समूह जी-7 के सदस्य देश और रूस एवं चीन अलग-अलग धुरियों पर खड़े नजर आए, जैसाकि बाली में भी हुआ था।

बाली में इंडोनेशिया की कूटनीति सीमित रूप में सफल रही थी। उसके परिणामस्वरूप रूस की तरफ से वहां आए विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव को संयुक्त विज्ञप्ति जारी होने के पहले ही बाली से चले जाने के लिए राजी कर लिया गया। उसके बाद संयुक्त विज्ञप्ति जारी हुई, जिसमें कहा गया कि जी-20 के ज्यादातर देशों ने यूक्रेन पर हमले की निंदा की, लेकिन कई देशों ने इससे अलग विचार व्यक्त किए। चीन ने भी इस विज्ञप्ति पर दस्तखत नहीं किया था।

बंगलुरू में जारी साझा बयान में बाली घोषणापत्र के दो पैराग्राफ को बिना किसी फेरबदल के शामिल कर लिया गया। इसके बावजूद रूस और चीन ने सहमति नहीं दी। बल्कि पश्चिमी देशों ने रूसी प्रतिनिधिमंडल के भाषण का बहिष्कार कर वहां कटुता और बढ़ा दी। उसका सीधा असर नई दिल्ली में विदेश मंत्रियों की बैठक पर पड़ा।

हिंदू विकास दर का जुमला बेतुका

बलबीर पुंज

आखिर हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ का सच क्या है? क्या यह जुमला है, अतिश्योक्ति है या इसके पीछे कोई गहरा षड़यंत्र है? हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय ने तीसरी तिमाही में वृद्धि दर का आंकड़ा प्रस्तुत किया, जोकि 4। 4 प्रतिशत है। इसपर गत दिनों भारतीय केंद्रीय बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर और अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था खतरनाक ढंग से हिंदू विकास दर के निकट पहुंच गई है। यहां उनका कहने का आशय यह है कि हिंदुओं की सनातन मान्यताओं-परंपराओं के कारण भारतीय आर्थिकी में सुस्ती आई है। क्या वाकई ऐसा है? भारत की तुलना में शेष विश्व की स्थिति क्या है?

अकाट्य सत्य है कि 2020-21 के भयावह कोरोना कालखंड के बाद बीते एक वर्ष से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध और उसपर अमेरिका के साथ पश्चिमी देशों की ओर से रूस पर थोपे गए दर्जनों प्रतिबंधों ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और आयात-निर्यात को प्रभावित कर दिया है। इन सब पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक आदि वैश्विक संस्थाओं ने दुनिया में मंदी आने और महंगाई बढ़ने की आशंका व्यक्त की है। इस वर्ष जनवरी में संपन्न विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) सम्मेलन में चीफ इकोनॉमिस्ट्स आउटलुकः जनवरी 2023 नाम से निष्कर्ष जारी किया गया था। उसके अनुसार, वैश्विक अर्थव्यवस्था भू-राजनीतिक तनाव के कारण बुरी तरह प्रभावित हो रही है। एक मजबूत आम सहमति है कि 2023 में विश्व में-विशेषकर यूरोप और अमेरिका में आर्थिक विकास की संभावनाएं धूमिल हैं। बढ़ती महंगाई पर डब्ल्यूईएफ ने यूरोप के लिए 57 प्रतिशत तक मूल्य वृद्धि का अनुमान जताया है।

इस पृष्ठभूमि में रघुराम राजन, जोकि आरबीआई गवर्नर (2013-16) और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (2012-13) से पहले आईएमएफ सहित कई वैश्विक संस्थाओं के शीर्ष पदों पर रह चुके है-क्या अमेरिका और यूरोपीय देशों में प्रतिकूल आर्थिक स्थिति के लिए क्रिश्चियन रेट ऑफ ग्रोथ को जिम्मेदार ठहराएंगे, क्योंकि इन भू-क्षेत्रों में बहुसंख्यक ईसाई और शासकीय व्यवस्था में चर्च का गहरा प्रभाव है? वामपंथियों द्वारा शासित चीन ने 5 मार्च को वित्तवर्ष 2023-24 के लिए 5 प्रतिशत आर्थिक विकास का लक्ष्य निर्धारित किया है। इससे पहले चीन की आर्थिक वृद्धि केवल 3 प्रतिशत थी, तब उसने 5। 5 प्रतिशत का लक्ष्य रखा था। सच तो यह है कि चीनी अर्थव्यवस्था को उसकी विफल कोरोना नीति ने झकझोर कर रख दिया है। क्या रघुराम राजन या उनके जैसे अन्य मानसबंधु, चीन में इस स्थिति को कम्युनिस्ट रेट ऑफ ग्रोथ से जोड़ेंगे? सच तो यह है कि वैश्विक उथलपुथल में भारत अपवाद नहीं हो सकता। फिर भी आईएमएफ रूपी कई वैश्विक संस्थाओं ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक पूर्वेक्षण प्रस्तुत किया है। आईएमएफ की प्रबंधक निदेशक क्रिस्टालिना जॉजीर्वा के अनुसार, प्रतिकूल स्थिति के बाद भी वर्ष 2023 की वैश्विक आर्थिकी में भारत की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत होगी। यह ठीक है कि वैश्विक घटनाओं से भारत भी प्रभावित है और बढ़ती महंगाई चिंता का विषय बनी हुई है। किंतु सतत प्रयासों और नीतिगत उपायों से तुलनात्मक रूप से भारत की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है। ऐसे कई संकेत है, जो अपने भीतर उत्साह बढ़ाने वाले पहलुओं को समेटे हुए है। वर्ष 2022-23 में कुल निवेश का आंकड़ा, जीडीपी के 34 प्रतिशत के बराबर पहुंच गया है, जो विगत एक दशक में सबसे उच्च है।

पड़ोसी की शांति में ही निहित है अपनी भी शांति

इस्लामी राष्ट्र बनाने से लेकर विश्व इस्लामी जगत में अपना प्रभुत्व स्थापित करने जैसे हवा-हवाई इरादों के परिणामस्वरूप पाकिस्तान का गठन हो गया। और अंग्रेजों ने भारत छोड़ते छोड़ते भारत को विभाजित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुये हमारी शक्ति को कम किया। दरअसल वैश्विक राजनीति में किसी राष्ट्र को कमजोर करना, उसकी आंतरिक फूट का लाभ उठाना, उसे कर्ज व आर्थिक सहायता जैसे उपकारों से दबाकर रखना, उसे उसी के पड़ोसी के साथ उलझाने यहाँ तक कि संभव हो तो लड़ाने की साजिश करना आदि राजनायिक भाषा में एक सफल कूटनीति समझी जाती है। उसी का अनुसरण करते हुये अंग्रेजों ने हिन्दू-मुस्लिम राजनैतिक विवाद को हवा देते हुये भारत विभाजन के लिये खेला। कमोबेश वैसी ही राजनीति 1971 में बंगाली मुसलमानों के हक की आवाज उठाने के नाम पर भारत द्वारा की गयी।

तनवीर जाफरी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

जिन ब्रिटिश शासकों से के विरुद्ध संयुक्त भारत के सभी लोगों ने मिलकर पराधीन भारत को स्वाधीनता दिलाई थी, 1947 में हुये दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन के बाद उसी भारत से पाकिस्तान नामक एक नये राष्ट्र का उदय हुआ। इस्लामी राष्ट्र बनाने से लेकर विश्व इस्लामी जगत में अपना प्रभुत्व स्थापित करने जैसे हवा-हवाई इरादों के परिणामस्वरूप पाकिस्तान का गठन हो गया। और अंग्रेजों ने भारत छोड़ते छोड़ते भारत को विभाजित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुये हमारी शक्ति को कम किया। दरअसल वैश्विक राजनीति में किसी राष्ट्र को कमजोर करना, उसकी आंतरिक फूट का लाभ उठाना, उसे कर्ज व आर्थिक सहायता जैसे उपकारों से दबाकर रखना, उसे उसी के पड़ोसी के साथ उलझाने यहाँ तक कि संभव हो तो लड़ाने की साजिश करना आदि राजनायिक भाषा में एक सफल कूटनीति समझी जाती है। उसी का अनुसरण करते हुये अंग्रेजों ने हिन्दू-मुस्लिम राजनैतिक विवाद को हवा देते हुये भारत विभाजन के लिये खेला। कमोबेश वैसी ही राजनीति 1971 में बंगाली मुसलमानों के हक की आवाज उठाने के नाम पर भारत द्वारा की गयी।

पाकिस्तान के विभाजन के लिये भारत ने पूर्वी पाकिस्तान का तब तक साथ दिया जब तक नव राष्ट्र के रूप में बांग्लादेश अस्तित्व में नहीं आ गया। इसी दौर में बंग्लादेश से असीमित संख्या में बंग्लादेशियों ने भारत की ओर शरणार्थी के रूप में कूच किया। भारत पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा। और आजतक वही शरणार्थी बांग्लादेशी मुसलमान के नाम से विशेष राजनैतिक विचारधारा के लोगों के लिये राजनीति करने का कारक बने हुये हैं। बांग्लादेश के गठन के बाद खासकर भारत-पाक-मुक्ति मोर्चा संघर्ष के दौरान हुये विश्व के सबसे बड़े आत्म समर्पण के बाद वही पाकिस्तान और विशेषकर वहां के शासक व सेना भारत को अपने सबसे बड़े दुश्मन की नजर से जरूर देखने लगे। नतीजा सामने है, कश्मीर को विवादित करने के अंतराष्ट्रीय प्रयासों से लेकर भारत में आतंक फैलाने तक, ड्रग्स व हथियारों से लेकर नकली करेंसी भारत भेजने तक और हनी ट्रैप में लोगों को फंसाने जैसे हथकंडे तक पाकिस्तान भारत के विरुद्ध आजमाता रहता है। और अब विगत तीन दशकों से उसी पाकिस्तान की व्यवसायिक प्रगाढ़ता चीन से बढ़ती जा रही है। यहां तक कि भारत विरोध की आग में तपता पाकिस्तान, चीन के शिकंजे में बुरी तरह उलझता जा रहा है।

उधर भारत का दूसरा घनिष्ठ पड़ोसी देश नेपाल है। राजशाही समाप्त होने के बाद यहाँ की लोकतांत्रिक राजनीति में भी उथल पुथल मची रहती है। जिस नेपाल के करोड़ों लोग भारत में रोजगार पाते हैं, जहाँ के लोग भारतीय सेना सहित भारत की ही अनेक सरकारी व गैर सरकारी नौकरियों में भी सेवा करने का अवसर पाते हों वही नेपाल कभी कभी भारत को भी आँखें दिखाने लगता है। करीबी पड़ोसियों के रूप में भारत और नेपाल के अद्वितीय सम्बन्ध हैं, जिसमें व्यवसाय, खुली सीमायें, जनता के बीच रिश्ते नाते, व साहित्य व संस्कृति के गहरे सम्बन्ध भी हैं। परन्तु यहां यह जानना भी जरूरी है कि इन संबंधों के बावजूद भी नेपाल की पीठ पर भी चीन का हाथ है जो अपने भारत विरोधी दूरगामी राजनैतिक मकसद के तहत पकिस्तान की ही तरह नेपाल को भी अपने चंगुल में फंसाना चाहता है। गत वर्ष नवंबर में नेपाल हुये संसदीय चुनाव के समय यह आशंका भी जताई गयी थी कि चीन, नेपाल में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के साथ मिलकर भारत विरोधी साजिशें रच सकता है। खबरों के मुताबिक इसके लिए चीनी सुरक्षा एजेंसी मिनिस्ट्री आफ स्टेट सिक्योरिटी ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (क्रक) के साथ काम भी शुरू कर दिया था।

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की इस रिपोर्ट पर 18 अगस्त 22 को दिल्ली में हुए राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन 2022 में चर्चा भी हुई थी। इसे लेकर गृह मंत्रालय ने नेपाल से सटे उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल व सिक्किम को भी सचेत किया था। उसी दौरान चीन के तीसरे सबसे बड़े नेता ली झांशु ने काठमांडू का दौरा किया था। हालांकि नेपाल के लोग पाकिस्तान द्वारा भारत के विरुद्ध चीन के साथ मिलकर रची जा रही साजिश से बाखबर जरूर हैं परन्तु इसके बावजूद चीन, पाकिस्तान के सहयोग से नेपाल के माध्यम से भारत में अस्थिरता फैलाने का षड़यंत्र पूरी ताकत के साथ रच रहा है। राजनैतिक विश्लेषकों के अनुसार भारत और नेपाल के रिश्तों में 2015 से ही तब कड़ुवाहट शुरू हो गई थी जब भारत ने नेपाली आपूर्ति के विरुद्ध ब्लॉकेड किया था। इस ब्लॉकेड का पूरा फायदा चीन ने नेपाल के प्रति हमदर्दी जताते हुये उठाया था। इसी तरह भारत चीन के विवादों का कारण भारत चीन सीमावर्ती अनेक इलाके तो हैं ही परन्तु चीन को भारत से सबसे अधिक तकलीफ तिब्बत की स्वायत्ता के मुद्दे पर तिब्बत का साथ देना भी है।

चीन अपने आर्थिक संसाधनों और कूटनीति की मदद से दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता है। उस की नेपाल पर कुदृष्टि का भी ऐतिहासिक सन्दर्भ है। चीन के प्रथम कम्युनिस्ट नेता व संस्थापक माओत्से तुंग ने एक बार सार्वजनिक रूप से यह कहा था कि-तिब्बत हमारी हथेली और लद्दाख, नेपाल, भूटान, सिक्किम व अरुणाचल प्रदेश यह पाँच उंगलियां हैं। हथेली तो हमने ले ली है और अब पाँच उंगलियों को भी आजाद कराना है। परन्तु चूंकि आज के दौर में परोक्ष रूप से सैन्य शक्ति का प्रयोग कर क्षेत्रीय विस्तार करना बेहद कठिन है इसलिए चीन इन इलाकों को विवादित बनाना तथा यहां अपना प्रभाव बढ़ाकर भविष्य का अपना राजनैतिक व भौगोलिक विस्तार का इरादा जरूर साफ करना चाहता है। दूसरी तरफ इसी के साथ साथ नेपाल में एक नये राष्ट्रवाद का स्वर बुलंद हो रहा है जिसका एक बड़ा हिस्सा भारत विरोधी है। इन सबके बावजूद वर्तमान भारतीय सत्ता की प्राथमिकता नेपाल का विश्वास जीतने, उसे चीन व पकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के कुचक्र से दूर रखने से अधिक इस बात में रहती है कि किसी तरह नेपाल पुनः हिन्दू राष्ट्र बन जाये। गत वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जितनी भी नेपाल यात्रायें हुयी हैं उनमें उनके तेवर, लिबास, भाव भंगिमा, अंदाज आदि को देखकर इस बात का अंदाजा भी बखूबी लगाया जा सकता है। नेपाल व भारत के लोगों के लिये यह एक भावनात्मक स्टैंड तो हो सकता है परन्तु इससे नेपाल के लोगों का दिल जीतने तथा उससे रिश्ते सुदृढ़ करने या फिर उसे चीन व पकिस्तान से दूर ले जाने में शायद ही कोई मदद मिले।

अब नेपाल में पोखरा स्थित शालिग्रामी नदी या काली गंडकी से अहिल्या रूपी पत्थर की 6 करोड़ वर्ष प्राचीन बताई जा रही दो विशाल शिलाएं नेपाल से चल कर अयोध्या पहुंचे चुकी हैं। बताया जा रहा है कि संभवतः इन्हीं शिलाओं से बनी मूर्तियां या तो गर्भगृह में रखी जाएंगी अन्यथा राम मंदिर परिसर में कहीं और स्थापित होंगी? इसके अतिरिक्त अयोध्या जनकपुर (नेपाल) के मध्य राम जानकी मार्ग नामक एक विशेष मार्ग भी प्रस्तावित है। रेल व वायु मार्ग से भी दोनों देशों के बीच धार्मिक पर्यटन को विकसित किये जाने के प्रस्ताव हैं। परन्तु यह सभी उपाय उस समय धरे के धरे रह जाते हैं जब जनता अपने देश तथा वहाँ के विकास से अधिक अपने देश के अन्य निजी मामलों में दूसरे देशों का दखल महसूस करने लगती है। हमें केवल पाकिस्तान व नेपाल ही नहीं बल्कि श्री लंका में भी पिछले दिनों हुई उथल पुथल व उनके कारणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिये। भारतीय नेतृत्व के समक्ष इन परिस्थितियों में सभी पड़ोसी देशों से सामंजस्य बनाये रखना बेशक एक बड़ी चुनौती है।

संसदीय समिति में आठ सदस्यों को शामिल करने पर विपक्षी दल नाराज

एक तरफ तो भारत अपनी आजादी के 75 वें वर्षगाठ पर अमृतकाल में अमृत महोत्सव मना रही है, वही दुसरी तरफ जी 20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। जी 20 शिखर कॉन्फ्रेंस का आयोजन होना प्रत्येक भारतवासीयों के लिए गर्व व गौरव की बात है। चाहे वह किसी विचारधारा या राजनीतिक दल के समर्थक हो। इन दिनों भारत की राजनीति में घटती घटनायें को लेकर सतापक्ष-विपक्ष एक दुसरे आरोप प्रत्यारोप लगाते है। जिससे कि भारत व भारतवासी के लिए शर्म की बात है। इसका जीता जागता प्रमाण लोकतंत्र के मन्दिर संसद के दोनो सदनों में सतापक्ष-विपक्ष की तीखी-नोक झोक के सदन की कार्यवाही का बहिष्कार, गांधी जी के प्रतिमा पर धरणा प्रदर्शन है। संसद के वर्तमान बजट सत्र के प्रथम चरण के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा संसद के संसदीय समितियों अपने नीजी स्टाफ को जगह दी है।

विनोद तकियावाला
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की राजनीति पर देश-विदेश में चिन्तन व चचार्ये हो रही है। एक तरफ तो भारत अपनी आजादी के 75 वें वर्षगाठ पर अमृतकाल में अमृत महोत्सव मना रही है, वही दुसरी तरफ जी 20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। जी 20 शिखर कॉन्फ्रेंस का आयोजन होना प्रत्येक भारतवासीयों के लिए गर्व व गौरव की बात है। चाहे वह किसी विचारधारा या राजनीतिक दल के समर्थक हो। इन दिनों भारत की राजनीति में घटती घटनायें को लेकर सतापक्ष-विपक्ष एक दुसरे आरोप प्रत्यारोप लगाते है। जिससे कि भारत व भारतवासी के लिए शर्म की बात है। इसका जीता जागता प्रमाण लोकतंत्र के मन्दिर संसद के दोनो सदनों में सतापक्ष-विपक्ष की तीखी-नोक झोक के सदन की कार्यवाही का बहिष्कार, गांधी जी के प्रतिमा पर धरणा प्रदर्शन है। संसद के वर्तमान बजट सत्र के प्रथम चरण के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा संसद के संसदीय समितियों अपने नीजी स्टाफ को जगह दी है। जिसके कारण विपक्ष के कान खडे हो गए। उपराष्ट्रपति द्वारा उठाये गए इस कदम को उन्होनें गैरकानूनी बताया। आप को बता दे कि विगत दिनों उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के द्वारा संसद के 12 संसदीय स्थायी समितियों और आठ विभागीय स्थायी समितियों में अपने 8 नीजी स्टाफ को जगह दी गई है। इनमें 8 स्टाफ में तो दो स्टाफ उनके रिश्तेदार और बेहद ही करीबी बताए गए हैं। विपक्ष का कहना है कि उनके निजी स्टाफ सदस्यों को 12 संसदीय स्थायी समितियों और आठ विभागीय स्थायी समितियों में रखे जाने के निर्णय को संस्थागत ध्वंस और गैरकानूनी करार दिया है।

उपराष्ट्रपति के स्टाफ में से संसदीय समितियों में लिए गए सदस्यों में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) राजेश एन. नाइक, निजी सचिव (पीएस) सुजीत कुमार, अतिरिक्त निजी सचिव संजय वर्मा और ओएसडी अभ्युदय सिंह शेखावत शामिल हैं। राज्यसभा के सभापति के कार्यालय से नियुक्त किए गए कर्मियों में उनके ओएसडी अखिल चौधरी, दिनेश डी, कौस्तुभ सुधाकर भालेकर और पीएस अदिति चौधरी हैं। इस संदर्भ में 2021 में तृणमूल कांग्रेस के सांसद महुआ मोइत्रा ने एक ट्वीट में यह दावा किया था कि तब धनखड़ जी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल का पद संभाल रहे थे। उन्होनें धनखड़ के परिवार के सदस्यों/रिश्तेदारों को बंगाल राजभवन में ओएसडी के तौर पर नियुक्त किया गया था। यदि मोइत्रा के दावे सही हैं, तो स्थायी समितियों में नियुक्त अभ्युदय सिंह शेखावत और अखिल चौधरी धनखड़ से संबंधित हैं। राज्यसभा सचिवालय के व विगत मंगलवार के आदेश में कहा गया है कि इन अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से जोड़ा गया है। सर्वविदित रहे कि भारत के उपराष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति भी होते हैं। इस घटना क्रम पर राज्यसभा के एक सांसद ने कहा कि इस तरह का कदम अभूतपूर्व है।

इसी शब्द का इस्तेमाल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने भी एक ट्वीट में किया था। सिंह ने लिखा, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्थायी समितियों में अपने कर्मचारियों की नियुक्ति की है। हां, यह अभूतपूर्व है, लेकिन इसके लिए दिया गया स्पष्टीकरण भी अनुचित है। क्या यह राज्यसभा के सभापति के राज्यसभा सचिवालय के मौजूदा कर्मचारियों के प्रति अविश्वास को नहीं दशार्ता है?द हिंदू के अनुसार, सभापति सचिवालय के एक अधिकारी ने कहा कि यह कदम कई वजहों से उठाया गया है। उन्होंने कहा, हाल ही में सभापति के निर्देश पर लाइब्रेरी, रिसर्च, इस एकतरफा कदम से होने वाला कोई फायदा नजर नहीं आता। ये राज्यसभा की स्थायी समितियां हैं न कि सभापति की स्थायी समितियां। रमेश राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) भी हैं। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस समाचार पत्र से कहा कि उन्होंने धनखड़ के साथ इस मुद्दे को उठाने का सोचा है क्योंकि राज्यसभा की सभी समितियों में पहले से ही सचिवालय से लाए हुए सक्षम कर्मचारी हैं। कांग्रेस के लोकसभा सांसद मनीष तिवारी ने भी इस कदम की आलोचना करते हुए ट्विटर पर लिखा, भारत के उपराष्ट्रपति राज्यों की परिषद के पदेन अध्यक्ष होते हैं, न कि उपसभापति या उनके पैनल की तरह सदन का सदस्य वे कैसे अपने निजी स्टाफ को संसद की स्थायी समितियों में नियुक्त कर सकते हैं? क्या यह संस्थागत विध्वंस के समान नहीं होगा?

नाम न छापने की शर्त पर एक सेवानिवृत्त सेक्रेटरी जनरल ने द हिंदू से कहा कि प्रत्येक समिति को एक संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी देखते हैं, जो किसी भी घटनाक्रम के बारे में, जब भी जरूरी हो, सेक्रेटरी जनरल को सूचित करते थे। सेक्रेटरी जनरल अपनी ओर से सभापति को जानकारी देते थे। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण बात यह है कि समिति के अध्यक्ष संसद के प्रति जवाबदेह और समिति के कामकाज के लिए जिम्मेदार हुआ करते थें। उन्होंने जोड़ा, यहां सवाल उठना लाजमी है कि जब पहले से ही एक मौजूदा तंत्र है, जो सुचारू रूप से काम करता है तो कर्मचारियों की अतिरिक्त मंडली लाने की क्या जरूरत है। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने भी धनखड़ के द्वारा लिये गए इस कदम की आलोचना की है। उन्होंने इसे एक अवैध बताया और कहा कि यह उपराष्ट्रपति द्वारा सत्ता के दुरुपयोग का एक उदाहरण है। हमाराइतिहास इस बात साक्षी है कि जब कोई राजनीतिक दल सता के सिंघासन पर आसीन होता है वह भी जब वह संसद के दोनो सदन स्पष्ट बहुमत में हो। ऐसे में सतापक्ष शासन व सिंधासन को अपने हिसाब से चलाता है। चाहे विपक्ष कितना भी विरोध क्यूं ना करें!

लाड़ली बहना योजना : महिला सम्मान को समर्पित शिवराज सरकार

निलय श्रीवास्तव

प्रखर चिंतक स्वामी विवेकानंद कहते थे कि-जहाँ बेटियों की शिक्षा पूरी होती है, वहाँ का समाज विकसित होता है। जहाँ महिलाओं का सम्मान होता है वहाँ देवता वास करते हैं। विवेकानंद जी हमेशा ही नारी को सबल और शिक्षावान बनाने की पहल करते और कहते थे कि नारी को शिक्षा के साथ इतना सहारा दिया जाये जिससे कि वह स्वयं अपने जीवन का निर्माण कर सके। विवेकानंद का यह प्रयास आगे चलकर महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ। मध्यप्रदेश अनुमानतः देश का पहला ऐसा राज्य बन चुका है जहाँ बेटियों के सवार्गीण विकास के लिए कन्या विवाह योजना के साथ ही महिलाओं को सम्मान देकर उन्हें सहारा देने के लिए, आत्मबल देने के लिए, अनेक कार्यक्रम और योजनायें चलायीं जा रही हैं। प्रसंगवश कहना चाहूंगा कि वर्ष 2007 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली लक्ष्मी योजना की अभिनव पहल की थी। शुरू में धीरे लेकिन लम्बे अंतराल के बाद इसके सुखद तथा आश्चर्यजनक परिणाम सामने आये हैं। इसकी व्यापकता, लोकप्रियता का ही असर है कि प्रदेश के लिंगानुपात में अब सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। प्रदेश में बालिकाओं की आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने के लिये कन्यादान, लाड़ो, सुकन्या समृद्धि जैसी कल्याणकारी योजनायें संचालित हो रही हैं। इन योजनाओं के दूरगामी परिणाम तथा सफल क्रियान्वयन के बाद अब मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना आरम्भ हो रही है। सामाजिक विषयों पर पैनी नजर रखने वालों का स्पष्ट मानना है कि यह योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी तथा इससे प्रदेश की महिलाओं को आत्मबल के साथ सहारा भी मिलेगा। लाड़ली बहना योजना से समाज को एक नया संदेश मिलेगा। शहरों के साथ ग्रामीण इलाकों में एक नयी ऊर्जा का संचार भी होगा। अपने जन्मदिन 5 मार्च को इस योजना की शुरूआत करने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान काफी उत्साहित हैं, उनका संकल्प उनके शब्दों में व्यक्त होता है। शिवराज सिंह चौहान के शब्दों में लाडली बहना योजना से महिलाओं के जीवन में व्यापक परिवर्तन आयेगा। मैं जब बेटियों-बहनों के साथ भेदभाव होते देखता तो मेरे मन में वेदना होती, सार्वजनिक जीवन में सक्रियता के साथ ही मेरा यह प्रयास रहा कि बेटियों को बोझ नहीं समझा जाये, महिलाओं का अपमान न किया जाये। बेटी को बोझ नहीं वरदान समझा जाये। मेरी बहनें मेरे लिये दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी हैं। मैने सभी शराब दुकानों के अहाते बंद करने का निर्णय इसलिये लिया है ताकि मेरी बहन इज्जत और मान-सम्मान से जियें तभी मेरा मुख्यमंत्री बनना सफल होगा। श्श शिवराज सिंह चौहान आरम्भ से ही स्त्रीत्व के सम्मान, सुरक्षा और उनके सामाजिक-आर्थिक विकास के लिये प्रतिबद्ध रहें हैं। समय की सीढ़ियाँ चढ़ते हुए वे इस दिशा में लगातार चिंतन मनन करने के साथ अपनी सोच और विचार को धरातल पर उतारते रहे हैं। हम इस बात को दावे के साथ कह सकते हैं कि बतौर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने डेढ़ दशक से अधिक लम्बे कार्यकाल के दौरान बेटियों की दुनिया में मुस्कान बिखेरी है। मध्यप्रदेश में डेढ़ दशक पहले महिलाओं की स्थिति बहुत कमजोर होती थी। उनके लिए कभी कोई सरकारी योजना या कार्यक्रम नहीं चलायें जाते थे। आलम यह था कि न बेटियों को पढ़ने के बेहतर अवसर मिलते थे, न रोजगार उपलब्ध हुआ। चूल्हे के धुएँ सी धुंधली जिंदगी थी प्रदेश की महिलाओं की। तस्वीर तब बदली जब वर्ष 2005 में शिवराज सिंह चौहान के रुप में प्रदेश को ऐसा मुख्यमंत्री मिला जो खुद को सी.एम. कहलाने से ज्यादा मामा कहलाना पसंद करता है। बीते सालों में यही उनकी पहचान भी बनी। प्रदेश की हर एक बेटी और उन सभी भांजियों के प्रिय मामा बने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान। प्रदेश में महिला स्वावलम्बन की दिशा में नवाचार अपनाते हुए पिछले डेढ़ दशक के दौरान अनेक योजनाओं को लागू करवाया। कुछ प्रदेश स्तर पर तो कुछ योजनायें राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय हुयीं। इस दिशा में लगातार प्रयासरत रहने के लिये शिवराज सिंह चौहान प्रशंसा के पात्र हैं। स्वयं की कोशिशों और निजी

मोदी दुनिया में देश का नाम कर रहे हैं, तो कुछ लोग देश को बदनाम कर रहे हैं: राहुल पर योगी का निशाना

लखनऊ, एजेसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यंमंत्री योगी आदित्यगनाथ ने रविवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बिना लंदन में दिये उनके बयान की आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक तरफ वैश्विक मंचों पर भारत का दबदबा बढ़ रहा है तो दूसरी तरफ कुछ लोग दूसरे देशों में जाकर भारत की आलोचना कर रहे हैं। रविवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बशारतपुर-प्रथम शक्ति केंद्र पर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, ह्वभारत के लोकतंत्र को कोसने वाले ये वही लोग हैं जो मौका मिलने पर स्वयं लोकतंत्र का गला घोंटने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते हैं। मोदी दुनिया में देश का नाम कर रहे हैं तो कुछ लोग देश को बदनाम करने में जुटे हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार भाजपा शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में जाकर देश की आलोचना करने वाले वही लोग हैं जो केरल में रहते हैं तो उत्तर प्रदेश की बुराई करते हैं और दिल्ली में रहते हैं तो केरल की। योगी ने कहा, ह्व इन चेहरों को पहचानने की जरूरत है, ये देश के सुदृढ़ लोकतंत्र को कमजोर करना चाहते हैं, इनकी खानदानी विरासत ही ह्यबांटो और राज करोह्व की विभाजनकारी राजनीति की रही है। इनकी विभाजन की मानसिकता और इनके षड्यंत्र को सफल नहीं होने देना है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपनी बात रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 8-9 वर्षों में हासिल देश की उपलब्धियां

नए भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं तथा राष्ट्रपति के अभिभाषण में देश की उपलब्धियों और भावी योजनाओं की सुनहरी तस्वीर है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में भारत दुनिया को राह दिखाने वाला देश होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में इसकी गूंज को अंगीकार कर जन जन तक पहुंचाने का दायित्व सभी कार्यकताओं पर है। योगी ने जी-20 की चर्चा करते हुए कहा कि जी-20 का नेतृत्व मिलना भारत के सामर्थ्य को प्रदर्शित करता है, वैश्विक मंच पर भारत की शक्ति की यशोगाथा दुनिया गा रही है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान केवल अधिकार ही नहीं बताता बल्कि कर्तव्यों का भी एहसास कराता है। मुख्यमंत्री ने केन्द्रअ और राज्यत की डबल इंजन सरकारों की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि सरकार विपत्ति में भी नागरिकों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी रही। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट में मुफ्त जांच, मुफ्त इलाज, मुफ्त वैक्सीन और मुफ्त राशन की सुविधा दी गई। मुख्यमंत्री के संबोधन के पहले चार कार्यकताओं ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के अभिभाषण का वाचन किया और उपस्थित कार्यकताओं के साथ योगी ने भी संपूर्ण अभिभाषण को सुना।

अल-अव्वल हिजामा एंड हैल्थ सेंटर का उद्घाटन

गरीब एवं असहाय मरीजों को रहेगी विशेष छूट:डॉक्टर मुबास्सिर अहमद

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा। मौहल्ला मुस्लिम चौधरियन में अल-अव्वल एंड हैल्थ सेंटर और कपिंग थैरेपी सेंटर का एक यादगार और शानदार उद्घाटन हुआ।अल--अव्वल हिजामा एन्ड हैल्थ सेंटरह्व का उद्घाटन पूर्व प्रभारी बसपा हाजी मौहम्मद इलियास, वरिष्ठ समाजसेवी चौधरी फहीम उर रहमान तथा सैयद मौहम्मद आलम पूर्व तहसीलदार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।इस अवसर पर अल-अव्वल हिजामा एंड हैल्थ सेंटर के डायरेक्टर डॉक्टर मुबास्सिर अहमद उर्फ अनस ने बताया कि जो व्यक्ति ब्लड प्रेशर, दाद ,खाज,गठिया, हृदय रोग, किडनी,लिवर,पेट मोटापा ,पेट सम्बंधित रोगों ,कोलेस्ट्रॉल, खून की कमी बालो का झड़ना, एंटी एजिंग सॉल्यूशन,दाग धब्बे तथा किसी भी तरह के हार्मोन से होने वाली बीमारियों की समस्याओं से जूझ रहे हैं हमारे यहां इन समस्याओं तथा बीमारियों का इलाज उचित दरों पर किया जाएगा तथा गरीब मरीजों को विशेष छूट रहेगी। मेरा अपने नगर में इस तरह का सेंटर खोलने का मकसद है कि हिजामा के लिए अब हमारे नगर वासियों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा।जिससे उनके समय की बचत होगी और फालतू खर्च नही होगा।जिससे उन्हें बहुत बड़ी राहत मिलेगी।आपको बताते चलें कि डॉक्टर मुबास्सिर अहमद उर्फ अनस और मुशीर अहमद उर्फ समीर दोनों भाई व्यवहार कुशल और मिलनसार व्यक्ति है चिकित्सा क्षेत्र के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी दिल खोल कर समाज सेवा कर रहे हैं उनकी इस कार्यशैली से समाज में उनकी भूरी भूरी प्रशंसा हो रही है।इस अवसर पर हाजी मौहम्मद हसन उर्फ मुन्ने, असजद चौधरी, दानिश चौधरी,डॉक्टर रिजवाल अहमद अंसारी, डॉक्टर रईस अहमद, मौहम्मद असद चौधरी,खालिद चौधरी, राशिद पहलवान,वली रहमान, शाकिर घोसी पूर्व सभासद, मौहम्मद आजम, डॉक्टर अदनान उस्मान, नोशाद खान,चौधरी तनवीर अहमद अध्यक्ष यूथ वेलफेयर सोसाइटी , शानू शेख, सैयद मुनीर अहमद, इंजीनियर मौहम्मद अदनान , मुस्तकीम अहमद पूर्व सभसाद, मुशीर अहमद उर्फ,समीर अकबर आदिल, दाऊद अहमद, मौहम्मद आलिम आदि सहित सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

जलभराव से कई गांवों के लोगों का आवागमन दूभर

गंगेश्वरी। विकासखंड के गंगाचोली गांव में श्यामपुरी लिंक मार्ग पर जलभराव की वजह से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि शिकायत के बाद भी अधिकारी समस्या का समाधान नहीं करा पा रहे। ग्रामीणों का कहना है कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने की वजह से घरों का गंदा पानी सड़क पर भरा हुआ है। इस रास्त स होकर कई गांवों के लोग गुजरते हैं। लंबे समय से पानी भरा होने से बीमारी की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब की खुदाई होने से समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा। धर्मपाल, सुरेंद्र तहसीन, सतपाल, खेतल शीशपाल, समरपाल ने जिलाधिकारी से मांग करते हुए कहा कि गांव में तालाब की खुदाई कराई जाए। इससे जहां भूगर्भ जलस्तर में वृद्धि होगी, वहीं गांव का गंदा पानी भी यहां एकत्र हो सकेगा। जिससे जल भराव की समस्या से निजात मिल जाएगी।

आवारा पशु की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

नौगांवा सादात। बिजनौर जनपद के ग्राम गल्ला खेड़ी थाना स्योहारा निवासी राजवीर सिंह का बेटा गौरव कुमार यादव उम्र 24 वर्ष शनिवार रात्रि 10 बजे उमरी चौराहा से अपने गांव गल्ला खेड़ी जा रहा था। ग्राम कुमखिया आलमपुरी के बीच किसी आवारा पशु ने तेजी से सड़क पार करते समय गौरव कुमार की बाइक आवारा पशु से टकरा गई और अनियंत्रित होकर रोड पर गिर गई रोड पर गिरने से गौरव कुमार के सर में काफी चोट आई और वह बेहोश होकर गिर गया। वहीं के रहने वाले ग्रामीणों ने कुमखिया पुलिस चौकी को सूचना दी।ग्रामीणों ने युवक को पहचान लिया और उसके घर पर सूचना दे दी।परिजन मौके पर आ गए और गौरव को इलाज के लिए मुरादाबाद अस्पताल ले जा रहे थे।अस्पताल पहुंचने से पहले ही गौरव ने रास्ते में दम तोड़ दिया और आखिरी सांस ली अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों की टीम ने उसे मृत घोषित कर दिया।परिजन डेड बॉडी को लेकर कुमखिया चौकी पर आ गए।पुलिस ने पंचनामा भरकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में पथराव, पांच घायल

नौगांवा सादात।थाना क्षेत्र के ग्राम बिलना में राजू सैनी इशरत अली सैफी का परिवार रहता है दोनों ही परिवारों के घर आमने-सामने हैं इन दोनों परिवारों में लगभग 1 वर्षो से पुरानी रंजिश चली आ रही है आए दिन विवाद होता रहता है 17 अट्ठारह फरवरी की रात को राजू सैनी की पत्नी ने इशरत अली सैफी पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था और थाने में थाना प्रभारी को तहरीर दी कोई कार्यवाही ना होने के बाद 19 फरवरी को राजू सैनी की पत्नी प्रेमा सैनी पुलिस अधीक्षक आदित्य लाग्हे के समक्ष पेश होकर आपबीती सुनाई थी।पुलिस अधीक्षक के आश्वासन पर थाना प्रभारी संत कुमार ने दोनों पक्षों को बैठाकर समझौता करा दिया था।लेकिन रविवार सुबह 10:00 बजे दोनों परिवारों में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई और देखते ही देखते दोनों परिवारों में ईट पत्थर बरसने लगे इस घटना में इशरत अली सैफी की बेटी आशिया गंभीर रूप से घायल हो गई।इशरत अली घर पर नहीं थे तब उनकी पत्नी रुखसाना अपनी पुत्री आशिया को घायल अवस्था में लेकर नौगांवा सादात थाने पहुंची और प्रेमा सैनी पत्नी राजू सैनी अरुण वह मनोज पुत्र राजू सैनी के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।पुलिस ने घायल आशिया को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया।दूसरे पक्ष से राजू सैनी भी घर पर नहीं था वह शादी में बिजनौर जिले के किसी गांव में हलवाई का काम करने गया था।दूसरे पक्ष से राजू की पत्नी प्रेमा सैनी, अरुण मनोज मुकबदिर अंजली उम्र 12 वर्ष घायल हो गए। प्रेमा सैनी ने रुखसाना पत्नी इशरत अली, आशिया,आसिफा,साजिया व अर्स पुत्र इशरत अली इशरत अली के खिलाफ तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की।

ताईक्वांडो चैम्पियनशिप मौहम्मद उमर हाशमी कालेज में सम्मानित

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। भारत व कोरिया के ताईक्वांडो में 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में दिल्ली के इन्दिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित ताईक्वांडो चैम्पियनशिप में अमरोहा के होनहार मौहम्मद उमर ने स्वर्ण पदक जीतकर जनपद का नाम रौशन किया है।रविवार को हाशमी कालेज पहुंचने पर हाशमी एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉ सिराजुद्दीन हाशमी एडवोकेट द्वारा मौहम्मद उमर को कॉलेज मोमेंटो व मेडल पहनाकर सम्मानित किया तथा भविष्य में भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।अवगत करा दें कि दिल्ली के इन्दिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 24 से 26 फरवरी के बीच आयोजित हुई ताईक्वांडो चैम्पियनशिप में स्पोर्टस एथोरिटी आफ इण्डिया द्वारा अमरोहा से मौहम्मद उमर का चयन किया गया था। जिसमें मौहम्मद उमर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर अपने परिजनों व शहर का नाम रौशन किया है।नगर के मौहल्ला मुल्लाना

निवासी शहजाद आलम के पुत्र मौहम्मद उमर के इस प्रदर्शन से जिलेभर में खुशी का माहौल है।रविवार को हाशमी डिग्री कालेज पहुंचने पर मौहम्मद उमर का हाशमी एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमेन डा0 सिराज उद्दीन हाशमी एडवोकेट द्वारा कालेज प्रतीक चिन्ह व मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को उजागर कर रहे हैं।आज के युवा ही आने वाले कल का भविष्य हैं।उन्होंने मौहम्मद उमर के प्रदर्शन पर खुशी जताते भविष्य में भी शानदार प्रदर्शन कर अपने माता-पिता का नाम रौशन करने की अपील की तथा अन्य छात्राओं से भी खेलों के क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया।उन्होंने मौहम्मद उमर के कोच मास्टर अकबर उद्दीन मुगल की भी प्रशंसा करते कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में अमरोहा के युवा ताईक्वांडो के क्षेत्र में दिन प्रतिदिन शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।कालेज प्राचार्या डा0 रिजवाना कुलसुम ने कहा कि खेलों में भाग लेने से छात्राओं का मानसिक विकास के साथ शारीरिक विकास भी होता है तथा इससे उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना भी जागृत होती है। हमें पढ़ाई के साथ साथ खेलों पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने अन्य छात्राओं से खेलों में प्रतिभाग करने की अपील की। इस अवसर पर कालेज का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

जिलापंचायत अध्यक्ष ने किया डीपीआरसी भवन निर्माण कार्य का लोकार्पण

भाजपा सरकार मे बह रही विकास की धारा:ललित तवंर

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। जिला पंचायत अध्यक्ष चौ० ललित तंवर ने जिला पंचायत अमरोहा द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से ब्लॉक गजरौला के ग्राम मझौला में 2,08,00,000 रुपये की लागत से DPRC (District Panchayat Resource Center) भवन निर्माण कार्य का लोकार्पण गणमान्य अतिथियों और कार्यकताओं की गरिमामय उपस्थिति में किया। जिसमें जनपद के समस्त विभागों के अधिकारियों कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिलाने का कार्य किया जायेगा।इस अवसर पर ना जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर जी के साथ जिला पंचायत सदस्यगण,वीरेन्द्र चौधरी ब्लॉक प्रमुख गजरौला आयूष चौधरी,विचित्र भाटी, अजीत चौधरी, अन्य क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।तत्पश्चात जिला पंचायत अध्यक्ष चौ० ललित तंवर ने वित्तिय वर्ष 2022-23 में 15वां वित्त आयोग

योजनान्तर्गत ब्लाक गजरौला के ग्राम सालारपुर में बलवीर सिंह के मकान से सन्तरपाल सिंह के खेत की और नाला निर्माण एवं ब्लॉक गजरौला के ग्राम चौहड़पुर में श्री ब्रह्मपाल के मकान से कमल के मकान तक सी०सी० व नाली निर्माण कार्य का लोकार्पण कर क्षेत्रिय जनता को समर्पित किया।इस अवसर पर मा. अध्यक्ष के साथ चौधरी चरन सिंह चौधरी शिवचरन सिंह,सतेन्द्र सिंह, अजीत चौधरी, अरुण चौधरी, चौधरी जन्म सिंह, योगेश, भगवान सिंह सैनी, कमल सिंह सैनी व अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे।उसके बाद गजरौला नगर में प्रदीप गुर्जर (मण्डल उपाध्यक्ष गजरौला, युवा मौर्चा आजपा) के आवास पर पहुंचकर उनकी पूजनीय माता जी स्व. श्रीमति मुन्नी देवी जी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार का ढांढस बंधाया।इस समय मा. अध्यक्ष जी के साथ जिला पंचायत सदस्य पति श्री पिन्टू भाटी, पवनीत दिवाकर, ठाकुर भगवन्त सिंह, मोअज्जम अली, हेम सिंह आर्य व अन्य नगर वासी मौजूद रहे।

दो नाबालिग बच्चों के हवस की भेंट चढ़ी 10 साल की मासूम, खेत में ले जाकर किया घिनौना काम

लखनऊ, एजेसी

संभल जिले के जुनावई थाना क्षेत्र में कथित तौर पर करीब 12 वर्षीय दो बच्चों द्वारा 10 वर्षीय नाबालिग बच्चौ के साथ दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार संभल के जुनावई थाना क्षेत्र में दो नाबालिग बच्चों (12) ने एक 10 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस पीड़िता को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए ले गयी जबकि दोनों बाल अपचारियों को किशोर न्यायिलय में पेश करेगी। संभल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) चक्रेश मिश्रा ने बताया कि जुनावई थाने को शनिवार को 10 वर्षीय लड़की के परिजनों ने सूचना दी कि उनकी लड़की के साथ दो दिन पहले दो बच्चों ने साथ साथ खेलते-खेलते खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया। मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने पीड़ित लड़की का मेडिकल चिकित्सा परीक्षण करा कर सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और साथ ही दोनों बाल अभिचारी का चालान कर उन्हें किशोर न्यायालय भेजा जा रहा है।

भाजपा राज में भ्रष्टाचार चरम पर, लोकतंत्र की हानि : शिवपाल

लखनऊ, एजेसी

समाजवादी पार्टी (सपा) महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकाल में लोकतंत्र की हानि हुयी है। श्री यादव ने रविवार को यहां जिला पंचायत आवास पर पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि आगामी निकाय चुनाव के साथ-साथ कॉआपरेटिव चुनाव की तैयारियों में उनका संगठन जुटा हुआ है। वह लगातार कार्यकताओं से मेल मुलाकात कर रहे हैं। उनकी समस्याएं सुन रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्वबहुत ही जल्दी निकाय चुनाव आने वाले हैं फिलहाल मै अभी कॉआपरेटिव चुनाव में सक्रिय हो पार्टी जनों के बीच जा रहा हूं। हमने जिस ढंग से अपनी तैयारी की हुई है उस तरह से कोऑपरेटिव के चुनाव में समाजवादी पार्टी को खासी कामयाबी हासिल होगी और भारतीय जनता पार्टी को समय आने पर करारा जवाब मिल जाएगा। श्री यादव ने कहा कि ईडी और सीबीआई के छापे केवल विपक्ष के नेताओ के यहां ही पड़ रहे है भारतीय जनता पार्टी में लोकतंत्र नाम की कोई भी चीज नहीं बची है केवल विपक्षी नेताओं पर ही छापे पड़ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के लोगों में लोकतंत्र कतई नहीं बचा है। लालू परिवार पर छापेमारी को लेकर शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओ को केवल विपक्ष के लोग ही घोटालेबाज, बेईमान सब कुछ दिख रहे है जबकि हकीकत में भाजपा के नेता से बड़ा कोई भ्रष्टाचारी नहीं है, आज भाजपा का कोई भी नेता ईमानदार नही लगता है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव से डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के जवाब मांगने के सवाल पर शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक केवल विज्ञापनों में रहते हैं, सर्दियों में एक अस्पताल में गए थे एक मरीज को सर्दी लग रही थी तब आधी बांह वाली सदरी पहनाई थी, इतनी भयानक ठंड में क्या सर्दी बची होगी, सभी मरीज देखते रह गए, एक डिप्टी चीफ मिनिस्टर केवल विज्ञापनों में रहना चाहते हैं और ऐसा काम करते हैं। इटावा में कोऑपरेटिव चुनाव को लेकर सपा राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव सक्रिय हो गए है। इटावा औरैया की 139 समितियों पर समाजवादी पार्टी कब्जा जमाने की तैयारी में जुट गई है। शिवपाल शहर के इटावा जिला पंचायत आवास पर बैठक करने पहुंचे जहा पर कोऑपरेटिव चुनाव को लेकर के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इटावा-औरैया में 139 समितियों का 14 मार्च को चुनाव होना है। 19 मार्च को कोऑपरेटिव समितियों का चुनाव स्मपन्न होना है। शिवपाल सिंह इस चुनाव में भी अपना दबदबा कायम रखने के लिए कोऑपरेटिव समितियों के चुनाव में बहुत ही सुनियोजित तौर पर रणनीति कर रहे हैं।

आप ने हाउस टैक्स हाफ, वाटर टैक्स माफ नारे के साथ 633 निकाय सीटों पर प्रभारी घोषित किये

लखनऊ, एजेसी

आम आदमी पार्टी (आप) ने शहरी मतदाताओं को लुभाने के लिए रविवार को ह्वहाउस टैक्स हाफ, वाटर टैक्स माफह्व नारे के साथ उत्तर प्रदेश में होने वाले शहरी स्थानीय निकाय चुनाव के लिए 633 सीटों पर अपने प्रभारियों की घोषणा की है। उत्तउर प्रदेश में करीब 762 नगर निकाय हैं जिनमें 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद और बाकी नगर पंचायतें हैं। उत्तयर प्रदेश के प्रभारी और राज्य सभा सदस्यन संजय सिंह ने रविवार को लखनऊ में ह्वहाउस टैक्स हाफ, वाटर टैक्स

माफह्व के नारे के साथ 633 सीटों के लिए प्रभारियों के नामों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव में आरक्षण के लिए ओबीसी कमेटी ने अपनी रिपोर्ट दे दी है जिसे उत्त र प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल ने भी मंजूरी दे दी है और आप को उम्मीद है कि जल्द ही सरकार चुनाव की तारीखों की घोषणा करेगी। सिंह ने आगे कहा कि आप उत्तर प्रदेश की हर सीट पर चुनाव लड़ेगी और जनता के बीच पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि आप जनता कहेगी कि अपने शहरों को साफ करने का उसे मौका दे। आप पार्टी ने 2022 में उप्र विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन जीत हासिल करने में विफल रही। अब आप स्थानीय निकाय चुनावों में जीत के लिए राज्य में अपना प्रभाव बनाने की कोशिश कर रही है। सिंह ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने पार्टी को मौका दिया और पार्टी ने उन्हें एक स्वच्छ शहर, मोहल्ला क्लीनिक और बेहतरीन शिक्षा प्रणाली दी और यहां तक कि पंजाब सरकार भी दिल्ली मॉडल पर काम कर रही है।सिंह ने कहा, ह्यकोई जल कर नहीं होगा और हर उस स्थानीय निकाय अध्यक्ष की सीट पर हाउस टैक्स घटाकर आधा कर दिया जाएगा, जिसे आप जीतेगी, जैसा कि हमारे नारे में वादा किया गया है।ह्व उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए सरकार द्वारा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विपक्षी नेताओं को जेल में बंद कर रही है और दूसरी ओर ओसामा बिन लादेन के समर्थकों को खाना खिला रही है।

मजदूर की गला दबाकर हत्या,गेहूं के खेत में मिला शव

प्रात: किरण संवाददाता

नौगांवा सादात।थाना क्षेत्र के बांसखेड़ी गांव में घर से गायब मजदूर सलीम (45) की गला दबाकर हत्या कर दी गई। उसके शरीर पर चोटों व नील के निशान मिले। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट की टीम ने सबूत जुटाए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।गांव में अपंजीकृत डॉ. छोटे का परिवार रहता है। उनका 45 वर्षीय बेटा सलीम के परिवार में पत्नी जरीना के अलावा चार बेटे और एक बेटी है।पत्नी जरीना अपने बच्चों के साथ तीन महीने पहले तमिलनाडु गई थी और यहीं मजदूरी करती है।सलीम घर पर अकेला रहता था, वह भी रोजमर्रा की मजदूरी कर अपना पालन पोषण करता था।गांव में ही रहने वाली शादीशुदा बहन नूरजहां के पास खाना खाता था।शनिवार की सुबह

सलीम घर से अचानक लापता हो गया।काफी तलाश करने के बाद भी उसका सुराग नहीं लगा।रविवार की सुबह गांव से करीब 100 मीटर दूर उत्तर की दिशा में स्थित करीब सेठ के गेहूं के खेत में सलीम का शव पड़ा मिला। उन्हें गला दबाकर हत्या की गई थी।नाक और मुंह से खून बह रहा था।जबकि शरीर पर चोट के निशान मिले। शरीर पर जगह-जगह नील के निशान भी पाए गए। थोड़ी देर में लोगों की भीड़ जमा हो गई।सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर संत कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। एएसपी राजीव कुमार सिंह के निर्देश पर फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट की टीम ने घटनास्थल पर सुबूत जुटाए। सीओ सतीश चंद पांडेय ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। बाद में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजनों की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जल्द ही घटना का पदार्फाश कर दिया जाएगा।गांव से करीब 200 मीटर दूर जिस गेहूं के खेत में मृतक सलीम का शव मिला था। उसकी एक दिन पहले ही सिंचाई की गई थी। घटनास्थल को देखने के बाद ऐसा प्रतीत हो रहा है कि हत्या आरोपियों और मृतक सलीम के बीच संघर्ष हुआ था। ये भी आशंका जताई जा रही है कि हत्यारोपी करीब दो से तीन रहे होंगे।

मा. उप राष्ट्रपति ने किया आयुर्वेद पर्व एवं एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) प्रदर्शनी का उद्घाटन

● मा0 उप राष्ट्रपति, मा0 राज्यपाल व मा0 मुख्यमंत्री ने किया ओडीओपी प्रदर्शनी का अवलोकन ● भारत में हो रहे अकल्पनीय विकास कार्य–मा0 उप राष्ट्रपति ● प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने कोरोना महामारी का किया सफलतापूर्वक मुकाबला–मा0 उप राष्ट्रपति ● लोगो का रूझान पाश्चात्य पद्धति से हटकर बढ रहा आयुर्वेद की तरफ–मा0 राज्यपाल ● केन्द्र व प्रदेश सरकार आयुर्वेद एवं परंपरागत औषधियो को प्रोत्साहन देने के लिए पूर्ण रूप से समर्पित–श्रीमती आनंदी बेन पटेल ● मेरठ अन्नदाता के पुरूषार्थ व देश की आजादी के प्रथम स्वातंत्र्य समर का उद्घोष करने वाली क्रांति धरा–मा0 मुख्यमंत्री ● चौ0 चरण सिंह जी किसानो के मसीहा, उन्हीं के नाम पर विश्वविद्यालय स्थापित–मा0 मुख्यमंत्री ● चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय को नैक मूल्यांकन में मिली ए प्लस प्लस ग्रेडिग, विश्वविद्यालय सहित प्रदेश के लिए गौरव की बात–मा0 मुख्यमंत्री

मेरठ (गौरव जैन)। अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन एवं प्रादेशिक आयुर्वेद सम्मेलन उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय आयुर्वेद पर्व एवं ओडीओपी प्रदर्शनी का उद्घाटन मा0 उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी सुदेश धनखड़, मा0 राज्यपाल महोदया श्रीमती आनंदी बेन पटेल, मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ जी भी उनके साथ उपस्थित रहें। मा0 उप राष्ट्रपति, मा0 राज्यपाल महोदया व मा0 मुख्यमंत्री जी ने एक जिला एक उत्पाद प्रदर्शनी का अवलोकन किया। छात्राओ द्वारा धनवंतरी वंदना की गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ एवं समापन राष्ट्रगान से किया गया।

आयुर्वेद सम्मेलन की चर्चा करते हुये मा0 उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी ने कहा कि विश्व में भारत का डंका बजेगा तो इसी सांस्कृतिक विरासत की वजह से। उन्होने कहा कि हमारे आगे जो युवा शक्ति है वो तय करेगी कि भविष्य में हमारे देश की तस्वीर क्या होगी। उन्होने कहा कि आज लाईफ स्टाईल डिजीज की बात होती है इसमें आयुर्वेद और परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां बहुत प्रभावी है। भारत विश्व का सबसे बडा लोकतंत्र है तथा यह लोकतंत्र की जननी भी है। आज के दिन भारत कहां है जो कभी सोचा नहीं था जिसकी कल्पना नहीं थी वो सब आज भारत में हो रहा है, भारत बदल गया है। भारत आज दुनिया का सबसे ज्यादा कार्यात्मक प्रजातंत्र है।

मा0 प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में देश ने सफलतापूर्वक कोविड जैसी महामारी का मुकाबला किया, जिसकी पूरे विश्व में प्रशंसा हुयी। कोरोना वैक्सीन का देश में निर्माण किया गया तथा 220 करोड वैक्सीन की खुराके दी गयी तथा उनकी डिजीटल मैपिंग की गयी। भारत सरकार द्वारा पहली बार बडी आबादी को मुफ्त गैस कनेक्शन बांटे गये। उन्होने कहा कि हमारी योग्यता का लोहा दुनिया मान चुकी है। आज वैश्विक घटनाक्रम पर इंतजार किया जाता है कि भारत क्या बोलेगा। मा0 राज्यपाल महोदया श्रीमती आनंदी बेन पटेल जी ने कहा कि वर्तमान समय में उ0प्र0 में दूसरा आयुर्वेद सम्मेलन मेरठ में आयोजित हो रहा है यह सम्पूर्ण पश्चिमी उ0प्र0 के लिए गर्व की बात है। भारत में ऋषि एवं संन्यासियो की लंबी परंपरा रही है जिन्होने स्वयं अपनी स्वदेशी स्वास्थ्य सेवाओ का तंत्र विकसित किया। उन्होने कहा कि भारत आयुर्वेद का मूल स्थल है, हजारो वर्षो से स्वस्थ जीवन का मार्गदर्शक रहा है। वर्तमान में आयुर्वेद की लोकप्रियता में वृद्धि हो रही है। कोरोना काल में आयुर्वेद के महत्व को परखा, समझा गया है। आयुर्वेद चिकित्सा के सभी ग्रंथो का पुनः मूल्यांकन करना आधुनिक परिप्रेक्ष्य में बहुत आवश्यक है। सरकार ने धनवंतरी त्रयोदशी को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाने का निर्णय कर आयुर्वेद को विशेष पहचान दी है। लोगो का रूझान पाश्चात्य पद्धति से हटकर आयुर्वेद की तरफ बढ रहा है। विश्व में आयुष पद्धति की लोकप्रियता में निरंतर वृद्धि हो रही है। केन्द्र व प्रदेश सरकार आयुर्वेद एवं परंपरागत औषधियो को प्रोत्साहन देने के लिए पूर्ण रूप से समर्पित है।

मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ जी ने कहा कि मेरठ पौराणिक व ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की धरा है। उन्होने कहा कि मेरठ में स्थित हस्तिनापुर ने ही महाभारत की नींव रखी और एक नये इतिहास का सृजन किया था। मेरठ अन्नदाता के पुरूषार्थ तथा देश की आजादी के प्रथम स्वातंत्र्य समर का उद्घोष करने वाली क्रांति धरा है। भारत के वैद्यो ने विषम परिस्थितियो का सामना करते हुये अत्यंत प्रशंसनीय कार्य किये है। भारत की परंपरागत चिकित्सा पद्धति पिछले 09 वर्ष के अंदर तीव्र गति से बढी है, इसका श्रेय देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी को जाता है।

उन्होने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी ने पहली बार परंपरागत चिकित्सा पद्धतियो, आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्धा तथा होम्योपैथी को लेकर आयुष मंत्रालय का गठन किया। योग को वर्ष 2016 से 21 जून की तिथि को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। भारत की इस परंपरा के साथ दुनिया को जोडने में और इसी प्रकार आयुर्वेद को दुनिया में स्थापित करने में मा0 प्रधानमंत्री जी ने जो प्रयास किये है उन प्रयासो का परिणाम सबके सामने है। उ0प्र0 सरकार इन चिकित्सा पद्धतियो को प्रोत्साहन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उ0प्र0 में 3959 आयुष चिकित्सालय संचालित है। हैल्थ एवं वेलनेस सेंटर से जोडकर उ0प्र0 में 105 आयुष महाविद्यालय कार्यरत है। उ0प्र0 अपने पहले आयुष विश्वविद्यालय का संचालन भी शुरू कर चुका है।

सदी की सबसे बडी महामारी के दौरान आयुर्वेद के महत्व को समझा गया है। आयुर्वेद चिकित्सक हैल्थ एंड वेलनेस सेंटर को योग, पंचकर्म, क्षारसूत्र आदि से जोडकर बेहतर बना सकते है तथा वे एफपीओ के माध्यम से औषधीय पौधो की खेती करवाकर किसानो की आमदनी को कई गुणा बढाने में योगदान दे सकते है। उन्होने कहा कि चौ0 चरण सिंह जी किसानो के मसीहा थे और उन्हीं के नाम पर यह विश्वविद्यालय स्थापित है। चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय को नैक मूल्यांकन में ए प्लस प्लस ग्रेंडग मिली है। कुलपति को बधाई देते हुये उन्होने कहा कि प्रदेश के लिए यह गौरव की बात है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रदर्शनी का जिलाधिकारी महोदय ने किया उद्घाटन

● केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं, विकास कार्यों, उपलब्धियों की जानकारी जनसामान्य को कराई जा रही उपलब्ध

गौरव जैन,मेरठ। शहीद स्मारक परिसर में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ0प्र0 द्वारा तीन दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी महोदय ने बताया कि जनपद स्तरीय तीन दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह केंद्र तथा प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में प्रदर्शनी है लोग यहां आएं और विभिन्न विभागों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर लाभ प्राप्त करें। प्रदर्शनी में केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, उपलब्धियों आदि का प्रचार प्रसार प्रदर्शनी में लगाए गए जनकल्याणकारी योजनाओं यथा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टार्ट अप, मिशन रोजगार के अन्तर्गत प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद, मुख्यमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना आदि के पोस्टर के माध्यम से किया गया। तीन दिवसीय प्रदर्शनी के माध्यम से खुशहाल किसान उत्तर प्रदेश की पहचान, किसानों के साथ खड़ी है सरकार, गौवंश की सुरक्षा, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के द्वारा युवाओं के सपने साकार, स्वरोजगार से नई उड़ान, स्वनिधि से सम्मान, बेटिया है देश की शान के अन्तर्गत मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित व्यक्ति के जीवन के समग्र आयामों से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं का अवलोकन कराते हुए जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर प्रचार साहित्य का वितरण किया गया तथा जिला सूचना अधिकारी श्री सुमित कुमार द्वारा जिलाधिकारी महोदय को संदेश नामक पुस्तक भेट की गई।

पति पत्नी और वो को लेकर बीच सडक पर मारपीट, वीडियो वायरल

मौदहा हमीरपुर। जनपद में रविवार की सुबह फिर एक वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में एक महिला सहित कुछ और लोग एक शख्स की पिटाई करते दिखाई दे रहे हैं। दावा किया जा रहा है की जिस शख्स की पिटाई की गई वह उस महिला का पति है जो बीते कुछ दिनों से अपने एक बेटे के साथ अलग रह कर फूलों का कारोबार करता था। वायरल वीडियो की पड़ताल में पता चला की यह मौदहा कोतवाली कसबे का है। यहाँ सय्यद बाबा के मज़ार के सामने फूलों की दूकान पर आज सुबह लगभग दस बजे एक महिला सहित आधा दर्जन लोग आ धमके और फूल बेंच रहे शख्स की पिटाई करनी शुरू कर दी। पड़ताल के दौरान पता चला की फूल बेंचने वाले चन्द्रप्रकाश का उसकी पत्नी से बीते कुछ दिनों से विवाद चल रहा था, ऐसे में चन्द्रप्रकाश अपने छोटे बेटे के साथ मज़ार में रह कर फूलों के कारोबार में लगा था। आज सुबह जब चन्द्रप्रकाश जब मज़ार के सामने अपनी दुकान पर बैठा था, तभी उसकी पत्नी कुछ लोगों के साथ वहां आ धमकी और दूकान का सामान फैलाते हुए पति के साथ छोटे बेटे से मारपीट शुरू कर दी। चन्द्रप्रकाश ने बताया की उसका पत्नी के साथ बीते 20 दिन से विवाद चल रहा है, ऐसे में वह अपने छोटे बेटे के साथ मज़ार पर रहकर कारोबार में लगा था। आज सुबह पत्नी कुछ लोगों के साथ दुकान पर आई और सामान फैलाते हुए उसकी व बेटे की पिटाई करनी शुरू कर दी। चन्द्रप्रकाश ने यह भी बताया की 20 दिन पहले उसकी पत्नी और बड़े बेटे ने उसको पीटा था तब से वह घर छोड़ कर मज़ार में ही रह रहा है।

सत्संग के बिना नहीं उत्पन्न हो सकता है विवेक –कथा वाचक

● शहर के गांधीनगर मुहाल में चल रही भागवत कथा

महोबा। शहर के गांधीनगर मुहाल में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में भक्तों को कथा का रसपान कराते हुए वृंदावन धाम से आए कथा वाचक वेदांत शास्त्री ने कहा कि सत्संग के बिना विवेक उत्पन्न नहीं हो सकता और बिना सौभाग्य के सत्संग सुलभ नहीं होता। श्रीमद् भागवत कथा का सात दिनों तक श्रवण करने से मनुष्य के सात जन्मों के पाप धुल जाते हैं। इस कथा से जन्म जन्मांतर के विकार नष्ट हो जाते हैं। कलियुग में कथा सुनने मात्र से मनुष्य भगसागर से पार हो जाता है। सोया हुआ ज्ञान वैराग्य कथा के श्रवण से जाग्रत हो जाता है।मनुष्य को भोजन को भजन व प्रसाद के रूप में ग्रहण करना चाहिए। कलियुग के केवल भोलेनाथ ही शीघ्र भक्ति से प्रसन्न हो जाते हैं। भागवत दैविक पुण्य प्रदान करने के साथ मनुष्य को निष्काम भक्ति के साथ जोड़ती है। जिससे मानवता का प्रतिपादन करते हुए मानव जीवन धन्य हो जाता है। समय निकालकर सभी को भागवत का श्रवण जरूर करना चाहिए। कथा के बीच बीच में कथा वाचक ने राधा कृष्ण के भजन सुनाकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

वीरांगना दुर्गावती के जीवन चरित्र व योगदान परविविध कार्यक्रमों का किया जाएगा आयोजन

कल से साहित्य वितरण एवं आमंत्रण हेतु किया जाएगा सघन जनसम्पर्क

भारतीय संस्कृति एवं इतिहास में मातृ शक्ति सदैव अग्रणी रही है - लक्ष्मीकांत

मझगवां। वीरांगना रानी दुर्गावती जी की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम हेतु बैठक का आयोजन जिला संघचालक रामबेटा कुशवाहा की उपस्थिति में दीनदयाल शोध संस्थान के महर्षि वाल्मीकि परिसर कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां सतना में आयोजित की गई। जिसमें सह विभाग कार्यवाह लक्ष्मीकांत जी, नगर पंचायत अध्यक्ष चित्रकूट साधना पटेल, सामाजिक कार्यकर्ता चूड़ामन जी, रामराज जी अध्यक्ष रानी दुर्गावती शोध समिति, डीआरआई के उप महाप्रबंधक डॉ अनिल जायसवाल, समाजशिल्पी दम्पति प्रभारी डॉ अशोक पाण्डेय, हरिराम सोनी एवं दीनदयाल शोध संस्थान के समस्त प्रकल्पों के कार्यकर्ताओ के साथ साथ मझगवां विकास खंड के 96 पंचायतों के प्रमुख तथा ग्रामीण जन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इस दौरान लक्ष्मीकांत जी सह विभाग कार्यवाह ने कहा कि इक्कीसवीं सदी जो कि भारत की होगी ऐसा पहले से कहा जा रहा था वह हम सभी के सामुहिक प्रयत्न से यथार्थ हो रही है। देश के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले महापुरुषों, जननायकों को आजादी के इस अमृत महोत्सव में उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से हम सभी परिचित होकर उनको श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे हैं और उनके आदर्शों से समाज सीख रहा है। हमारी सांस्कृतिक विरासत समृद्ध हो रही है। महापुरुषों को हम जाति, वर्ग, सम्प्रदाय में विभक्त न करें क्योंकि उन्होंने देश और भारतमाता के प्रति अपना सर्वस्व निछावर किया है। समाज के सभी वर्गों के सहयोग से वीरांगना दुर्गावती जी की प्रतिमा अनावरण का गौरवपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न किया जाएगा, साथ ही आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम से पूर्व सामाजिक समरसता एवं विश्व बंधुत्व की भावना को साकार करने के लिए स्थानीय स्तर पर जनजागरण हेतु साइकिल रैली, मोटरसाइकिल रैली, तिरंगा यात्रा, भारतमाता पूजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, विद्यालयों की प्रार्थना सभा के समय महापुरुषों के जीवन चरित्र व उनके योगदान पर बच्चों को जानकारी प्रदान करें। भारत के इतिहास में मातृ शक्ति का योगदान विषय पर प्रदर्शनी एवं भाषण, निबन्ध, चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए। चित्रकूट गौरव दिवस (रामनवमी) पर मझगवां मण्डल के प्रत्येक आबादी के प्रत्येक घर में कम से कम 5 दीपक अवश्य प्रज्ज्वलित किये जायें।

कार्यक्रम में मझगवाँ विकास खंड के 96 पंचायतों के 368 राजस्व ग्रामों में संपर्क करके सभी परिवारों को कार्यक्रम का ब्रोसर, वीरांगना दुर्गावती जी की जीवन चरित्र की पुस्तिका का वितरण किया जाने एवं सभी को 1 अप्रैल को प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में जन सहभागिता हेतु आमंत्रित करने की जिम्मेदारी पंचायत प्रमुख व ग्राम प्रमुखों ने लिया एवं वितरण हेतु साहित्य व अन्य सामग्री सभी प्रमुखों द्वारा प्राप्त कर ली गई जिसके वितरण एवं आमंत्रण कल से घर घर प्रारम्भ कर दिया जाएगा। सभी सम्मानित अतिथियों द्वारा प्रतिमा अनावरण स्थल एवं कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया गया।

दो भाईयों पर की गई गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही

मौदहा हमीरपुर। कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने और अपराध और अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाकर पुलिस ने कार्यवाही करना शुरू कर दिया है जिसके चलते दो भाईयों पर गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही की गई है। कोतवाली पुलिस ने अपराध मुक्त समाज देने और मुख्यमंत्री के जीरो टालरेंस के तहत कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परछछ निवासी मोतीलाल और महेश्वरी प्रसाद पुत्र रामगोपाल के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही की है।दोनों भाईयों पर कोतवाली में दर्जनों मुकदमे गंभीर धाराओं में दर्ज हैं और उनका क्षेत्र के लोगों में भय व्याप्त है।

सडक हादसे का मामला दर्ज

मौदहा हमीरपुर। बीते माह दो रिक्शों में हुई टक्कर में घायल परिवार की ओर से महिला की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कस्बे की सुरभि सोनी पत्नी आदित्य सोनी ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीते माह 28 फरवरी को शाम के समय वह अपने परिवार के साथ ई रिक्शा में एक शादी समारोह में जा रही थी जैसे ही वह थाना चौराहे के कुछ आगे पहुंची तभी नेशनल चौराहे की ओर से आ रहे ई रिक्शा चालक रवि गोस्वामी पुत्र राजेंद्र गोस्वामी निवासी फत्तेपुर ने लापरवाही से रिक्शा चलाते हुए टक्कर मार दी जिससे रिक्शा पलटने से उसके साथ परिवार के कई लोगों को गंभीर चोंटे आईं थी।कोतवाली पुलिस ने पीडिता की तहरीर पर धारा 279,337,338 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चर्चित व्यक्ति की गिरफ्तारी से लग रहे तरह तरह के कयास

मौदहा हमीरपुर। क्षेत्र के चर्चित व्यक्ति और पूर्व ग्राम प्रधान के भाई की गिरफ्तारी को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है और लोग तरह तरह के कयास लगा रहे हैं लेकिन पुलिस इस मामले में कुछ भी बताने के लिए तैयार नहीं है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परछा निवासी आफ्ताब को शनिवार देरशाम कोतवाली पुलिस ने हिरासत में लिया था।हालांकि इनके और इनके परिजनों के ऊपर कोतवाली में कई मुकदमे गंभीर धाराओं में दर्ज हैं।जबकि परिवार के कुछ लोग हत्या के मामले में कारावास में भी बंद हैं।शनिवार को हुई आफ्ताब की गिरफ्तारी क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है और लोगों में उत्सुकता है जबकि कोतवाली पुलिस इस मामले में कुछ भी कहने के लिए तैयार नहीं है और पूछताछ की बात कह रही है।

शमशान घाट में बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने चलाया सफाई अभियान

सेवा सप्ताह के तहत चलाया गया अभियान

बजरंग दल द्वारा सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। रविवार को पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने शहर के राठ रोड स्थित शमशान घाट सहित विभिन्न मंदिरों व मठों में जाकर सफाई अभियान चलाया। कार्यकर्ताओं द्वारा दूसरे लोगों को संदेश दिया गया कि वह अपने आसपास सफाई रखे और दूसरों को भी जागरूक करें। शमशान घाट की सफाई कर यहां गोबर से लिपाई की गई और सभी को इसके लिए जागरूक किया गया। अभियान के तहत जिला सह संयोजक विवेक, जिला गौरक्षा प्रमुख अनमोल, नगर सह सुरक्षा प्रमुख कामता, नगर सह गौ रक्षा प्रमुख मोनू, अमन, वीरू, अरुण व ऋतिक सहित बड़ी संख्या कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीएम व केंद्रीय मंत्री के आगमन को लेकर किया गया रुट डायवर्जन, चौकस रहेगी यातायात व्यवस्था

सीएम व केंद्रीय मंत्री का दौरा है प्रस्तावित

महोबा। सीएम योगी व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के दौरे को लेकर रूट डायवर्जन प्लान तैयार किया गया है। चित्रकूट, बांदा की तरफ से आने वाले वाहन जिन्हे कानपुर की तरफ जाना है, उन वाहनों को जनपद बांदा के थाना मटौंध के पास से हमीरपुर की तरफ मोड दिया जायेगा, जो हमीरपुर होते हुए कानपुर की तरफ जा सकेगें। जिन वाहनों को छतरपुर अथवा झांसी की तरफ जाना है उन्हे शहर महोबा के हमीरपुर चुंगी से बाईपास नं-01 से डायवर्जन करके परमानंद तिराहा, झलकारी बाई तिराहा, राठ चुंगी होते हुए कुलपहाड की तरफ जाने दिया जायेगा। छतरपुर की तरफ जाने वाले वाहन राठ चुंगी से कुलपहाड रोड़ पर पवा चौराहा से डायवर्जन करके श्रीनगर होते हुए छतरपुर जा सकेगें। चरखारी की तरफ से आने वाले वाहन जिन्हें चित्रकूट, बांदा की ओर जाना है, वे वाहन बाईपास नं-01 से हमीरपुर चुंगी होते हुए चित्रकूट व बांदा जा सकेंगे। जिन वाहनों को छतरपुर की तरफ जाना है वे वाहन झलकारी बाई तिराहा, राठ चुंगी होते हुए पवा चौराहा से श्रीनगर होते हुए छतरपुर की तरफ जा सकेगें। कुलपहाड रोड झांसी की तरफ से आने वाले वाहन जिन्हे बांदा चित्रकूट की तरफ जाना है वे बाईपास नं-01 से रामनगर तिराहे राठ चुंगी झलकारी बाई तिराहा व परमानंद तिराहे से हमीरपुर चुंगी होते हुए गंतव्य स्थल जा सकेंगे। जिन वाहनों को शहर महोबा जाना है वे

वाहन बाईपास नं-01 का प्रयोग करके परमानंद तिराहे तक जा सकेंगे। जिन वाहनों को छतरपुर की तरफ जाना है, वे पवा चौराहा से श्रीनगर होते हुए छतरपुर की तरफ जा सकेगें। छतरपुर की तरफ से आने वाले वाहन जिन्हे महोबा शहर आना है वे श्रीनगर से डायवर्जन होकर पवा चौराहा होते हुए कुलपहाड रोड रामनगर तिराहा, राठ चुंगी ,झलकारी बाई तिराहे से परमानंद तक जा सकेगे। जिन वाहनों को बांदा चित्रकूट की तरफ जाना है वे वाहन भी इसी रास्ते से हमीरपुर चुंगी होते हुए आगे जा सकेगें। जिन वाहनो को झांसी की तरफ जाना है उन्हें श्रीनगर से पवा चौराहा होते हुए कुलपहाड़ से झांसी की तरफ जाना होगा। जिन वाहनों को छतरपुर की ओर से कानपुर की तरफ जाना है वे श्रीनगर से डायवर्जन होकर पवा चौराहा, चरखारी खरेला, मुस्करा, हमीरपुर होते हुए कानपुर की तरफ जा सकेगें। कानपुर की तरफ से आने वाले वाहन जिन्हे महोबा शहर आना है वे कबरई होते हुए हमीरपुर चुंगी से शहर महोबा में प्रवेश करेगे। जिन्हे झांसी की तरफ जाना है वे हमीरपुर चुंगी से बाईपास नं-01 से डायवर्जन होकर राठ चुंगी कुलपहाड रोड होते हुए झांसी की तरफ जा सकेंगे। जिन्हे छतरपुर की तरफ जाना है वे हमीरपुर चुंगी से बाईपास न0-01 से डायवर्जन होकर राठ चुंगी कुलपहाड रोड पवा चौराहा श्रीनगर होकर जा सकेगें। किसी मरीज अथवा बीमार व्यक्ति के आवागमन पर डायवर्जन व्यवस्था प्रभावी नहीं होगी।

शादी समारोह में आए युवक की बाइक चोरी

पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध लिखा मुकदमा

महोबा। जिले में बाइक चोर गिरोह भी सक्रिय है। शादी समारोह में आये युवक की किसी ने बाइक चोरी कर दी। पीड़ित युवक की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। ग्राम सिलौली मौदहा हमीरपुर निवासी कृष्ण कुमार ने सदर कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि 8 फरवरी को वह अपने मित्र की शादी में शहर के कृष्णा अमृत कल्याण मंडपम गेस्ट हाउस आया था। उसने गेस्ट हाउस के पास अपनी बाइक खड़ी कर दी। इसके बाद वह रात्रि 9 बजे गेस्ट हाउस से बाहर निकला तो बाइक गायब थी। काफी खोजने के बाद भी बाइक नहीं मिली। पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

ओटीटी की वजह से कम हो रहे हैं दर्शक

पॉपुलर टीवी सीरियल भाबीजी घर पर हैं में तिवारी जी का रोल निभा रहे रोहिताश्व गौड़ ने कई बड़े प्रोजेक्ट्स में काम किया है लेकिन इस शो से उनको अलग ही पहचान मिली है। वह सालों से टीवी कर रहे हैं और अब ऐसे में ओटीटी के जमाने में उनको डर सता रहा है। उनका कहना है कि ओटीटी के आने से ऑडियंस कम हो गई है।

सौम्या जैसी केमिस्ट्री अब नहीं हो सकती

को-स्टार्स के बदलने से बहुत मुश्किल होती है। इससे सीरियल की लाइफ पर असर पड़ता है। काफी हद तक दर्शक भी दूरी बना लेते हैं। रिप्लेस होकर आए कलाकार के लिए भी चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि ऑडियंस उसे पहले वाले ऐक्टर की तरह देखना चाहती है। हम पर भी दबाव होता है क्योंकि हमारी बहुत सी चीजें पुराने ऐक्टर के साथ फिक्स हो चुकी होती हैं। ऐसे में दोबारा केमिस्ट्री बैठाना आसान नहीं होता है। सौम्या टंडन के साथ मेरी सबसे अच्छी बॉन्डिंग रही। मैं उसे पूरी जिंदगी नहीं भूल सकता। वह केमिस्ट्री अब किसी और के साथ नहीं हो सकती। कहानी पहले से पता लग जाती है तो राइटर के साथ बैठकर उसे और खास करके लुक इमेजिन कर लेते हैं। कॉस्ट्यूम और मेकअप आर्टिस्ट के साथ डिस्कस करके एक फोटोशूट कर लेते हैं। उसके बाद आवाज पर काम करते हैं, तब जाकर कहीं एक किरदार निखरकर आता है।

कॉमिडी की जगह कुछ अलग करना है

पंकज त्रिपाठी जिस तरह ओटीटी में काम कर रहे हैं, मैं वैसा कुछ करना चाहता हूं। पंकज त्रिपाठी और नवाजुद्दीन सिद्दीकी की तरह किरदार निभाकर जो टाइप्ड इमेज हो गई है, उसे ब्रेक करना है। यामी गौतम के साथ मैंने 'प्यार ना होगा कम' में नेगेटिव रोल किया था। मैंने 'जय हनुमान' में गोस्वामी तुलसीदास का किरदार निभाया था, जो पूरी तरह से अलग था। मैं आगे भी रियलिस्टक किरदारों पर जोर दूंगा। फिल्म इंडस्ट्री आपको टाइपकास्ट कर देती है। वह आपको उसी नजरिए से देखने लगती है। एक ऐक्टर के लिए यह बहुत मुश्किल होता है कि कैसे अपनी इस छवि को ब्रेक किया जाए। जैसे मुझे जो वेब सीरीज के लिए कॉल आते हैं, ज्यादातर कॉमिक रोल ही होते हैं। मैं उनसे कहता हूं कि अब कुछ डिफरेंट करना चाहता हूं।

टीवी की अपनी मर्यादा होती है

ओटीटी पर अभी सेंसरशिप नहीं है तो बहुत सी चीजें खुले में हैं। उसमें गालियां भी चल रही हैं और कुछ ऐसे सींस भी, जो हम टीवी में नहीं दिखा सकते। टीवी की अपनी मर्यादा है। ओटीटी के खुलेपन का असर ये हो रहा है कि अचानक टीवी की ऑडियंस कम हो गई है। ओटीटी की तुलना में टीवी की व्यूअरशिप कम हुई है। लोगों से जब पूछो कि शो देखते हैं तो कहते हैं, हां मोबाइल पर। दर्शक कहीं-ना-कहीं वो चीजें देखना चाहते हैं, जो दिखाया जा रहा है। जिस वेब सीरीज में जरूरत है, वहां तो ठीक है लेकिन कुछ लोग टीआरपी के लिए गालियां और गंदे सीन डाल रहे हैं। ये गलत है, इससे बुरा असर पड़ रहा है।

टीवी के हालात सुधरने जरूरी हैं

हमारा यूथ आपको आउट डेटेड बताएगा। अब वो प्रेमचंद नहीं पढ़ना चाहते। अब ये गलत है या सही, ये नहीं पता लेकिन मेरे हिसाब से सेंसरशिप होनी चाहिए, नहीं तो बहुत सी चीजें हाथ से निकल जाएंगी। जो बीत गया सो बीत गया, आने वाले साल से यही उम्मीद है कि टीवी के हालात सुधरें। इसका ग्रो करना जरूरी है क्योंकि आज भी हम इसके माध्यम से घर-घर पहुंच रहे हैं। खासकर छोटे-छोटे शहरों में। मेरी जन्मभूमि कालका में अभी ओटीटी से ज्यादा टीवी देखा जा रहा है।

चर्चित चेहरा ही कैश किया जाता है

इंडस्ट्री एक बिजनेस है। यहां जो चेहरा चर्चित होगा, उसी को कैश किया जाएगा। मैं 1997 में मुंबई गया और संघर्ष शुरू कर दिया था। 2001 में मैंने वीर सावरकर का किरदार निभाकर बॉलिवुड में डेब्यू किया था। उसके बाद से ये खूबसूरत सफर जारी है। लोगों की नजरों में 2010 में 'लापतागंज' में आया था, जिसमें मैंने मुकुंदी लाल की भूमिका निभाई थी। असल जिंदगी में भी मेरा स्वभाव मुकुंदी लाल जैसा है। समाज के हित के लिए आवाज उठाने वाला, लोगों की मदद करने वाला और उनकी परेशानियों को हल करने वाला।

हमारे शो की भाषा में पता चलती है लखनवी जुबां

लखनऊ इससे पहले मैं अपने इसी शो के प्रमोशन के लिए को-स्टार्स के साथ आया था। उस दौरान हमने स्टेज पर एक स्किट भी किया था। शहर की बहुत सारी चीजें हमने अपने शो में भी अडॉप्ट की हैं। बहुत से ऐसे एपिसोड्स किए हैं, जिसमें लखनवी तहजीब को महत्व दिया गया है। खासकर हम नवाब भी बन चुके हैं, हमारे वे एपिसोड्स काफी पॉपुलर हुए थे। हमारे शो की भाषा में लखनवी जुबां का पता लगता है।

मैं तो स्कूल के जमाने से झूठी रही हूं

स्त्री और छिछोरे जैसी सफल फिल्मों की एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इन दिनों चर्चा में हैं। वह अपनी ताज़ातरीन रॉम-कॉम फिल्म तू झूठी मैं मक्कार में नजर आने वाली हैं और इसका जोरों-शोरों से प्रमोशन भी कर रही हैं। इस फिल्म में वह पहली बार रणबीर कपूर के साथ पर्दे पर रोमांस करती हुई दिखाई देंगी। अब मुलाकात में उन्होंने अपनी फिल्म, रणबीर, प्यार, परिवार, बॉक्स ऑफिस और मिडल क्लास वैल्यूज पर बात की है। क्या बताया है, आइए आगे आपको भी सुनाते हैं।

आप और रणबीर कपूर अपनी फिल्म तू झूठी मैं मक्कार का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। कैसा रिएक्शन मिल रहा है?

बहुत ही कमाल का रिएक्शन है। हम लोग अब तक जितने भी मॉल्स और कॉलेजेस में गए हैं, हमें ढेर सारा प्यार मिला है। लोग कह रहे हैं कि उन्हें ट्रेलर पसंद आ रहा है, तो लोगों के पॉजिटिव रिएक्शन तो मिल रहे हैं, मगर फिल्म का फाइनल डिसिजन तो हमें 8 मार्च को ही पता चलेगा। उम्मीद यही करती हूं कि पठान के बाद हमें जितना प्यार ऑन ग्राउंड मिला है, उतना ही सिनेमा हॉल में भी मिले।

ट्रेलर में तो आप झूठी नजर आ रही हैं, मगर असल जिंदगी में झूठी कब साबित हुई हैं?

मैं तो स्कूल के जमाने से झूठी रही हूं। मैं बहुत झूठ बोलती थी, मगर मेरी प्रॉब्लम यही थी कि मॉम-डैड के सामने मैं झूठ नहीं बोल पाती, जब भी झूठ बोलती थी, पकड़ी जाती थी। हां, अब थोड़ा-बहुत झूठ बोलना आ गया है सफाई से। सबसे ज्यादा मुसीबत तो बापू (उनके पिता शक्ति कपूर) के सामने होती थी, वो मेरा झूठ चुटकियों में पकड़ लेते थे। मगर स्कूल के समय मैं बिंदास होकर झूठ बोलती थी। इम्तिहान के समय चीटिंग करती थी। आंसर्स की पर्चियां ले जाया करती थी, ताकि नकल कर सकूं. कॉपी करते हुए मैं पकड़ी भी गई हूं। सच कहूं, तो मैं कभी कामयाब झूठी नहीं रही।

आप रणबीर कपूर के साथ पहली बार काम कर रही हैं। कैसा रहा आपका अनुभव?

मैं रणबीर के काम की बहुत सराहना करती हूं। सांवरिया हो या वेक अप सिड अथवा बर्फी हो, जिस तरह की वर्सेटिलिटी उन्होंने दिखाई है, वो अपने आप में अद्भुत है। वे हर किरदार में आसानी से घुल जाते हैं कि पर्दे पर उनकी सहजता देखते बनती है। मैं इस बात को लेकर बहुत क्यूरियस थी कि सेट पर उनके साथ मेरा कॉम्बिनेशन कैसा होगा? मैं तो उनको चिढ़ाया करती थी कि आप तो असल में मक्कार निकले, एक्शन और कट के बीच इतना सहज कोई कैसे हो सकता है। मैं उनको टीज़ करती कि आप सेट पर बहुत नेचुरल एक्टर की तरह पेश आते हो, मगर रात-रात भर रट्टा मारते हो न? वो बहुत मेहनत करते हैं। दिखाते नहीं हैं, मगर अपनी तैयारी चुपचाप करके आते हैं।

श्रद्धा यों तो अपनी फिजिकैलिटी को लेकर आप हमेशा से सजग रही हैं, मगर क्या बिकिनी अवतार के लिए खास मेहनत करनी पड़ी है?

आपको तो पता ही है कि मुझे खाने का कितना शौक रहा है? मगर मैं जिम में बहुत ज्यादा मेहनत भी करती हूं। मैं रोज बर्पी एक्सरसाइज के सौ काउंट करती हूं। मुझे नहीं पता कि लोग बर्पी एक्सरसाइज के बारे में कितना जानते हैं? मगर ये खास तरह की एक्सरसाइज होती है, मैं एक बार में सौ लगा लेती हूं। अपनी फिटनेस के लिए अपनी ट्रेनर को बहुत क्रेडिट देती हूं, तो मैं वडा पाव, मिसल पाव और छोले भटूरे खूब खाती हूं। फिल्म की शूटिंग के दौरान निर्देशक लव रंजन और ट्रेनर ने कहा कि मेरा ये सब खाना बंद करवाना पड़ेगा, मगर फिर आज ही मैंने मजेदार वडा पाव खाया है, तो मैं बहुत फूडी हूं, मगर किरदार की मांग को देखते हुए मैंने जिम में काफी पसीना बहाया।

आज बड़ी स्टार बनने के बावजूद आपने अपने भीतर की मिडल क्लास लड़की को कैसे जिंदा रखा है?

इसका पूरा श्रेय मैं अपने माता-पिता को देना चाहूंगी। असल में मेरी मम्मी की साइड का परिवार बहुत ही सिंपल है। मेरे डैड का परिवार दिल्ली से है। मम्मी का परिवार यही से है। बचपन से मैं मम्मी के परिवार के साथ रही हूं। सच कहूं, तो मैं एक सादगी पसंद रेगुलर गर्ल हूं। मैं मिडल क्लास वैल्यूज से ही खुद का जुड़ाव पाती हूं।

आपकी फिल्म प्यार-मोहब्बत पर आधारित है। आप प्यार के बारे में क्या सोचती हैं?

मैं जन्म-जन्मांतर वाले प्यार में यकीन करती हूं। मुझे परी कथाओं वाला प्यार आकर्षित करता है। मैं आइडिया ऑफ लव में विश्वास करती हूं। इस तरह के प्यार को लोग ओल्ड स्कूल भी मानते हैं।

आज आप बड़ी अभिनेत्री बन गई हैं, आत्म निर्भर हैं, परिवार के खर्चों और जिम्मेदारी में कितना योगदान देती हैं?

हमारे परिवार में एक बात साफ है कि सभी सदस्य योगदान देते हैं। हम सब इकट्ठे कॉन्ट्रिब्यूट करते हैं। हम सभी मिलकर परिवार चलाते हैं। मैं भी परिवार की अर्निंग मेंबर हूं, तो मैं भी खर्चों में योगदान देती हूं। हालांकि शुरू-शुरू में मुझे घरवालों को, पापा को रिक्वेस्ट करनी पड़ी कि वो मेरा योगदान लें। उनको लगा बच्ची को घर चलाने के लिए कैसे कहें, मगर मेरे अनुरोध पर उन्होंने मुझे सपोर्ट किया और आज हम सभी मिलकर घर का खर्च उठाते हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इन दिनों सुर्खियों में छाई हैं। देश के अलग-अलग राज्यों में वह स्पॉट की जाती हैं। क्योंकि उनरी रणबीर कपूर के साथ फिल्म आ रही है, जिसका नाम तू झूठी मैं मक्कार है। अब इसी मूवी के सिलसिले में उन्होंने बात की।

ये करियर में पहली बार था, जब मुझे पुरुष एक्टर के बराबर फीस मिली है

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा हाल ही में साउथ बाई साउथवेस्ट फेस्टिवल 2023 में पहुंची। इस दौरान उन्होंने अमेजन स्टूडियोज के हेड जेनिफर सल्के को दिए इंटरव्यू में बताया कि कैसे करियर के 22 बाद पहली बार उन्हें वेब सीरीज सिटाडेल में पुरुष एक्टर के बराबर फीस मिली है। साथ ही प्रियंका ने कहा कि हाल ही किसी ने उन्हें अहसास दिलाया कि उनका शरीर आइडियल साइज से बड़ा है, इसलिए वो कपड़े उन्हें फिट नहीं आएंगे। प्रियंका ने कहा कि ये सुनकर उनके आत्मविश्वास बुरी तरह से चूर हो गया। वो पूरी रात ये सोच-सोचकर रोती रहीं।

प्रियंका बोलीं- मैं एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 22 साल से काम कर रही हूं। अब तक लगभग 70 से ज्यादा फीचर फिल्मों और 2 टीवी शो किए हैं। लेकिन मैंने जब सिटाडेल में काम किया, तो ये करियर में पहली बार था, जब मुझे बराबर फीस मिली। मुझे लेकर कई ऐसी बातें बोली, जिन्हें सुनना बहुत मुश्किल होता है। हमारी इंडस्ट्री में बहुत प्रेशर होता है, आप इससे बच नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा- कल किसी मुझसे बोले कि मेरा शरीर सैंपल साइज (परफेक्ट साइज) नहीं है। ये सुनकर मुझे बहुत ठेस पहुंची। मैंने अपनी टीम और फैमिली से इस बारे में चर्चा की, मैंने निक के सामने बहुत देर तक रोती रही। मुझे ये सुनकर बहुत बुरा लगा कि मेरी बॉडी एक आइडल साइज नहीं है। जबकि हममें से ज्यादातर लोग ऐसे हैं, जिनका साइज आइडियल नहीं होता है।

प्रियंका ने आगे कहा- 'कई बार मेरे साथ ऐसा हुआ है जब मैंने कुछ कहा होगा और इसे गलत समझ लिया होगा। आप देखते हैं कि लोग न सिर्फ मेरे बारे में बल्कि मेरे बच्चे और मेरी फैमिली के बारे में घटिया और घिनौनी बातें कहा करते हैं। मुझे लगता है कि कभी-कभी लोग भूल जाते हैं कि आप भी इंसान हैं।' उन्होंने आगे कहा- उस प्रेशर को एक्सप्लेन नहीं किया जा सकता है, जब आप अपने सोफे पर बैठे होते हैं और आपको लगता है कि पूरी दुनिया आपके खिलाफ ही बातें कर रही है। क्योंकि वो लोग भूल चुके हैं कि आप भी इंसान हैं।

ऑस्कर्स 2023 में नाटू-नाटू पर डांस करेंगी लॉरेन गोटलिब

3 मार्च को लॉस एंजेलिस के डॉल्बी थिएटर में 95 वें एकेडमी अवॉर्ड 2023 प्रेजेंट किए जाएंगे। इस साल फिल्म 'आरआरआर' के गाने नाटू-नाटू को ऑस्कर के बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग कैटेगरी में नॉमिनेट हुआ है। खास बात ये है कि अवॉर्ड सेरेमनी में इस गाने पर न तो जूनियर एनटीआर परफॉर्म करेंगे और न ही राम चरण परफॉर्म करेंगे। इस गाने पर अमेरिकी एक्टर और डांसर लॉरेन गोटलिब परफॉर्म करेंगी।

लॉरेन ने लिखा- स्पेशल न्यूज!! ऑस्कर 2023 इवेंट में दुनिया के सबसे बड़े स्टेज पर मैं इंडिया को रिप्रेजेंट करने जा रही हूं। मैं नाटू-नाटू गाने पर परफॉर्म करने वाली हूं। इसके लिए मैं काफी एक्साइटेड हूं। रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' में परफॉर्म करने के बाद लॉरेन गोटलिब को इंडियन टीवी से पॉपुलैरिटी मिली थी।

अब तक 5 इंटरनेशनल अवॉर्ड जीत चुकी है 'आरआरआर'

जूनियर एनटीआर और राम चरण स्टारर एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' एक पीरियड ड्रामा है। इसमें ट्राइबल लीडर्स को ब्रिटिश राज के विरोध में खड़े फिल्माया गया है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 200 करोड़ का कलेक्शन किया।

करीना ने याद किए करियर के शुरुआती दिन, बोलीं- अब मुझे रिलैक्स करना है

एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने हाल ही में बताया कि वो अपने 23 साल के बॉलीवुड करियर में कई उतार चढ़ावों से गुजरी हैं। मीडिया को दिए इंटरव्यू में बेबो ने कहा- सैफ अली खान से शादी करने के बाद उनकी लाइफ के सबसे बड़े बदलाव आने शुरू हुए। अपनी जर्नी के बारे में बात करते हुए करीना ने कहा कि पहले के दौर में एक्ट्रेसेस के बीच बहुत कॉम्पिटिशन रहा करता था। हरपर बाजार इंडिया को दिए इंटरव्यू में करीना ने कहा- मुझे अतीत में लिए गए फैसलों पर कोई पछतावा नहीं है। एक दशक पहले, फिल्म इंडस्ट्री में बहुत ज्यादा कॉम्पिटिशन रहा करता था। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं और मुस्कुराती हूं, क्योंकि मुझे अपनी जर्नी पर प्राउड फील होता है। इतना ही नहीं करीना ने कहा कि वो अब बच्चों को खुद से दूर नहीं रखना चाहती हैं, इसलिए उन्होंने अपनी लाइफ में वर्क बैलेंस बनाकर रखा है।

मैंने अपनी गलतियों से सीखा है

करीना ने आगे कहा- 'मैंने हमेशा अपनी गलतियों से सीखा है और अब मैं पूरी तरह से अलग इंसान बन चुकी हूं। मुझे खुशी है कि मैं एक इंसान के रूप काफी डेवलप हुई हूं। यह मेरी पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों जिंदगियों के लिए बहुत जरूरी है।'

लोग एक-दूसरे एक खिलाफ रहा करते थे

करीना ने आगे कहा- पहले मैं इस बात की परवाह नहीं करती थी कि वो क्या कर रही हैं या उसके नतीजे क्या होंगे। लेकिन अब मुझे उन चीजों का कोई पछतावा नहीं है। आज मैं ज्यादा ग्राउंडेड हूं। हालांकि, लगभग एक दशक पहले इंडस्ट्री में बहुत कॉम्पिटिशन था और लगातार लोग एक-दूसरे एक खिलाफ रहा करते थे। लेकिन आज, अगर कोई मुझे उकसाने की कोशिश करता है, तो ऐसा नहीं होगा।

अब मैं आराम करना चाहती हूं

लाइफ में आए बड़े बदलावों के बारे में बात करते हुए करीना ने कहा- मुझमें अब बहुत सारी चीजों पर समय बर्बाद करने की हिम्मत नहीं है। यहां तक कि 20 साल की उम्र में भी मेरे जीवन में बहुत कुछ चल रहा था। लेकिन अचानक मुझमें कई बदलाव आए। आज मैं एक ऐसी जगह पर हूं, जहां मैं आराम करना चाहती हूं और अपनी जिंदगी ठीक वैसे ही जीना चाहती हूं, जैसा मैं सोचती हूं।

वर्क लाइफ बैलेंस बनाना सिर्फ मुझपर डिपेंड करता है

करीना ने वर्क लाइफ बैलेंस पर बात करते हुए कहा- मुझे अपने बच्चों को अकेला छोड़ने का मन नहीं करता है या क्योंकि मैं किसी अवॉर्ड शो में नहीं दिखना चाहती। मैंने अपनी च्वाइस को लेकर क्लियर रहना चाहती हूं, क्योंकि मैं अपने पति के साथ घर पर बैठूंगी और एक शो देखूंगी या एक गिलास शराब पियूंगी। यह फैसला मेरे हाथ में है। यह मेरी लाइफ में आए सबसे बड़े बदलावों में से एक है।

5 कंपनियां बाटेंगी डिविडेंड

नई दिल्ली। शेयर बाजार में इस हफ्ते 5 कंपनियों पर नजर रखने की जरूरत है। ये कंपनियों स्टॉक मार्केट में एक्स-डिविडेंड के रूप में ट्रेड करेंगी। इनमें एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड भी शामिल है। आइए जानते हैं कौन सी कंपनी योग्य निवेशकों को कितना डिविडेंड देगी। साथ ही शेयर बाजार में ये कंपनी कब एक्स-डिविडेंड के रूप में ट्रेड करेंगी। यह एक स्मॉल कैप कंपनी है।

10 टुकड़ों में बंटेगा ये शेयर

नई दिल्ली। शेयर बाजार में पिछले सप्ताह vivanza bioscience ने बताया था कि कंपनी के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार शेयरों का 10 हिस्सों में बंटवारा किया जाएगा। इस खबर के आने के बाद कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। स्टॉक मार्केट को कंपनी ने बताया है, 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को बंटवारा 10 हिस्सों में कर दिया जाएगा।

हिंडनबर्ग का बवंडर, शेयर बाजार का तूफान, डूब गई आधी दौलत

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2020 से लेकर 2022 के बीच अडानी समूह से रॉकेट की रफ्तार से अपना विस्तार किया। अडानी समूह के मालिक गौतम अडानी की संपत्ति में भी उसी रफ्तार से तेजी आई। फोर्ब्स बिलेनियर इंडेक्स के आंकड़ों के मुताबिक दो सालों में गौतम अडानी की दौलत 9 अरब से बढ़कर 90 अरब डॉलर तक पहुंच गई। साल 2023 की शुरुआत में गौतम अडानी का नेटवर्थ 127 अरब डॉलर तक पहुंच गया था, लेकिन 24 जनवरी 2023 के बाद सबकुछ बदल गया। अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग ने एक रिपोर्ट जारी की। 109 पन्नों की इस रिपोर्ट में अडानी समूह पर गंभीर आरोप लगाए गए। हिंडनबर्ग ने चौंकाने वाले खुलासे किए, जिसके बाद गौतम अडानी की कंपनियों के शेयर, उनका मार्केट कैप, उनकी संपत्ति जब धराशाही हो गए। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अडानी समूह की कंपनियों के शेयर के भाव 85 फीसदी तक गिर गए। वहीं अडानी ग्रुप का मार्केट कैप 147 अरब डॉलर तक गिर गया। खुद गौतम अडानी का नेटवर्थ 127 अरब डॉलर से लुढ़कर 31 अरब डॉलर तक गिर गया। जो गौतम अडानी कभी दुनिया के तीसरे सबसे अमीर उद्योगपति हुआ करते थे वो गिरकर 37वें नंबर पर पहुंच गए। लेकिन गौतम अडानी उन कारोबारियों में से नहीं जो हार मान जाएं। हिंडनबर्ग के बवंडर से उठे तूफान से अडानी वापस निकल रहे हैं। करीब 1 महीने की गिरावट के बाद अडानी के शेयरों में तेजी लौटने लगी है। पिछले 10 दिनों से

अडानी के शेयरों में तेजी लौटी है। 10 में से अधिकांश शेयर चढ़ने लगे हैं। ट्रांसमिशन, अडानी पोर्ट्स, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी टोटल गैस जैसे शेयरों में अपर सर्किट लगे हैं। आखिर वो कौन सी वजह है, जिसके कारण अडानी इस मुश्किल से निकल पा रहे हैं। हम ऐसी ही पांच वजह बता रहे हैं।

मजबूत कारोबार : हिंडनबर्ग के खुलासे के बाद बाजार का सेंटिमेंट बिगड़ा और अडानी के शेयरों में गिरावट आने लगी। लेकिन एक समय के बाद लगने लगा क इस गिरावट की कोई वजह नहीं रह गई है। अडानी का कारोबार काफी मजबूत है। अडानी की कंपनियां मुनाफे में हैं। खासकर अडानी पोर्ट्स, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी विल्मर का बिजनस कफी मजबूत है और अपने सेक्टर में उनकी मोनोपोली है। अगर अडानी पोर्ट्स की ही बात करें तो भारत का 25 फीसदी से ज्यादा पोर्ट्स कारोबार अडानी समूह के पास है। वहीं ग्रीन एनर्जी सेक्टर में अब तक दूसरी कंपनियां अपनी मौजूदगी तलाश रही हैं। अडानी ग्रीन का कारोबार 12 राज्यों में फैला है। अडानी ग्रीन एनर्जी के पास 20434 मेगावाट की परियोजनाएं है। कारोबार की मजबूती देखकर निवेशकों का भरोसा फिर से अडानी समूह पर बढ़ने लगा।

रेटिंग एजेसियों ने पहले अडानी समूह को झटका दिया, लेकिन फिर स्थिति को एनालिसिस करने के बाद अडानी की रेटिंग में सुधार कर दिया। फिच , मूडीज जैसी रेटिंग एजेंसियों की रेटिंग के कारण निवेशकों का भरोसा अडानी समूह पर बढ़ा। रेटिंग एजेंसियों ने अडानी के कर्ज को भी खतरे से निशान से नीचे बताया। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने अडानी ग्रीन को अंडर ऑब्जर्वेशन से बाहर कर दिया । इन सबका असर निवेशकों के भरोसे को बढ़ाने पर हुआ।

अडानी समूह पर कर्ज को लेकर पहले भी बातें होती रही है। हिंडनबर्ग ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा कि गौतम अडानी की कंपनियों पर जरूरत से ज्यादा कर्ज है। लेकिन एसबीआई, बैंक ऑफ बड़ौदा ने अडानी के कर्ज को खतरे के निशान से नीचे बताया। एसबीआई ने कहा कि अडानी समूह की कंपनियों को दिया गया कुल कर्ज का मात्र 0.88 फीसदी है। बैंकों की सफाई ने भी निवेशकों के भरोसे को बढ़ाने में मदद की।

अमेरिका से मिला साथ

मुश्किल के वक्त में अडानी के लिए अमेरिका से बड़ी खुशखबरी आई। अमेरिकी इन्वेस्टमेंट फर्म जीक्यूजी ने अडानी समूह की 4 कंपनियों में 15446 करोड़ रुपये का निवेश किया। बुटीक इन्वेस्टमेंट फर्म जीक्यूजी पार्टनर्स के चैयरमैन राजीव जैन ने कहा कि अडानी समूह के पास मजबूत कारोबार, अनुभव और आकर्षक वैल्यूएशन वाले एसेट्स हैं। कंपनी की स्थिति अच्छी है इसलिए वो निवेश कर रहे हैं।

लोन की प्रीपेमेंट और रोड शो

अडानी समूह ने निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए समय से पूर्व कर्ज चुकाने पर काम करना शुरू कर दिया। अडानी ने हाल ही में कहा है कि 7374 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया है। वहीं अडानी पोर्ट्स ने एसबीआई म्युचुअल फंड के 1500 करोड़ का लोन समय से पहले चुका दिया। वहीं कंपनी ने कहा है कि वो अपने बाकी कर्ज भी समय से पहले चुका देगी। वहीं अडानी समूह निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए सिंगापुर, हांगकांग, दुबई, अमेरिका, लंदन में रोडशो कर चुके हैं। सिंगापुर और हांगकांग में फिक्स्ड इनकम रोडशो के बाद उन्होंने तीन और देशों में रोडशो का फैसला किया। रोडशो के जरिए वो निवेशकों को भरोसा दिलाना चाहते हैं कि उनकी कमपनी की स्थिति मजबूत है।

गोल्ड ईटीएफ में फरवरी में आया 165 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (गोल्ड ईटीएफ) से बीते तीन महीनों में हुई निकासी के बाद फरवरी में निवेशकों ने इसमें शुद्ध रूप से 165 करोड़ रुपए डाले हैं। इसकी मुख्य वजह कीमती धातु के दामों में आई मामूली गिरावट है। भारतीय म्यूचुअल फंड संघ (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ से जनवरी में 199 करोड़ रुपए की निकासी की थी। दिसंबर, 2022 में 273 करोड़ रुपए और नवंबर में 195 करोड़ रुपए की निकासी की गई थी। उससे पहले गोल्ड ईटीएफ में अक्टूबर में 147 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था।

मॉर्निंगस्टार इंडिया की वरिष्ठ विश्लेषक कविता कृष्णन ने कहा, ''फरवरी में ज्यादातर बाजारों में निकासी का रुख देखने को मिला लेकिन भारत में गोल्ड ईटीएफ में निवेश हुआ है। इसकी मुख्य वजह सोने के दामों में मामूली सुधार होना है। जब भी दामों में गिरावट आती है तो ईटीएफ की मांग बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि भारत में सोने की भौतिक मांग मोटे तौर पर त्योहारों और शादी-विवाह के मौसम पर निर्भर करती है। इसके अलावा समीक्षाधीन अवधि में इस श्रेणी में पोर्टफोलियो भी बढ़कर 46.94 लाख हो गए हैं। निवेश के बावजूद गोल्ड ईटीएफ के प्रबंधन के तहत शुद्ध परिसंपत्तियां (एयूएम) जनवरी अंत के 21,836 करोड़ रुपए से घटकर फरवरी अंत में 21,400 करोड़ रुपए रह गईं। वर्ष 2022 में गोल्ड ईटीएफ में कुल 459 करोड़ रुपए का निवेश आया जो 2021 के 4,814 करोड़ रुपए से 90 फीसदी कम है।

अमेरिकन बैंक के बंद होने से एक लाख लोगों के रोजगार पर संकट, 10 हजार स्टार्टअप्स भी मुसीबत में

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक्नोलॉजी स्टार्टअप्स में निवेश करने वाले अमेरिकन कंपनी वाई कॉम्बिनेटर के मुखिया गैरी टैन ने सिलिकॉन वैली बैंक के दिवालिया होने पर बड़ा दावा किया है। उन्होंने अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी जेनेट येलेन और अन्य प्रशासकों को एक चिट्ठी लिखकर अनुमान लगाया है कि बैंक के दिवालिया होने के चलते करीब एक लाख लोगों के रोजगार पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। मतलब एक लाख लोगों की नौकरी कभी भी जा सकती है। इसके अलावा दस हजार से ज्यादा स्टार्टअप्स पर इसका बड़ा असर पड़ेगा। बता दें कि वाई कॉम्बिनेटर ने भारत के करीब 200 से ज्यादा स्टार्टटप्स में निवेश किया है।

गैरी टैन ने चिट्ठी के जरिए कर्मचारियों की नौकरी और स्टार्टअप्स को इस संकट के समय बचाने के लिए सरकार से गुहार लगाई है। गैरी टैन की इस चिट्ठी को अब तक 1200 से ज्यादा कंपनियों के सीईओ और 56 हजार से ज्यादा कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संस्थापकों का समर्थन भी मिल चुका है। इस चिट्ठी में लिखा गया है, हम छोटे व्यवसायों, स्टार्टअप्स और बैंक में जमाकर्ताओं के कर्मचारियों पर तत्काल महत्वपूर्ण प्रभाव पर राहत और ध्यान देने के लिए कहते हैं।

नेशनल वेंचर कैपिटल एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, सिलिकॉन वैली बैंक में 37,000 से अधिक छोटे व्यवसायियों के खाते हैं। जिनमें 250,000 डॉलर से अधिक रकम जमा है। बैंक के दिवालिया होने के बाद ये शेष राशि अब उनके लिए उपलब्ध नहीं है। इसके चलते कंपनियों और छोटे व्यवसायिकों को काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। गैरी के अनुसार, ज्यादातर स्टार्टअप

कंपनियां सिलिकॉन वैली बैंक में ही अपना खाता रखते थे। अब चूंकि बैंकों में जमा राशि नहीं मिल पाएगी। ऐसे में अगले 30 दिनों में पेरोल चलाने के लिए स्टार्टअप्स के पास कैश नहीं होगा। कर्मचारियों सैलरी देने का भी संकट उभरकर सामने आ गया है। 10 हजार से ज्यादा स्टार्टअप्स पर इसका सीधा असर पड़ेगा। इसलिए अगर एक छोटा स्टार्टअप्स 10 लोगों को भी रोजगार देता है तो 10 हजार के हिसाब से सीधे-सीधे एक लाख लोगों के रोजगार पर संकट है। कंपनियां बंद हो जाएंगी और लोगों की नौकरी चली जाएगी।

अमेरिकी नियामकों ने शुक्रवार को एसवीबी को बंद करने की घोषणा कर दी। कैलफोर्निया में बैंकिंग नियामकों ने बैंको बंद करने के बाद फेडरल डिपॉजिट इन्श्योरेंश कॉरपोरेशन को बैंक के असेट रिसिवर के तौर पर नियुक्त किया है। इस खबर को पूरी दुनिया के बाजार में ग्लोबल मंदी की आहट के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, सेंटा क्लारा स्थित एसवीबी की परेशानी तब शुरू हुई जब उसकी मूल कंपनी एसवीबी फाइनेंशियल ग्रुप ने अपने पोर्टफोलियो से 21 अरब डॉलर की प्रतिभूतियों को बेचने की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि उसकी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए 2.25 अरब डॉलर के शेयरों की बिक्री की जा रही है। विश्लेषकों का कहना है कि स्टार्टअप उद्योग में व्यापक मंदी के कारण बैंक में उच्च जमा निकासी की स्थिति बनी जिसके परिणामस्वरूप यह कदम उठाया गया। फेड की ओर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बाद एसवीबी ने ब्याज से होने वाली आमदनी में बड़ी गिरावट की आशंका जताई थी। दूसरी ओर फेड की ओर से ब्याज दरें बढ़ने से भी एसवीबी बैंक का गणित गड़बड़ हो गया। आखिरकार एसवीबी के बंद होने का सबसे बड़ा कारण उसके निवेशकों की ओर से एक साथ ही बैंक से पैसा निकालना रहा। माना जा रहा है कि निवेशकों ने बैंक के डूबने के डर से एक साथ ही बड़ी बिकवाली कर दी थी। एसवीबी के पास 2021 में 189 अरब डॉलर का डिपॉजिट था। बैंक ने इस पैसे से पिछले 2 वर्षों के दौरान अरबों डॉलर के बॉन्ड खरीदे थे लेकिन इस निवेश पर उसे कम ब्याज दरों के कारण पर्याप्त रिटर्न नहीं मिला। इसी बीच फेडरल रिजर्व बैंक ने टेक कंपनियों के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर दी। इससे बैंक का संकट और बढ़ गया। सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) एक हफ्ते पहले दो अरब डॉलर से अधिक की पूंजी जुटाने में असफल रहा था। उसके बाद वह 2008 के वित्तीय संकट के बाद धराशाई होने वाला अमेरिका का सबसे बड़ा बैंक बन गया। संकट के बीच कंपनी के प्रमुख ग्रेग बेकर ने शुक्रवार को कर्मचारियों को एक वीडियो संदेश में अविश्वसनीय रूप से कठिन बीते 48 घंटों के बारे में बात की और कर्मचारियों को कंपनी के वर्तमान हालात के बारे में बताया।

फरवरी में घटा दो पहिया, तीन पहिया और यात्री वाहनों का निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत से दोपहिया, तीन पहिया और यात्री वाहनों का निर्यात फरवरी में 35 प्रतिशत घट गया है। इसकी मुख्य वजह गंतव्य देशों विशेषकर अफ्रीका महाद्वीप में अमेरिकी डॉलर की तुलना में मुद्राओं में कमजोरी आना है। उद्योग संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले महीने दोपहिया, यात्री वाहन और तीन पहिया वाहनों का निर्यात घटकर 3,01,561 इकाई रह गया जो फरवरी 2022 में 4,63,025 इकाई था। इन आंकड़ों के मुताबिक फरवरी 2022 में 3,75,689 दो पहिया वाहनों का निर्यात हुआ था जो इस वर्ष फरवरी में 37 प्रतिशत घटकर 2,35,087 इकाई रह गया। मोटरसाइकिल निर्यात 2,01,097 इकाई रहा है जो पिछले वर्ष फरवरी में 3,49,221 इकाई था।

हालांकि स्कूटर निर्यात पिछले वर्ष की 24,830 इकाई की तुलना में इस वर्ष फरवरी में बढ़कर 33,378 इकाई पर पहुंच गया। तीन पहिया वाहनों का कुल निर्यात फरवरी 2022 की 35,997 इकाइयों की तुलना में 45 प्रतिशत गिरकर 19,640 इकाई रह गया।

सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, ''बीते कुछ महीनों से दो पहिया, तीन पहिया और वाणिज्यिक वाहनों के निर्यात में गिरावट देखने को मिल रही है क्योंकि कई स्थानों विशेषकर अफ्रीका तथा अन्य विकासशील देशों की मुद्राओं में अवमूल्यन हुआ है। उन्होंने कहा कि ये देश विदेशी कोष की उपलब्धता को लेकर परेशानी का सामना कर रहे हैं जिससे वाहनों की बिक्री सीमित हो रही है और देश आवश्यक वस्तुओं के आयात पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। हालांकि इन बाजारों में उपभोक्ताओं की ओर से वाहनों की मांग बनी हुई है। यात्री वाहनों का कुल निर्यात नौ फीसदी गिरकर 46,486 इकाई रह गया है जो पिछले वर्ष फरवरी में 51,213 इकाई था।

आईआईएसईआर ग्राउंड लेवेल के कर्मचारियों के साथ महिला दिवस मनाया

भोपाल, एजेंसी। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल की महिला कल्याण समिति (डब्ल्यूडब्ल्यूसी) ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के उपलक्ष्य में 06 फरवरी, 2023 को संस्थान के ग्राउंड लेवेल (बागवानी/हाउसकीपिंग/सुरक्षा) कर्मचारियों के लिए एक आर्थिक साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक, भोपाल के वरिष्ठ प्रबंधक श्री पंकज राय ने कार्यशाला का संचालन किया। प्रतिभागियों को प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएमएसवाई, आईपीपीबी दुर्घटना एवं जीवन बीमा योजना, आईपीपीबी बचत खाता, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, आयुष्मान भारत योजना, स्वास्थ्य बीमा योजना, पोस्ट ऑफिस आरडी/एमआईएस की जानकारी देने के साथ बैंक के काम में धोखाधड़ी के बारे में सावधान किया गया। , इन कर्मचारियों के 12 वर्ष और कम उम्र के बच्चों के लिए एक ड्राइंग कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। बच्चों को स्टेशनरी किट दिए गए ताकि वे उत्साहपर्वूक अपनी कला की अभिव्यक्ति करें।

सेबी ने 'स्कोर्स के माध्यम से फरवरी में 2,672 शिकायतों का निस्तारण किया

नई दिल्ली एजेंसी। शेयर बाजार नियामक सेबी ने फरवरी में कंपनियों और बाजार बिचौलियों के खिलाफ कुल 2,672 शिकायतों का अपने मंच 'स्कोर्स के माध्यम से निस्तारण किया। सेबी के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। 'स्कोर्स एक शिकायत निवारण प्रणाली है, जिसे भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने जून 2011 में पेश किया था। सेबी द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार फरवरी की शुरुआत में लगभग 2,603 मामले लंबित थे और इस महीने 2,321 नयी शिकायतें आईं। ये शिकायतें रिफंड (धन वापसी), आवंटन, मोचन और ब्याज व अन्य मामलों से संबंधित थीं। सेबी ने बताया कि फरवरी, 2023 तक सात शिकायतें लगभग तीन महीने से ज्यादा समय से लंबित थीं। ये शिकायतें अनुसंधान विश्लेषक, निवेश सलाहकार, कॉरपोरेट प्रशासन/ सूचीबद्धता शर्तों, गैर-डीमैट, रीमैट और हस्तांतरण/ लाभांश/ अधिकार/ मोचन से संबंधित थीं। सेबी ने कहा कि किसी शिकायत के निस्तारण का औसत समय 30 दिन है।

आरबीआई को ठहरकर फेडरल रिजर्व से अलग रुख अपनाने पर सोचना चाहिए: सौम्य कांति घोष

कोलकाता एजेंसी। आरबीआई को ठहरकर सोचना चाहिए कि क्या वह ब्याज दर में बढ़ोतरी के मामले में अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के अनुसरण हूबहू को जारी रख सकता है। एसबीआई समूह के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने यह बात कही। घोष ने कहा कि उन्हें अल्पावधि में फेडरल रिजर्व के दर वृद्धि चक्र का अंत नहीं दिख रहा है और ऐसे में आरबीआई के लिए अलग सोचने का वक्त है। उन्होंने कहा, मेरा कहना यह है कि क्या हम फेडरल रिजर्व का हूबहू अनुसरण कर सकते हैं? किसी समय तो हमें रुकने और सोचने की जरूरत है कि क्या पहले की दर वृद्धि (आरबीआई द्वारा) का प्रभाव प्रणाली में कम हो गया है... मुझे नहीं लगता कि फेडरल रिजर्व के चक्र का जल्द ही कोई अंत होगा। वह तीन या इससे अधिक बार दरों में बढ़ोतरी कर सकता है। वह यहां भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एक सत्र में बोल रहे थे। देश की मुद्रास्फीति जनवरी 2023 में बढ़कर 6.52 प्रतिशत हो गई, जो आरबीआई के सहनशील स्तर छह प्रतिशत से अधिक है।

एफपीआई ने मार्च में अबतक शेयरों में 13,500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया

नई दिल्ली एजेंसी। विदेशी निवेशकों ने इस महीने अब तक भारतीय शेयर बाजार में 13,500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। इसमें बड़ी हिस्सेदारी अमेरिका की कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स की है जिसने अडानी समूह की कंपनियों में भारी निवेश किया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पहले तक विदेशी पार्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारतीय शेयर बाजारों से निकासी कर रहे थे। फरवरी में उन्होंने 5,294 करोड़ रुपए की और जनवरी में 28,852 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की थी। इससे पहले, दिसंबर में एफपीआई ने शेयरों में 11,119 करोड़

रुपए का शुद्ध निवेश किया था। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि अमेरिका में सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) के दिवालिया होने का असर बाजार में धारणाओं पर पड़ा है, ऐसे में आगे जाकर एफपीआई सतर्क रुख अपना सकते हैं। आंकड़ों के मुताबिक दस मार्च तक एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 13,536 करोड़ रुपए का निवेश किया है। विजयकुमार ने कहा, ''इस निवेश में जीक्यूजी द्वारा अडानी समूह की कंपनियों में किया गया 15,446 करोड़ रुपए का बड़ा निवेश शामिल है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि इस निवेश की वजह दीर्घकालिक समय में भारतीय शेयर बाजारों की बेहतर संभावनाएं हैं।

गोदरेज इंडस्ट्रीज की बांड के जरिए 1,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। गोदरेज समूह की इकाई गोदरेज इंडस्ट्रीज की निजी नियोजन के आधार पर बांड जारी कर 1,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना है। गोदरेज इंडस्ट्रीज ने शुक्रवार को देर रात शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा, कंपनी के निदेशक मंडल की प्रबंधन समिति ने 10 मार्च 2023 को एक लाख तक सूचीबद्ध, असुरक्षित, प्रतिदेय, एनसीडी (गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र) जारी करने की मंजूरी दी। प्रत्येक एनसीडी का अंकित मूल्य एक लाख रुपए होगा और इस तरह कुल 1,000 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे। निर्गम को 25,000 एनसीडी के दो खेपों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक खेप से 250 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे और अधिक अभिदान मिलने की स्थिति में इसे 500 करोड़ रुपए तक बढ़ाने का विकल्प है।

पाकिस्तान की जीडीपी से 3 गुना ज्यादा सोना तो हमारी आलमारी में पड़ा

25000 टन गोल्ड भारतीय महिलाओं के पास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। वजह भी थी, साल 1739 में पर्शिया के शासक नादिर शाह ने दिल्ली पर हमला कर इतना सोना लूटा कि अगले तीन सालों तक वहां किसी तो टैक्स देने की जरूरत नहीं पड़ी। ईरान ही नहीं मुगल शासकों, ब्रिटेन सबने भारत से सोने की लूट की। भारत से सोना लूटने के बाद भी हम सोने के मामले में बड़े-बड़े देशों को पछाड़ देते हैं। भारतीय बैंकों की तुलना में भारत के घरों की आलमारियों, तिजोरियों में अधिक सोना भरा हुआ है। भारतीय महिलाओं का गोल्ड को लेकर शौक किसी से छिपा नहीं है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक भारतीय महिलाएं के पास

करीब 25000 टन सोना है। इस गोल्ड की कीमत 1.4 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 107 लाख करोड़ के आसपास है। भारत सोने के मामले में दुनिया के टॉप देशों को पछाड़ देता है। कुछ आंकड़ों पर गौर करते हैं, जो बताएगा कि भारतीयों के लिए गोल्ड की चाहत कितनी हैं। चीन में 673 टन सोने की ज्वैलरी साल 2021 में खरीदी गई। वहीं भारत में इसी दौरान 611 टन सोने की ज्वैलरी खरीदी गई। 30 से 40 टन सोना तो भारत के लोग अक्षत तृतीया पर खरीद लेते हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक भारतीय महिलाओं के पास 25000 टन सोना है। भारतीय महिलाओं की आलमारी में इतना गोल्ड है, जितना अमेरिका, जर्मनी, रूस जैसे देशों के गोल्ड रिजर्व में नहीं है। इसकी कीमत 107 लाख करोड़ के आसपास है। ये कीमत पाकिस्तान की जीडीपी का तीन गुना है। किसी भी देश की इकोनॉमी के लिए सोना बहुत अहम होता है। गोल्ड रिजर्व किसी भी देश की इकोनॉमी को मजबूती देता है। सोने का रिजर्व करेंसी को मजबूत बनाए रखता है। मजबूत करेंसी से इंपोर्ट-एक्सपोर्ट में आसानी से होती है। व्यापार बढ़ने से महंगाई कम होती है और देश की जीडीपी में बढ़ोतरी होती है। यानी सोना किसी भी देश की इकोनॉमी को मजबूती देने के लिए अहम है। भारतीय घरों में रखे सोने की कीमत भारत की जीडीपी का 45 फीसदी है।

इस मामले में 8 देशों से आगे हैं हम

भारतीय महिलाओं के पास जितना सोना है, उतना अमेरिका, जर्मनी समेत 8 देशों के केंद्रीय बैंकों के पास भी नहीं है। साल 2021-22 के वर्ल्ड गोल्ड रिजर्व के आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका के केंद्रीय बैंक में 8133.47 टन गोल्ड रिजर्व है। वहीं जर्मनी के पास 3358.50 टन सोना रिजर्व में है। रूस के पास 2301.64 टन सोना बैंक में है। चीन के पास 1948 टन सोना गोल्ड रिजर्व हैं। वहीं भारत में आरबीआई के पास 760.40 टन सोना रिजर्व में है। भारत में आज भी पुराने और पुस्तैनी तरीके से सोने की ज्वैलरी घरों में रखने का चलन है। लोग अपनी आने वाली पीढ़ियों को अपने गहने देते हैं। ये चलन सालों से चलता आ रहा है। इसलिए भारतीय बैंकों की तुलना में भारतीय घरों की आलमारी में सोना ज्यादा भरा हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास 760.42 मिट्रिक टन सोने का रिजर्व है जिसकी कीमत 41 बिलियन डॉलर है।

विराट कोहली ने शतक जड़ने के साथ लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

● बाबा महाकाल ने सुन ली... माथा टेकते ही खुले कोहली के भाग्य, साढ़े तीन साल बाद लगाया टेस्ट शतक ● लारा को छोड़ा पीछे, सचिन के और करीब पहुंचे

अहमदाबाद (एजेंसी)। कर्म के साथ जब धर्म भी जुड़ जाए तो वहां अटूट विश्वास पैदा हो जाता है और यही विश्वास मनुष्य को बड़ी सफलता दिलाने के लिए काम होता है। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली को ही ले लीजिए, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट से पहले उज्जैन स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए और लगता है कि अवंतिकनाथ ने उनकी सुन ली। 1204 दिन के इंतजार के बाद उनके बल्ले से टेस्ट शतक निकला है। नवंबर 2019 के बाद से उन्होंने कई अच्छी पारियां खेली, शतक के करीब भी गए, लेकिन सेंचुरी नहीं बना पाए। मगर अब तीन साल, तीन महीने और 17 दिन का सूखा खत्म हो चुका है।

खास था 28वां टेस्ट शतक – विराट कोहली का आखिरी टेस्ट शतक नवम्बर 2019 में कोलकाता में बांग्लादेश के खिलाफ आया था, वह भारत का पहला डे-नाइट टेस्ट मैच था। पिंक बॉल से खेले गए उस ऐतिहासिक मुकाबले के बाद विराट ने वनडे शतकों का सूखा खत्म किया। टी-20 में भी अपनी पहली सेंचुरी लगा दी, लेकिन रेड बॉल फॉर्मेट का सूखा खत्म नहीं हो पा रहा था। ऑस्ट्रेलिया के 480 रन के जवाब में भारत को ऐसे ही शतक की तलाश थी, कोहली की यह सेंचुरी वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल के लिहाज से बेहद अहम मैच में आई। बाबा महाकाल के दर से पहले विराट सपरिवार कैंची धाम वाले नीम करोली बाबा और वृंदावन के बाबा प्रेमानंद गोविंद शरण महाराज के दर पर देखे जा चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक

सचिन तेंदुलकर- 20
विराट कोहली- 16
ब्रायन लारा- 12

75वीं इंटरनेशनल सेंचुरी – विराट कोहली क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में शतक बनाने वाले कुछ चुनिंदा प्लेयर्स में से एक हैं। यह टेस्ट में उनकी 28वीं सेंचुरी थी। वनडे में 46 शतक जमा चुके हैं। टी-20 इंटरनेशनल में भी उनके नाम एक शतक है, इस तरह 75 अंतरराष्ट्रीय शतकों के साथ वह सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड 100 शतकों के और नजदीक जा रहे हैं। तीसरे नंबर पर संन्यास ले चुके ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोटिंग (71), चौथे पर श्रीलंका के कुमार संगाकार (63) और पांचवें क्रम पर साउथ अफ्रीकी जैक्स कैलिस (62) हैं।

इंडिया ने 571 बनाए, 91 रन की बढ़त मिली

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट के चौथे दिन 289/3 के स्कोर के आगे खेलना शुरू किया और दिन के पहले सत्र की शुरूआत के कुछ मिनटों बाद ही जडेजा का विकेट गिर गया। भारत ने गिल (128) और कोहली (186) के शतकों की बदौलत 571 रन बनाते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में 91 रन की बढ़त हासिल की। रोहित शर्मा और शुभमन गिल क्रीज पर मौजूद रहे और टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक विकेट नहीं गंवाया। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने उस्मान ख्वाजा (180) और कैमरन ग्रीन (114) की शतकीय पारियों की बदौलत पहली पारी में 480 रन बनाए। भारत की तरफ से रविचंद्रन अश्विन ने छह जबकि मोहम्मद शमी ने 2 विकेट चटकाए। इससे पहले सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (104 नाबाद) के शानदार शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को चार विकेट के नुकसान पर 255 रन बनाकर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली। सीरीज में दो अर्द्धशतक बना चुके ख्वाजा ने भारत में पहला टेस्ट शतक जड़ते हुए 251 गेंद पर 15 चौकों की बदौलत 104 रन बनाए। ख्वाजा पिछले 12 साल में भारत में टेस्ट शतक जड़ने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई वामहस्त बल्लेबाज हैं। इससे पहले मार्कस नॉर्थ ने 2010/11 दौरे पर बेंगलुरु टेस्ट में शतक जड़ा था। ऑस्ट्रेलिया के अन्य बल्लेबाज पिच पर पांव जमाने के बाद आउट होते गए, लेकिन कैमरन ग्रीन ने अंत में 64 गेंद पर आठ चौकों की मदद से 49 रन की पारी खेल डाली। स्टंप्स तक ख्वाजा और ग्रीन के बीच पांचवें विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी हो चुकी है और दोनों क्रीज पर मौजूद हैं। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच बाकी तीन मैचों से बिलकुल अलग मिली। पिच ने पहले सत्र में स्पिन गेंदबाजों को अत्यधिक मदद नहीं दी। शुरुआती ओवरों में उमेश यादव की गेंद दो बार ट्राविस हेड के बल्ले को छूती हुई भी निकली लेकिन विकेटकीपर श्रीकर भरत उसे लपक नहीं सके।

नहीं पता ऐसे विकेट पर दोबारा कब बल्लेबाजी करने का मौका मिलेगा: शुभमन गिल

अहमदाबाद (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में घरेलू सरजमीं पर अपना पहला टेस्ट शतक जड़ने वाले युवा भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा कि वह बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की अब तक की बल्लेबाजी की सबसे अनुकूल पिच पर ढीले शॉट नहीं खेलने के लिए प्रतिबद्ध थे। गिल ने शनिवार को यहां खेल के तीसरे दिन 235 गेंद में 128 रन की पारी खेली। 'बीसीसीआई.टीवी' पर डाले गए वीडियो में गिल ने अपने साथी खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा को दिए साक्षात्कार में कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं सोच रहा था कि मुझे नहीं पता कि मुझे इस तरह का विकेट दोबारा कब मिलेगा। मैं खराब शॉट खेलकर इस मौके को गंवाना नहीं चाहता था। यही मेरे दिमाग में चल रहा था। उन्होंने कहा, 'भारत में टेस्ट शतक बनाकर बहुत अच्छा लगता है। यह मेरा पहला शतक (स्वदेश में) है और इसे भारत में आईपीएल के अपने घरेलू मैदान पर बनाना शानदार है।

गिल ने 2023 में स्वप्निल प्रदर्शन करते हुए सभी प्रारूप में में शतक बनाए हैं। उनका पहला टेस्ट शतक दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ चटगांव टेस्ट में आया था। तीसरे दिन के खेल के दौरान स्पिनरों को कुछ मदद मिल रही थी। गिल ने कहा कि उनकी रणनीति स्पिनरों के खिलाफ सतर्कता बरतने और इसकी भरपाई तेज गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामकता दिखाकर करने की थी।

उन्होंने कहा, 'मैं स्पिनरों के खिलाफ खुद को रोक रहा था और मैं तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी ऐसा नहीं कर सकता था। आपको इसे संतुलित करना होगा और मैं यही करने की कोशिश कर रहा था। गिल ने कहा, 'मैं सकारात्मक होने की कोशिश कर रहा था और एक रन लेने तथा खराब गेंद पर रन बनाने का इंतजार कर रहा था। गिल और पुजारा की जोड़ी ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 113 रन जोड़े।

फ्रेंच लीग

एमबाप्पे के गोल से पीएसजी ने ब्रेस्ट को 2-1 से हराया

पेरिस (एजेंसी)। काइलियान एमबाप्पे के अंतिम लम्हों में दागे गोल की बदौलत पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने शनिवार को ब्रेस्ट को 2-1 से हराकर फ्रेंच फुटबॉल लीग के शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की। एमबाप्पे ने 90वें मिनट में लियोनल मेस्सी के थ्रोबॉल को ब्रेस्ट के गोलकीपर मार्को बिजोट को छकाते हुए गोल में पहुंचाया। एमबाप्पे हालांकि भाग्यशाली रहे कि हैरिस बेलकेबला को 85वें मिनट में किक मारने के बावजूद उन्हें मुकाबले से बाहर नहीं किया गया। पीएसजी को 37वें मिनट में कार्लोस सोलेर ने बढ़त दिलाई जिसके बाद फ्रेंक होनोरेट ने 43वें मिनट में गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। पीएसजी की टीम 27 मैच में 66 अंक के साथ शीर्ष पर है। उसने दूसरे स्थान पर मौजूद मार्सेले पर 11 अंक की बढ़त बना रखी है जिसने उससे एक मैच कम खेला है।

विकेट लेने का जश्न मनाना पड़ा भारी, अस्पताल पहुंचा खिलाड़ी, विश्व कप से हो सकता है बाहर

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। स्टार दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर केशव महाराज एकदिवसीय विश्व कप के 2023 संस्करण में नहीं खेल पाएंगे, जो इस साल के अंत में अक्टूबर और नवंबर के दौरान भारत में होने वाला है। इस 33 वर्षीय स्पिनर को शनिवार (11 मार्च) को जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन एक अजीब चोट लगी थी। दूसरी पारी में 2.5 ओवर में चार रन देकर दो विकेट चटकाने वाले इस स्टार स्पिनर ने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी के 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर कैरेबियाई ऑलराउंडर काइल मेयर्स को आउट करने के बाद जश्न मनाते हुए खुद को चोटिल कर लिया जिसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर डालकर मदान से बाहर ले जाना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान रहे महाराज को सर्जरी की आवश्यकता होगी और मेयर्स के विकेट का जश्न मनाने के दौरान अपनी बाई एड़ी में एच्लीस टेंडन को चोटिल करने के बाद क्रिकेट से लंबी अनुपस्थिति का सामना करना पड़ेगा। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को कहा कि उनकी टेंडन पूरी तरह टूट गई है और वह सोमवार को सर्जन से मिलेंगे।

महाराज ने 19वें ओवर की पांचवीं गेंद पर मेयर्स के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील की थी, लेकिन मैदानी अंपायरों ने इसे नॉट आउट करार दिया। महाराज ने तब अंपायर की कॉल को चुनौती दी और डीआरएस का विकल्प चुना और समीक्षा सफल रही। दूसरे विकेट की पुष्टि के बाद महाराज जश्न मनाने के लिए दौड़ते हुए कदम उठाया, फिर अचानक फर्श पर गिर गए और अपने बाएं पैर को पकड़ लिया। वह दर्द से कराहते हुए अपने पेट के बल लेट गए।

दक्षिण अफ्रीका की श्रृंखला-284 रन की जीत में अपना दूसरा विकेट हासिल करने के बाद असामान्य चोट ने महाराज को वांडरर्स मैदान से स्ट्रेचर पर ले जाया। बाद में वह बैसाखी पर दिखाई दिए। दूसरी पारी के अधिकांश समय तक महाराज की अनुपस्थिति के बावजूद, दक्षिण अफ्रीका को ज्यादा समस्या का सामना नहीं करना पड़ा और उन्होंने मेहमान टीम को 35.1 ओवर में 106 रन पर आउट कर दूसरा मैच 284 रन से जीत लिया।

चौथे टेस्ट में खालिस्तानी धमकी का मामला, पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात पुलिस ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले नरेंद्र मोदी स्टेडियम में घुसने की धमकी देने वाले एक खालिस्तान समर्थक समूह द्वारा कथित तौर पर जारी किए गए वीडियो और आवाज संदेश के मामले में मध्य प्रदेश के रीवा जिले से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा और अंतिम टेस्ट नौ मार्च से अहमदाबाद में शुरू हुआ। अधिकारी ने कहा कि अहमदाबाद पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने पड़ोसी राज्य के रीवा में संदेश की उत्पत्ति का पता लगाया और वहां से दो लोगों को गिरफ्तार किया। बड़ी संख्या में भेजे गए संदेश में लोगों से घर पर सुरक्षित रहने का आग्रह किया गया था क्योंकि खालिस्तान समर्थक समूह ने क्रिकेट स्टेडियम में घुसने और अपना झंडा लगाने की योजना बनाई थी।

रीवा जिले से दो लोग गिरफ्तार – यह संदेश भारत-ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले जारी किया गया था जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथोनी अल्बानीज भी स्टेडियम पहुंचे थे। सहायक पुलिस आयुक्त (साइबर अपराध) जितेंद्र यादव ने कहा, 'हमने रीवा जिले से दो लोगों को गिरफ्तार किया है और कॉल स्पूफिंग के लिए वहां स्थापित एक सुविधा का भंडाफोड़ किया है। हमने सुविधा से धमकी भरे वीडियो संदेश का पता लगाया और 11 सिम बॉक्स, लगभग 300 सिम कार्ड, चार से पांच राउटर बरामद किए। उन्होंने आरोपियों की पहचान राहुल कुमार और नरेंद्र कुशवाहा के रूप में की जो मध्य प्रदेश के सतना के रहने वाले हैं। यादव ने कहा, 'धमकी एक रिकॉर्ड किए गए संदेश के जरिए दी गई थी। कॉल को जंप किया गया था और इस तरह से स्पूफ किया गया कि उनका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। हमने उस केंद्र का भंडाफोड़ किया है जहां से कॉल स्पूफ किया जा रहा था। आगे की जांच से पता चलेगा कि कौन लोग इसके पीछे हैं।

शैफाली की तेजतर्रार पारी से कप्तान लेनिंग भी हैरान

कहा- ऐसी इनिंग की किसी ने भी उम्मीद नहीं की होगी

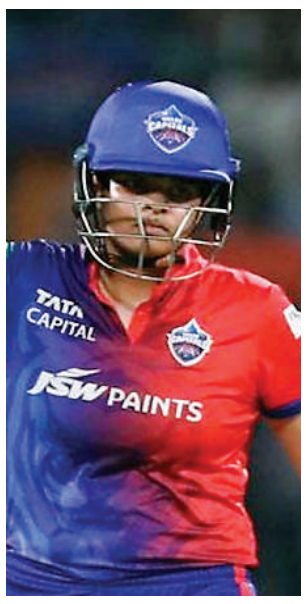

मुंबई (एजेंसी)। शैफाली वर्मा की दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से लक्ष्य का पीछा करते हुए 28 गेंद में नाबाद 76 रन की तेजतर्रार पारी से उनकी प्रेरणादायी कप्तान मेग लेनिंग भी हैरान हैं। लेनिंग ने स्वीकार किया कि विस्फोटक बल्लेबाज शैफाली ने शनिवार को गुजरात जाइंट्स के खिलाफ जो पारी खेली उसकी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में किसी को उम्मीद नहीं होगी। दिल्ली की मारिजेन कैप ने 15 रन देकर पांच विकेट चटकाए जिससे गुजरात की टीम निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 105 रन ही बना सकी। इसके बाद शैफाली ने 10 चौकों और पांच छक्कों से गुजरात की गेंदबाजी को ध्वस्त किया और लेनिंग (नाबाद 21) के साथ मिलकर टीम को 10 विकेट से जीत दिलाई। लेनिंग ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, 'मैंने उम्मीद नहीं की थी कि शैफाली ऐसी पारी खेलेगी, मुझे नहीं लगता कि किसी और ने भी उम्मीद की होगी।

उन्होंने कहा, 'वह अपने मजबूत पक्ष के अनुसार खेली और अपनी भूमिका निभाई। जब टी20 क्रिकेट में ऐसा होता है तो आपको बस इसके साथ जाना होता है। दिल्ली की कप्तान ने कहा कि पिच से शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिली। उन्होंने कहा, 'पिच से नई गेंद की गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। अगर आप गेंद सही लाइन और लेंथ से करते हैं जो हमने महसूस किया कि मदद मिल रही थी।

लेनिंग ने कहा, 'लेकिन शैफाली ने विकेट को समीकरण से बाहर कर दिया, उसने खुद का समर्थन किया, अपने मजबूत पक्षों के अनुसार खेली, स्थिर रही और सीधे हिट किया। इन विकेटों पर अगर आप ऐसा करते हैं तो आप सफल होंगे। मुझे दूसरे छोर पर खड़े होकर उसे अपना काम करते देखना अच्छा लगता है।

लेनिंग ने मारिजेन कैप की भी 5 विकेट चटकाने के लिए प्रशंसा की जिन्होंने दिल्ली की टीम की जीत का मंच तैयार किया। गुजरात जाइंट्स की मुख्य कोच रेशेल हेन्स ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने सोफिया डंकले को टीम में शामिल नहीं करके गलती की जिनकी 65 रन की पारी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ अंतर पैदा किया था।

हेन्स ने कहा, 'मारिजेन एक बेहतरीन गेंदबाज हैं और मैं उनसे कुछ भी नहीं छीनना चाहती। एक ऐसी बल्लेबाज को बाहर करना जिसने पिछले मैच में प्रदर्शन किया था, मुझे यकीन नहीं है कि यह सही फैसला था। उन्होंने कहा, 'इस टूर्नामेंट में हमारे पास दो खिलाड़ी हैं जिन्होंने अर्धशतक बनाए और डंक (सोफिया डंकले) की पारी शायद सबसे अच्छी टी20 पारियों में से एक थी जिसे मैंने पिछले काफी समय में देखा है। हमें इस प्रतियोगिता में फॉर्म में चल रही खिलाड़ियों की जरूरत है, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी सबसे अधिक गेंदों का सामना करें।

पीएम मोदी ने सानिया को शानदार करियर के लिए दी बधाई, लिखा -

आपकी उत्कृष्टता में दुनिया ने भारत की खेल प्रतिभा की झलक देखी

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा को उनके शानदार करियर के लिए बधाई देते हुए कहा कि उनकी उत्कृष्टता में दुनिया ने भारत की खेल प्रतिभा की एक झलक देखी। सानिया ने अपने करियर में छह ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं, उन्होंने पिछले महीने दुबई में अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलने के बाद टेनिस को अलविदा कह दिया था। उन्हें बधाई संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि सानिया ने भारतीय खेलों पर एक अमिट छाप छोड़ी है जो आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरित करती रहेगी। युगल में दुनिया की नंबर एक रैंकिंग पर रह चुकी सानिया ने नौ मार्च को अपने ट्विटर हैंडल पर इस बधाई संदेश को पोस्ट किया। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, ''टेनिस प्रेमियों के लिए यह समझना मुश्किल होगा कि अब से आप पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर नहीं खेलेंगी।

एंजेलो मैथ्यूज का शतक

न्यूजीलैंड को जीत के लिए चाहिए 257 रन, श्रीलंका को 9 विकेट की दरकार

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज के शतक से श्रीलंका ने पहले क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन रविवार को यहां न्यूजीलैंड को 285 रन का लक्ष्य दिया जिसने एक विकेट पर 28 रन बना लिए हैं। मैथ्यूज (115) ने 35 साल की उम्र में अपना 101वां टेस्ट खेलते हुए 14वां शतक जड़ा जिससे श्रीलंका ने दूसरी पारी में 302 रन बनाए। श्रीलंका ने पहली पारी में 355 रन बनाए थे जिसके जवाब में न्यूजीलैंड ने 373 रन का स्कोर खड़ा किया था।

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने डेवोन कॉन्वे (05) का विकेट गंवाया जिन्होंने कासुन रजिता को उन्हीं की गेंद पर कैच थमाया। दिन का खेल खत्म होने पर सलामी बल्लेबाज टॉम लैथम 11 और केन विलियमसन सात रन बनाकर खेल रहे थे। न्यूजीलैंड को अंतिम दिन जीत के लिए 257 रन जबकि श्रीलंका को नौ विकेट की दरकार है।

श्रीलंका अगर जीत दर्ज करता है तो न्यूजीलैंड में यह उसकी सिर्फ तीसरी जीत होगी और उसकी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की उम्मीद जीवंत रहेगी। श्रीलंका ने दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 83 रन से की। टीम ने सुबह के सत्र में धीमी बल्लेबाजी की और रात्रि प्रहरी प्रबाथ जयसूर्या (06) का विकेट गंवाने के बाद लंच तक चार विकेट पर 150 रन बनाए।

मैथ्यूज ने उछाल लेती और मूव होती गेंद के खिलाफ डटकर बल्लेबाजी की। उन्होंने 235 गेंद की अपनी पारी में 11 चौके मारे। उन्होंने दिनेश चांदीमल (42) के साथ पांचवें विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी की। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे धनंजय डिसिल्वा ने भी नाबाद 47 रन बनाकर टीम का स्कोर 300 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

नील वैगनर कमर में दर्द और पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण चौथे दिन गेंदबाजी नहीं कर पाए। न्यूजीलैंड की ओर से ब्लेयर टिकनर ने 100 रन देकर चार विकेट चटकाए। मैट हेनरी ने 71 रन पर तीन जबकि कप्तान टिम साउथी ने 57 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

तीन कांस्य पदक काफी हैं, अब स्वर्ण पदक जीतकर मिथक तोड़ना चाहती हूं: लवलीना

नई दिल्ली(एजेंसी)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को पूरा भरोसा है कि अधिक वजन वर्ग में खेलने से उन्हें इस महीने के अंत में शुरू होने वाली आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप से किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक नहीं जीत पाने के मिथक को तोड़ने में मदद मिलेगी। वह 15 मार्च से यहां शुरू होने वाली महिला विश्व चैम्पियनशिप के 75 किग्रा वजन वर्ग में हिस्सा लेंगी जबकि पिछली दो विश्व चैम्पियनशिप में उन्होंने 69 किग्रा वजन वर्ग में कांस्य पदक जीता था और 2020 तोक्यो ओलंपिक में भी इसी वजन वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया था।

इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत की शीर्ष मुक्केबाज निकहत जरीन का ध्यान भी अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखने पर होगा जबकि लवलीना भी शीर्ष स्थान हासिल नहीं कर पाने का मिथक तोड़ना चाहेंगी। असम की 25 साल की मुक्केबाज ने 2018 और 2019 महिला विश्व चैम्पियनशिप दोनों में तीसरा स्थान हासिल किया था और फिर 2020 तोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता था। जिससे लोगों ने कहना शुरू कर दिया कि यह प्रतिभाशाली मुक्केबाज अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं कर रहीं। लेकिन लवलीना ने इससे इनकार किया और कहा कि उनकी प्रतिबद्धता हमेशा रिंग में अपना शत प्रतिशत देने की होती है।

लवलीना ने अपने सभी तीनों कांस्य पदक 69 किग्रा में जीते हैं लेकिन वह आगामी चैम्पियनशिप में 75 किग्रा में हिस्सा लेंगी।

संक्षिप्त खबरें

जैतपुरा में हार्डवेयर की दुकान में लगी आग, मजदूर की झुलसकर मौत; 4 घंटे बाद आग पर पाया काबू

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के जैतपुर इलाके में शनिवार शाम एक हार्डवेयर की दुकान में आग लग गई। मामले की सूचना के बाद स्थानीय पुलिस के साथ दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल ने करीब चार घंटे बाद आग पर काबू पाया। हादसे में दुकान में काम करने वाले एक शख्स की मौत हो गई। जैतपुर थाना पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे लेकर मामले में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस उपायुक्त राजेश देव ने बताया की मृतक कुंदन(22) अपने परिवार के साथ जैतपुर के खड्डा कालोनी में रहते थे। परिवार में पिता कन्हैया और भाई चंदन शामिल है। चंदन ने बताया की कुंदन गुरुद्वारा रोड स्थित हार्डवेयर की दुकान में काम करता था। दुकान पुनीत गोयल की है। पुनीत अपने परिवार के साथ हरीनगर एक्सटेंशन में रहते हैं। पुलिस ने बताया की शनिवार दोपहर दुकान में कुंदन मौजूद थे। उसी समय आग लग गई। दुकान में ज्वलनशील पदार्थ होने के चलते आग तेजी से फैल गई और पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। लोगों ने दुकान में आग लगी देख कर पुलिस को मामले की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। दमकल की पांच गाड़ियों को भी मौके पर भेजा गया। दमकल की टीम ने आग पर काबू पाने का काम शुरू किया और करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग पर काबू पाने के बाद पुलिस और दमकल की टीम दुकान में घुसी तो वहां कुंदन का शव पड़ा हुआ था। उनकी आग में झुलसने से मौत हो गई थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने चंदन के बयान पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। खबर लिखे जाने तक मौके पर दक्षिण पूर्वी जिले की क्राइम टीम और रोहिणी की एफएसएल टीम मौजूद थी।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर विधायक की फॉर्च्यूनर में मारी टक्कर, एयरबैग खुलने से टला बड़ा हादसा

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेस-वे पर जेवर टोल प्लाजा से पहले हुए हादसे में मथुरा के गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र से विधायक मेघश्याम सिंह की फॉर्च्यूनर में तेज रफ्तार वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। घटना में गाड़ी चला रहे नरेश सिंह घायल हो गए। नरेश सिंह को विधायक का भाई बताया जा रहा है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने बताया कि आगरा की तरफ जाते वक्त जेवर टोल प्लाजा से पहले फॉर्च्यूनर में किसी वाहन ने टक्कर मार दी। इस कारण फॉर्च्यूनर कार अनियंत्रित होकर पलट गई। कार को नरेश सिंह चला रहे थे। कार में अन्य कोई व्यक्ति नहीं था। कार में लगा एयरबैग खुलने से उन्हें अधिक चोट नहीं लगी। उन्हें गर्दन व सिर में हल्की चोट लगी थी। उपचार के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। टक्कर मारने वाले वाहन का अभी पता नहीं चल सका है। एक्सप्रेस वे पर लगे सीसीटीवी की जांच कर अज्ञात वाहन के बारे में जानकारी की जाएगी। नरेश सिंह की तरफ से अभी कोई शिकायत नहीं दी गई है।

अब दिल्ली से नोएडा डीएनडी टोल की 6 लेन में आ सकेगा ट्रैफिक, जाम से मिलेगी राहत

नोएडा, एजेंसी। आश्रम फ्लाईओवर वाहनों के लिए खुलने से राहत तो मिल गई है, लेकिन अब नई दिक्कतें वाहन चालकों की राह रोक रही हैं। दिल्ली से आने वाले वाहन चालकों को डीएनडी टोल व फिल्म सिटी के पास जाम का सामना करना पड़ रहा है। टोल पर लगने वाले जाम को खत्म करने के लिए डीएनडी टोल की दो लेन बढ़ा खोल दी गई है। अब दिल्ली से डीएनडी टोल की छह लेन से ट्रैफिक नोएडा की ओर आ सकेगा।आश्रम फ्लाईओवर के खुलने से दिल्ली की डीएनडी पर वाहन तेजी से पहुंच रहे हैं। बड़ी संख्या में वाहन एक साथ पहुंचने के चलते यहां बोटलनेक जैसी स्थिति बनती है। टोल पर बड़ी संख्या में बस भी गुजरती है। इसके चलते पीछे से आ रहे वाहन नहीं निकल पाते और जाम बढ़ता चला जाता है। इस कारण डीएनडी के दो लेन को शुक्रवार रात से आवागमन के लिए खोल दिया गया है। वहीं दिल्ली से नोएडा की तरफ आने वाले छह लेन को टोल प्लाजा के पास खुले रखने को लेकर अब मंगलवार को फैसला लिया जाएगा। क्योंकि सोमवार को डीएनडी पर आने वाले हैवी ट्रैफिक का आंकलन किया जाएगा। शुक्रवार और शनिवार को दफ्तर, फैक्ट्री, स्कूल, कालेज में अवकाश होने व सोमवार को कार्यदिवस होने से नोएडा-दिल्ली के बीच करीब सात लाख वाहनों की आवाजाही होती है। एम्स तक सिग्नल फ्री होने के कारण अधिकांश वाहन चालक इस मार्ग पर फरार्टा भरते हुए गंतव्य की ओर निकलेंगे। इस कारण सोमवार को भी यहां अच्छा खासा वाहनों का दबाव देखने को मिलेगा। सेक्टर-77 मंडी मार्केट, सेक्टर-100/104 स्टर्लिंग-एज माल, लोटस बुलेवर्ड तिराहा, सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन, सेक्टर-67/68 स्थित हल्दीराम, डीएस ग्रुप मार्ग पर अनाधिकृत, नो पार्किंग में खड़े एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले भारी वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। सेक्टर-12 साईंकृपा बाल कुटीर में विद्यार्थियों को यातायात नियमों व संकेतों के प्रति जागरूक किया। नोएडा डीसीपी ट्रैफिक अनिल कुमार यादव ने बताया कि आश्रम फ्लाईओवर से डीएनडी मार्ग से डायवर्जन हटते ही अचानक वाहनों का दबाव बढ़ गया है। ट्रैफिककर्मी को तैनात कर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास प्रयास रहता है। खराब वाहनों को हराने के लिए क्रेन की भी तैनाती की जाएगी।

बजट सत्र से पहले कांग्रेस का बड़ा कदम, राज्यसभा में प्रमोद तिवारी को पार्टी का उपनेता, तो रजनी को बनाया सचेतक

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने शनिवार को राज्यसभा में प्रमोद तिवारी को पार्टी का उपनेता और रजनी पाटिल को सचेतक नियुक्त करने को मंजूरी दे दी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह जानकारी दी। जयराम रमेश ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से ट्वीट किया कि कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने प्रमोद तिवारी को राज्यसभा में पार्टी का उपनेता और रजनी पाटिल को सचेतक नियुक्त करने को स्वीकृति दी। प्रमोद तिवारी तीन बार से राज्यसभा सदस्य हैं और उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं, जबकि रजनी पाटिल महाराष्ट्र से दूसरी बार राज्यसभा सदस्य हैं। रजनी पाटिल फिलहाल अनियंत्रित व्यवहार के लिए संसद के पूरे बजट सत्र में राज्यसभा से निलंबित हैं। कांग्रेस ने बजट सत्र का दूसरा चरण शुरू होने से पहले प्रमोद तिवारी और रजनी पाटिल की नियुक्तियों को लेकर बड़ा कदम उठाया है। बजट सत्र का दूसरा चरण 13 मार्च से शुरू होने वाला है। पहले चरण की कार्यवाही (लोकसभा और राज्यसभा) को 13 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। पहले चरण में हिडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर विपक्षी सदस्यों ने संसद में जमकर हो-हल्ला किया था। बजट सत्र के पहले चरण में प्रमोद तिवारी का एक बयान भी खूब चर्चा में रहा था। दरअसल, उन्होंने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से पूछा था कि आपने कितनी बार प्यार किया है? चूंकि हर कोई आपसे प्यार करता है। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने आपके लिए एक कविता पढ़ी है। इसको लेकर धनखड़ ने कोई जवाब तो नहीं दिया था, लेकिन चेहरे पर मुस्कान बिखरी हुई थी।

एलजी का सीएम को पत्र, कहा- दिल्ली में किस तरह के पानी की हो रही है आपूर्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर बताया है कि दिल्ली के करीब एक तिहाई आबादी को पानी आपूर्ति करने वाले वजीराबाद जल शोधन संयंत्र में साफ सफाई की हालत दैयनीय है। पत्र में कहा है कि संयंत्र के उपकरणों पर जंग लगी है और कचरा भरा है। शोधन के बाद पानी आपूर्ति के लिए बनने चेंबर में भी जंग और दाग है। करीब पांच वर्षों से वजीराबाद बैराज के पास के जलाशय की बिल्कुल सफाई नहीं हुई है। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूछा है कि दिल्ली के लोगों को किस तरह के पानी की आपूर्ति हो रही है। पत्र में कहा गया है कि गहरे पीड़ा के भाव से वह मुख्यमंत्री से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हैं। उन्होंने जल शोधन संयंत्र और जलाशय की साफ सफाई में लारपरवाही को आपराधिक कृत करार दिया है और इसके लिए जिम्मेदार

अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी सिफारिश की है। उन्होंने पत्र में कहा है कि वह नौ मार्च को वजीराबाद जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण करने गए थे। इस दौरान संयंत्र की हालत दयनीय दिखी। उपकरणों पर जंग और कचरा जमा है। पानी के शोधन के दौरान निकलने वाले कचरे के स्टोरेज के लिए बने टैंक में शराब के बोतल, सिगरेट के पैकेट इत्यादि भरा है। पानी के शोधन के बाद आपूर्ति के लिए बने चेंबर में स्वच्छता की कमी है। इस पर सवाल उठाते हुए उन्होंने लिखा है कि क्या यह लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ नहीं है? क्या यह देश की राजधानी के लिए उचित है? वजीरबाद बैराज के पास 250 मिलियन गैलन क्षमता का जलाशय है। इसमें गाद भरे होने के कारण की पानी स्टोरेज क्षमता करीब 93 प्रतिशत घटकर सिर्फ 16 मिलियन गैलन रह गई है। जल बोर्ड के अधिकारियों ने इसका कारण यह बताया कि 30 जून 2018 के बाद इस जलाशय के गाद की सफाई नहीं हुई है। वर्ष 2013 में गाद की सफाई के लिए जल बोर्ड ने एक ठेकेदार को नियुक्त किया था। तब आठ माह में 7.79 क्युम गाद निकाला जाना था। दो चरणों में 6.15 क्युम गाद निकाला गया। जून 2018 के बाद कभी सफाई नहीं हुई। इस वजह से जलाशय की गहराई 4.26 मीटर से घटकर मात्र 0.42 मीटर रह गई। इसका पानी आपूर्ति पर असर पड़ा है। हाल ही में होली के दौरान पानी आपूर्ति कम होने का कारण जल बोर्ड ने यमुना का जल स्तर कम होना बताया था। उन्होंने सवाल पूछा कि क्यों पिछले आठ वर्षों में जलाशय के ठीक से गाद नहीं निकाले गए। इस वजह से नौ लाख 12 हजार 500 मिलियन गैलन पानी के नुकसान को क्या दिल्ली झेल के लिए तैयार है? उन्होंने दिल्ली सरकार को तुरंत जल शोधन संयंत्र के जलाशय की सफाई कराने और गाद निकलवाने का निर्देश दिया है।

टीबी उन्मूलन में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका

भोपाल। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुसार सभी देशों ने वर्ष 2030 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत सरकार ने वर्ष 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है और इसे पूरा करने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु यह आवश्यक है कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, जन-भागीदारी को सुनिश्चित करने हेतु मीडिया की एक प्रमुख भूमिका है, इस तारतम्य मे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्य प्रदेशके द्वारा 2025 तक टीबी करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में मीडिया को इस जन आंदोलन में शामिल करने हेतु दिनांक 10 मार्च 2023 को मीडिया सहभागितासत्र का आयोजन किया, कार्यक्रम में श्री मंगूभाई पटेल और मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के वीडियो संदेश शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.प्रभुराम चौधरी, माननीय मंत्री, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, मध्य प्रदेशद्वारा की गई । कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ प्रभुराम चौधरी जी के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया तत्पश्चात सु-श्री प्रियंका दास एम डी एन एच एमके द्वारा माननीय मंत्री का स्वागत किया गया, कार्यक्रम मे डॉ वर्षा राय राज्य क्षय अधिकारी ने सु-श्री प्रियंका दास एम डी एन एच एम एवं डॉ सचदेवा का स्वागत किया। डॉ. प्रभुराम चौधरी मंत्री, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, मध्य प्रदेश ने इस अवसर पर सभी को प्रोत्साहित करते हुए जन भागीदारी पर ज्यादा केंद्रित होकर टीबी को खत्म करने हेतु राज्य की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने बताया कि यह आवश्यक है कि टी बी उन्मूलन हेतु समाज के सभी वर्गों को साथ मे आना होगा इसमे मीडिया भी अहम भूमिका निभा रहा है, वर्तमान मे प्रधानमंत्री जी के आव्हान पर प्रदेश के राज्यपाल मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री अन्य जन प्रतिनिधि, सरकारी अधिकारी, व्यक्तिगत, सामाजिक संगठन कॉर्पोरेट आदि प्रधान मंत्री टी बी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत टी बी रोगियों को नियमित पोषण आहार हेतु गोद लेकर मदद प्रदान कर रहे है, इस हेतु प्रत्येक जिले मे टी बी रोगियों को फूड बास्केट का वितरण किया जा रहा है। इसके साथ ही साथ आज भी समाज मे टी बी रोगी के प्रति भेदभाव, भ्रांति है अतः मीडिया लोगों को टी बी के प्रति अधिक सवेदनशील बनाने, जानकारी का प्रचार प्रसार, प्रत्येक स्तर पर टी बी की जांच उपचार एवं अन्य सुविधाये जो टी बी रोगीओ को दी जा रही है उनका प्रचार प्रसार नियमित किया जाए। इसी प्रयास से मध्य प्रदेश टी बी मुक्त हो पाएगा ।

दिल्ली में सरेआम युवक को 14 बार चाकू से गोदा, मौके पर हुई मौत; आरोपी हुए फरार

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी थाना क्षेत्र में शनिवार शाम सरेआम एक युवक की कुछ लड़कों ने चाकू से गोद कर हत्या कर दी। मृतक तुषार(21) पर हमलावरों ने करीब 14 बार चाकू से वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देकर आरोपित मौके से फरार हो गए। कल्याणपुरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में प्राथमिकी पंजीकृत कर ली है।

पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला, जिनमें दो आरोपित कैद मिले हैं। इस आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में भी लिया है। तुषार परिवार के साथ त्रिलोकपुरी 10-ब्लाक में रहता था। परिवार में पिता सुनील कुमार, सुमित और आशु दो बड़े भाई के अलावा नाना मदन लाल और नानी काशी देवी हैं। मां की कई वर्ष पूर्व ही मृत्यु हो चुकी है। पिता अलग रहते हैं, जो मजदूरी करते हैं। तुषार का पालन पोषण नान व नानी ने ही किया था। तुषार के बड़े भाई का फोटोग्राफी का काम है, जिनके साथ वह भी काम करता था। स्वजन ने बताया कि तुषार शाम करीब 4 बजे नानी से चाय बनाने की बात कर घर से बाहर निकला और थोड़ी देर में वापस लौटने की बात कही।

इसी दौरान घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर ही चार-पांच लड़कों ने उसे घेर लिया। इसके बाद पेट, गर्दन सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चाकू से वार कर दिए। यह देख आसपास लोगों की भीड़ जमा हुई तो आरोपित मौके से फरार हो गए। लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जमीन पर खून से लथपथ पड़े तुषार को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जापानी युवती भारत छोड़कर पहुंची बांग्लादेश, दिल्ली में होली पर बदसलूकी के बाद किए कई ट्वीट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में होली के दिन जापानी युवती के साथ रंग लगाने के दौरान हुई बदसलूकी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, इस मामले में युवती ने भी कई ट्वीट किए हैं, जिसमें उसने उस दौरान की घटना के बारे में बताया है। साथ ही उसने बताया कि वह फिलहाल भारत से बांग्लादेश पहुंच गई है।

युवती ने ट्वीट कर बताया, मैने 9 मार्च को भारतीय त्योहार होली का एक वीडियो ट्वीट किया था, लेकिन उसके बाद रिट्वीट और मैसेज की संख्या मेरी कल्पना से कहीं अधिक बढ़ गई और मैं डर गई। इसलिए मैंने ट्वीट को हटा दिया। इस वीडियो से जिन्हें ठेस पहुंची है, उन लोगों से हम माफी मांगते हैं। मैने सुना था होली के त्योहार पर होली के पर्व पर एक भारतीय महिला का बाहर जाना

बहुत खतरनाक था। इसलिए मैने 35 अन्य दोस्तों के साथ इस त्योहार में भाग लिया। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसी स्थिति पैदा हो गई। जो वीडियो आग की तरह फैला वो ऐसा नहीं था जिसके पीछे कोई कैमरामैन किसी मकसद से काम कर रहा हो, ये वीडियो भाग्यवश लिया गया, जब एक अन्य जापानी होली के पर्व का वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था। मैं इसकी सराहना करूंगी, यदि आप समझ सकें कि मैं भारत में होली के त्योहार की असामान्यताओं और नुकसानों को बताने की कोशिश नहीं कर रही थी। वीडियो में देख पाना मुश्किल है, लेकिन कैमरामैन और दूसरे लोग रास्ते में हमारी मदद कर रहे हैं। जिस स्थान पर वीडियो फिल्माया गया था, उसे भारत की सबसे असुरक्षित जगहों में से एक माना जाता है, और मैंने उत्सव में भाग लिया था।

मूल होली का त्योहार एक अद्भुत और मजेदार पारंपरिक त्योहार है, जिसका उद्देश्य एक दूसरे पर रंगीन पाउडर और पानी डालकर वसंत के आगमन का जश्न मनाना और त्वचा के रंग या सामाजिक स्थिति की परवाह किए बिना इसका आनंद लेना है। इस त्योहार को लेकर कई और भी मान्यताएं हैं।

हालांकि, हम वीडियो और ट्विटर के माध्यम से कई लोगों की चिंता करने के लिए ईमानदारी से क्षमा चाहते हैं। मैं कई तरह से चिंता और चिंता पैदा करने के लिए अपनी ईमानदारी से क्षमा चाहता हूं, भले ही मेरा लक्ष्य भारत के सकारात्मक पहलुओं और खुशियों को व्यक्त करना था। उस घटना के बाद पुलिस ने हमसे वादा किया है कि वो ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए और सख्त कदम उठाएंगे। उम्मीद करते हैं कि अगले साल से होली पर महिलाओं का उत्पीड़न कम होगा।

चीन में हो रही कीड़ों की बारिश, गाड़ियों पर दिख रहा कीड़ों का कहर

बीजिंग, एजेंसी। चीन में इन दिनों सड़कों पर खड़ी गाड़ियां पूरी तरह से कीड़ों से ढ़की हुई दिख रही है। बड़ी संख्या में कीड़े आसमान से गिर रहे है। यहां तक की बीजिंग में नागरिकों को कहा गया है कि घर से छाता लेकर निकला करें।

आसमान से आमतौर पर बारिश होती है तो पानी गिरता है। कभी कभी आसमान से ओले तो कभी बिजली भी गिरती है। मगर इन दिनों चीन की राजधानी बीजिंग में भी बारिश हो रही है जिससे स्थानीय लोग काफी परेशान हो गए है। मगर ये बारिश कोई आम बारिश नहीं है। यहां आसमान से पानी नहीं बरस रहा है। दरअसल चीन की राजधानी बीजिंग में ऐसी बारिश हो रही है जिसे देखकर लोग अचंभित हो गए

है। चीन में इन दिनों कीड़ों की बारिश हो रही है। चीन से एक वीडियो सामने आया है जिसमें साफ देखा जा रहा है कि आसमान से कीड़ों की बारिश हो रही है। इस तरह की अनोखी बारिश को देखकर लोग काफी हैरान है। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि बीजिंग में कीड़ों की बारिश हो रही है, जिसके बाद हर कोई हैरान है। इस बारिश से चीन के अलग अलग इलाके प्रभावित हुए है। जानकारी के मुताबिक सड़कों पर खड़ी गाड़ियों के ऊपर ढ़ेरों कीड़े पड़े हुए है। सड़कों पर भी कीड़ों के झुंड दिख रहे है। वहीं मौसम विभाग व स्थानीय प्रशासन ने स्थानीय नागरिकों को घर से बाहर निकलने पर ऐहतियात बरतने और छाता लेकर निकलने की हिदायत दी है। ये भी कहा गया है कि बिना काम के घर से बाहर निकलने से परहेज करें। एक्सपर्ट्स का मानना है कि भीषण तूफान के साथ इस तरह के कीड़ों का गिरना काफी आम होता है। इससे पहले आसमान से कीड़ों की जगह मछलियां भी गिर चुकी है। लोगों का कहना है कि तेज हवाओं के कारण ही ये घटना सामने आई है। बता दें कि कई लोगों का कहना है कि ये कोई किड़े नहीं हैं बल्कि ये कुछ खास तरह के फूल हैं, जो कि हवाओं के साथ आकर गिर रहे है। हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

नेतन्याहू के खिलाफ इजराइल के इतिहास का सबसे बड़ा प्रदर्शन

तेल अवीव एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की सरकार के खिलाफ शनिवार को करीब 5 लाख लोग सड़कों पर उतरे। इसे इजराइल के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन बताया जा रहा है। ये लोग नेतन्याहू के उस बिल का विरोध कर रहे हैं जिसमें सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों को कम किया गया है। द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक केवल इजराइल की राजधानी तेल अवीव में 2 लाख लोग प्रदर्शन के लिए जमा हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार सुप्रीम कोर्ट पर अपने फैसले को वापस नहीं लेती है तो गुरुवार के दिन ये प्रदर्शन और तेज हो जाएंगे। इजराइल में केवल आम लोग ही नहीं बल्कि बड़े पदों पर बैठे पुलिस अधिकारी और बिजनेसमैन भी सरकार के फैसले का विरोध कर रहे हैं। शनिवार को हुए प्रोटेस्ट में तेल अवीव के पुलिस चीफ एमिशाई अशेद ने शामिल होकर सरकार को झटका दे दिया। जैसे ही अशेद प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे तो तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका स्वागत किया गया। हालांकि इसके बाद उन्हें पद से हटाकर कहीं और ट्रांसफर कर दिया गया। पिछले महीने इजराइल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को लेकर एक प्रस्ताव जारी किया। इसके पास होने पर इजराइली संसद को सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का पलटने का अधिकार मिल जाएगा। इसे 'ओवरराइड' बिल नाम दिया गया है। अब अगर ये बिल पास हो जाता है तो संसद में जिसके पास भी बहुमत होगा, वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट सकेगा। लोगों का मानना है कि इससे देश का लोकतंत्र और सुप्रीम कोर्ट कमजोर होगा।

सोलर सिस्टम में सूर्य से पहले पानी मौजूद था

वॉशिंगटन, एजेंसी। सोलर सिस्टम में सूरज से पहले पानी की मौजूदगी थी। ऐसा सौर मंडल के निर्माण को समझने में लगे साइंटिस्ट का कहना है। साइंटिस्ट कई साल से इस बात का पता लगा रहे हैं कि आखिर ब्रह्मांड (यूनिवर्स) में सबसे पहले किसका अस्तित्व था- सूर्य, पानी, धरती, आकाश या कुछ और। अब एक शोध में दावा किया गया है कि सूर्य से पहले पानी का अस्तित्व मौजूद था। अमेरिका की नेशनल रेडियो एस्ट्रोनॉमी ऑब्जर्वेट्री के साइंटिस्ट जॉन जे टॉबिन का ने कहा- हमने एक तारे की डिस्क पर रिसर्च की। इससे हमें सौर मंडल में सूर्य के निर्माण से पहले पानी की उत्पत्ति का पता चला है। इस तारे का नाम वी883 है। ये धरती से 1300 लाइट ईयर दूर है। हमें इसके चारों ओर बनी डिस्क से पता लगा कि यहां पानी गैस के रूप में मौजूद था। जॉन जे टॉबिन ने कहा- जब गैस और डस्ट से बना बादल फटता है तो एक तारा बनता है। इस तारे के चारों ओर इसी बादल की डिस्क भी बनती है। वी883 की डिस्क में हमें जो पानी मिला है उसमें कुछ कैमिकल्स हैं। इनसे पता चलता है कि पानी, तारों से प्लैनेट्स तक कैसे पहुंचा। ये इस थ्योरी का भी समर्थन करता है कि धरती पर पानी सूर्य से भी पुराना है। उन्होंने कहा- तारे के चारों ओर बनी इस डिस्क में मौजूद पदार्थ हजारों साल बाद चिपक जाते हैं। ये बाद में कॉमेट, एस्ट्रोइड और प्लेनेट बन जाते हैं। हम जानते हैं कि पानी अलग-अलग तरह की कंडीशन में बनता है। इनका अनुपात अलग-अलग होता है। उदाहरण के लिए सोलर सिस्टम के कुछ कॉमेट्स में रेशो धरती पर मौजूद पानी के समान दिखाया गया है। इससे ऐसा लगता है कि धरती पर पानी कॉमेट्स के जरिए पहुंचा। डिस्क में पानी की संरचना हमारे सोलर सिस्टम में मौजूद कॉमेट्स के समान ही है। इससे हम कह सकते हैं कि पानी अरबों साल पहले बना। सूर्य से भी पहले, अंतरिक्ष में बना। झमाझम होती बारिश हो, केतली से निकलती भाप हो या सिल्ली घिसकर तैयार बर्फ का रसीला गोला। पानी के इन तीनों रूपों को कैमिस्ट्री में एच2ओ कहते हैं। एच2ओ यानी पानी का अणु। और अणु किसी भी पदार्थ यानी सब्सटेंस की इकाई है। ठीक वैसे ही जैसे कोशिकाओं से मिलकर हमारा शरीर बनता है। यानी कोशिकाएं हमारे शरीर की इकाई हैं।

ईरान में 100 से ज्यादा लोग गिरफ्तार, इनमें से ज्यादातर सरकारी कर्मचारी, इन पर फीमेल स्टूडेंट को जहर देने के आरोप

तेहरान एजेंसी। ईरान में 100 से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। इन पर स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली स्टूडेंट्स को जहर देने का आरोप है। ईरान में पिछले साल 16 सितंबर को हिजाब विरोधी प्रदर्शन शुरू हुए थे। इसके बाद करीब पांच हजार छात्राएं रहस्यमयी तौर पर बीमार हो गई थीं।

ग्लोबल प्रेशर के बाद ईरान सरकार ने मामले की जांच कराई। इसमें सामने आया कि स्टूडेंट्स के पानी में धीमा जहर मिलाया गया था। सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई की आदेश के बाद सरकार ने कार्रवाई की। खामनेई ने कहा था- जो भी कसूरवार हो, उसे फांसी पर लटकाया जाए। इसके बाद इब्राहिम रईसी की सरकार पर दबाब बढ़ गया। दुनिया में लड़कियों को जहर दिए जाने के बाद ईरान सरकार की काफी

बेइज्जती हुई थी। इसके बाद जांच और अब गिरफ्तारियों का सिलसिला शुरू हुआ। सरकारी न्यूज एजेंसी 'इरना' के मुताबिक- होम मिनिस्ट्री ने साफ कर दिया है कि इस मामले की जांच लंबी चलेगी। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ के बाद सबूत जुटाए जाएंगे। बहुत मुमकिन है कि कुछ और लोगों को गिरफ्तार किया जाए।

देश के कई शहरों के लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कुछ खबरों के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए लोगों में ज्यादातर सरकारी कर्मचारी हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिन लोगों को पकड़ा गया है वो सरकार समर्थक और कट्टरपंथी हैं। ईरान के अलावा भी दुनिया के कई देशों में छात्राओं को जहर दिए जाने के मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए थे। पेरेंट्स का कहना था कि यह स्टूडेंट्स की आवाज दबाने की साजिश है। सुप्रीम लीडर खामनेई ने इसे नाकाबिले माफी जुर्म बताया था। खामनेई ने कहा था- गुनहगारों का सख्त सजा दी जाएगी। होम मिनिस्ट्री गिरफ्तार लोगों के बारे में खुलकर बोलने से बच रही है। देश के कई हिस्सों में लड़कियों के स्कूल बंद भी हो चुके हैं। जहर दिए जाने का पहला मामला नवंबर में कोम शहर में सामने आया था। यहां 18 लड़कियां गंभीर रूप से बीमार हो गई थीं। साजिश का शक इसलिए हुआ कि सभी बीमारी लड़कियों में बिल्कुल एक जैसे लक्षण नजर आ रहे थे। उन्हें उल्टी के साथ हाथ-पैर सुन्न पड़ जाने और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत थी। फरवरी में तेहरान के एक कॉलेज की 100 लड़कियों को एक साथ एडमिट कराना पड़ा था। ह में इसको लेकर एक प्रस्ताव भी पास किया गया था। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वहां की स्कूल गर्ल्स को जबरदस्ती पोर्न वीडियोज दिखाकर धमकाया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129